राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

10 एयर इंडिया ने उल्लेखनीय प्रगति की है, विमानों के ऐतिहासिक आर्डर..

आखिरी ग्रैंड स्लैम नहीं जीत सकीं सानिया-रो पड़ीं... 11

वर्ष : 13 | अंक : 255 | नई दिल्ली, शनिवार, 28 जनवरी, 2023 | पौष शुक्ल सप्तमी, विक्रम संवत् 2079 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

भारत-जापान की वायु सेनाओं ने 'वीर गार्जियन' में 16 दिनों तक किया युद्धाभ्यास

- दोनों वायु सेनाओं के एयर क्रू ने एक दूसरे के लड़ाकू विमानों में उड़ान भरकर किया अभ्यास
- भारत की पहली फाइटर पायलट अवनि चतुर्वेदी ने देश के बाहर पहली बार किया युद्धाभ्यास

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और जापान की वायु सेनाओं ने 16 दिनों तक हवाई अभ्यास 'वीर गार्जियन' के दौरान एक-दूसरे से अनूठी क्षमताएं सीखीं। दोनों वायु सेनाओं के एयर क्रू ने एक दूसरे के लड़ाकू विमानों में उड़ान भरी, ताकि एक दूसरे की ऑपरेशनल गतिविधियों के बारे में गहरी समझ हासिल की जा सके। अभ्यास 'वीर गार्जियन' ने दोनों वायु सेनाओं को आपसी समझ बढ़ाने का अवसर प्रदान किया। इस दौरान दोनों वायु सेनाएं कई सिम्युलेटेड परिचालन परिदृश्यों में जटिल और व्यापक हवाई युद्धाभ्यास में लगी रहीं। भारतीय वायु

सेना और जापान एयर सेल्फ डिफेंस फोर्स (जेएएसडीएफ) के बीच द्विपक्षीय वायु अभ्यास 'वीर गार्जियन' की शुरूआत जापान के हयाकुरी एयरबेस में 10 जनवरी से हुई थी। जेएएसडीएफ ने अपने चार-चार एफ-2 और एफ-15 विमानों के साथ अभ्यास में भाग लिया, जबकि भारत की टुकड़ी ने 4 सुखोई-30 एमकेआई विमानों के साथ भाग लिया। वायु सेना के लड़ाकू दल को एक आईएल-78 फ्लाइट रिफ्यूलिंग एयरक्राफ्ट और दो सी-17 ग्लोबमास्टर स्ट्रैटेजिक एयरलिफ्ट ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट से जापान ले जाया गया था। इस संयुक्त अभ्यास में पहली बार वायु सेना की फाइटर पायलट अवनि चतुर्वेदी ने देश के बाहर युद्धाभ्यास में हिस्सा लिया। हालांकि, उन्होंने इससे पहले भारत आने वाली विदेशी वायु सेनाओं के साथ युद्धाभ्यास में हिस्सा लिया है, लेकिन विदेशी आसमान में फाइटर जेट उड़ाने का उनका पहला अनुभव रहा। अवनि चतुर्वेदी फाइटर जेट उड़ाने वाली पहली भारतीय महिला पायलट हैं। युद्ध की स्थिति में अवनि सुखोई जैसे विमान भी उड़ा सकती हैं। उनके पति विनीत छिकारा भी भारतीय वायु सेना में फ्लाइंग लेफ्टिनेंट हैं। जापान के ओमिटामा में हयाकुरी एयरबेस और इसके आसपास के हवाई क्षेत्र औरसयामा के इरूमा एयरबेस में 16 दिनों तक चले संयुक्त हवाई प्रशिक्षण के दौरान दोनों वायु सेनाएं कई सिम्युलेटेड परिचालन परिदृश्यों में जटिल और व्यापक हवाई युद्धाभ्यास में लगी रहीं।

मौसम

अधिकतम तापमान 15.0°C

न्यूनतम तापमान 06.0°C

बाजार

सोना	56,00
चांदी	53,300
सेंसेक्स	54,306
निफ्टी	22,503

संक्षिप्त खबरें

मोदी, बिरला, मुंडा ने संगमा को दी जन्मदिन की बधाई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला समेत कई केंद्रीय मंत्रियों तथा विभिन्न दलों के नेताओं ने मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा के जन्मदिन पर शुक्रवार को उन्हें शुभकामनाएं दीं और उनके लंबे एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। श्री मोदी ने एक ट्वीट में लिखा,मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा जी को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं। उनकी दीघार्यु और स्वस्थ जीवन के लिए प्रार्थना करता हूं। श्री बिरला ने बधाई देते हुए ट्वीट किया, मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा को जन्मदिन की हार्दिक बधाई। राज्य और इसके लोगों को आपके सक्षम नेतृत्व और प्रशासन से लाभ हो। आपके लंबे और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं। श्री संगमा को शुभकामनाएं देने के लिए कई केंद्रीय मंत्रियों और भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने भी माइक्रो ब्लॉगिंग साइट का सहारा लिया। केंद्रीय बंदरगाह, नौवहन एवं जलमार्ग मंत्री सवार्नंद सोनोवाल ने कहा, मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। आने वाले साल में आपको अच्छा स्वास्थ्य और खुशियां मिले। जनजातीय मामलों के केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा, मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई। मैं आपके अच्छे स्वास्थ्य और दीघार्यु की कामना करता हूं।

गुणवत्ता युक्त और सस्ती दवा से आम आदमी को लाभ होगा: मांडविया

नई दिल्ली। देश में गुणवत्ता युक्त और सस्ती दवा विकसित करने पर जोर देते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को कहा कि इससे आम आदमी को लाभ होगा। डॉ. मांडविया ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बायोलॉजिकल्स के जैविक दवाओं की गुणवत्ता पर एक सम्मेलन को ऑनलाइन संबोधित करते हुए कहा कि जैविक दवाएं पारंपरिक रासायनिक दवाओं के साथ चिकित्सा के विकल्प के रूप में उभरी हैं। कोविड महामारी के कारण पिछले कुछ वर्षों में चिकित्सा आपातकाल ने देखा है कि भारतीय बायोफार्मा और डायग्नोस्टिक उद्योग ने न केवल देश बल्कि विश्व स्तर पर सार्वजनिक स्वास्थ्य आवश्यकता को पूरा किया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह सम्मेलन देश के बायोफार्मास्यूटिकल्स और इन-विट्रो डायग्नोस्टिक उद्योग के बुनियादी ढांचे और प्रौद्योगिकियों को उन्नत करने में मदद करेगा और विश्व स्तरीय उत्पादों को विकसित करने और सार्वजनिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने की क्षमता बढ़ाएगा।

परीक्षा पे चर्चा: परिवार की अपेक्षाएं स्वाभाविक फोकस रहने पर खत्म हो जाएगा दबाव : मोदी

औसत स्क्रीन समय बढ़ाना एक चिंताजनक प्रवृत्ति, समृद्ध लोकतंत्र के लिए आलोचना एक शुद्धि यज्ञ

नई दिल्ली, प्रात: किरण, संवाददाता

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को छात्रों को परीक्षा में अधिक से अधिक लाने के दबाव से नहीं दबने का मंत्र देते हुए कहा कि यदि आप फोकस रहते हैं तो उम्मीदों का दबाव समाप्त हो सकता है। उन्होंने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों पर उम्मीदों का बोझ न डालें और छात्रों से कहा कि वे हमेशा अपनी क्षमता के अनुसार खुद का मूल्यांकन करें। प्रधानमंत्री नई दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में परीक्षा पे चर्चा (पीपीसी) के छठे संस्करण में छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के साथ बातचीत कर रहे थे। उन्होंने बातचीत से पहले कार्यक्रम स्थल पर छात्रों द्वारा प्रदर्शित प्रदर्शनी को भी देखा। सभा को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि यह पहली बार है कि परीक्षा पे चर्चा गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान हो रही है। इससे अन्य राज्यों से दिल्ली आने वालों को भी गणतंत्र दिवस की झलक मिली। प्रधानमंत्री ने परीक्षा पे चर्चा को स्वयं के लिए भी उपयोगी करार देते हुए कहा कि यह उन्हें भारत की युवा पीढ़ी के मन में झांकने का मौका प्रदान करता है। उन्होंने कहा, ₹ये सवाल मेरे लिए खजाने की तरह हैं।₹ उन्होंने इशारा किया कि वे इन सभी प्रश्नों का संकलन चाहते हैं जिनका आने वाले वर्षों में सामाजिक वैज्ञानिकों द्वारा विश्लेषण किया जा सकता है जिससे हमें ऐसे गतिशील समय में युवा छात्रों के दिमाग के बारे में एक विस्तृत थीसिस मिल सके।

निराशा से निपटने पर

खराब अंक आने पर पारिवारिक निराशा के बारे में पूछे गेय प्रश्न के जवाब में प्रधानमंत्री ने कहा कि परिवार की अपेक्षाएं होना स्वाभाविक है और उसमें कुछ गलत भी नहीं है, लेकिन अगर परिवार के लोग अपेक्षाएं सामाजिक स्थिति (सोशल स्टेटस) के कारण कर रहे हैं तो वो चिंताजनक है। मोदी ने हर सफलता के साथ प्रदर्शन के बढ़ते मानकों और बढ़ती अपेक्षाओं के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि आसपास की उम्मीदों के जाल में फंसना अच्छा नहीं है और व्यक्ति को अपने भीतर देखना चाहिए और उम्मीद को अपनी क्षमताओं, जरूरतों, इरादों और प्राथमिकताओं से जोड़ना चाहिए। क्रिकेट मैच में दर्शकों की चौका और छक्का लगाने की मांग का उदाहरण देते हुए कहा कि जिस तरह क्रिकेटर का ध्यान लोगों के चिल्लाने पर नहीं, बल्कि अपने खेल पर फोकस होता है। इसी तरह आप भी दबावों में न रहें। प्रधानमंत्री ने छात्रों को दबाव के दबाव में नहीं आने की सीख देते हुए कहा कि दबाव से दबें नहीं। उन्होंने कहा कि हम राजनीति में हैं। राजनीति में भी 200 लेने पर अधिक लाने का दबाव होता है। हम कितने भी चुनाव जीत लें, यह उम्मीद की जाती है कि हम कोई चुनाव नहीं हारेंगे, लेकिन हमें अपनी एक्टिविटी में फोकस रहना होगा। दबाव के दबाव में नहीं आना है। प्रधानमंत्री ने क्रिकेट के मैदान पर बल्लेबाज के फोकस और छात्रों के दिमाग के बीच की कड़ी को रेखांकित करते हुए कहा कि अगर आप फोकस्ड रहते हैं तो उम्मीदों का दबाव खत्म हो सकता है। उन्होंने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों पर उम्मीदों का बोझ न डालें और छात्रों से कहा कि वे हमेशा अपनी क्षमता के अनुसार खुद का मूल्यांकन करें। हालांकि, उन्होंने छात्रों से कहा कि वे दबावों का विश्लेषण करें और देखें कि क्या वे अपनी क्षमता के साथ न्याय कर रहे हैं। ऐसे में इन उम्मीदों से बेहतर प्रदर्शन को बढ़ावा मिल सकता है।

परीक्षा की तैयारी और समय प्रबंधन पर

परीक्षा के दौरान समय प्रबंधन और तैयारी कहां से शुरू करें और तनावपूर्ण माहौल में भूलने की स्थिति के प्रश्नों पर प्रधानमंत्री ने कहा कि सिर्फ परीक्षा के लिए ही नहीं, जीवन में टाइम मैनेजमेंट के प्रति हमें जागरूक रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि काम करने से कभी थकान नहीं होती, बल्कि काम नहीं करना इंसान को थका देता है। उन्होंने छात्रों से कहा कि वे अपने द्वारा की जाने वाली विभिन्न चीजों के लिए समय को नोट करें। उन्होंने कहा कि यह एक सामान्य प्रवृत्ति है कि व्यक्ति अपनी पसंद की चीजों को अधिक समय देता है।

परीक्षा में अनुचित साधनों और शार्टकट लेने पर

परीक्षा में अनुचित साधनों से बचने के तरीकों और नकल को खत्म करने के बारे में पूछे गये प्रश्न पर प्रधानमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त की कि छात्रों ने नकल से निपटने के तरीके खोजने का विषय उठाया है। उन्होंने कहा कि कुछ ऐसे भी छात्र होते हैं जो परीक्षा में नकल करते समय पर्यवेक्षक को मूर्ख बनाने में गर्व महसूस करते हैं। उन्होंने कहा, ₹यह एक बहुत ही खतरनाक प्रवृत्ति है।₹ प्रधानमंत्री ने सभी देशवासियों से इस पर विचार करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि कुछ स्कूल या शिक्षक जो ट्यूशन कक्षाएं चलाते हैं, अनुचित साधनों का प्रयास करते हैं ताकि उनके छात्र परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त कर सकें। उन्होंने छात्रों से यह भी कहा कि वे नकल के तरीके खोजने और नकल सामग्री तैयार करने में समय बर्बाद करने से बचें और उस समय को पढ़ाई में व्यतीत करें। मोदी ने कहा, इस बदलते समय में, जब हमारे आसपास का जीवन बदल रहा है, आपको कदम-कदम पर परीक्षा का सामना करना पड़ता है।

मोदी 'सर' की मास्टर क्लास, स्टूडेंट्स के सवालों का मिला जवाब

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को तालकटोरा स्टेडियम में परीक्षा पे चर्चा के 6वें संस्करण से संबंधित प्रदर्शनी का निरीक्षण किया। इस मौके पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान बोले, परीक्षा पर चर्चा एक जन आंदोलन का रूप ले चुका है। बच्चों पर जो अभिभावक, शिक्षक और समाज का दवाब रहता है, उसको समझते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उस दुविधा को स्वयं हमारे बीच समाधान देने के लिए उपस्थित हुए हैं। वहीं, पीएम मोदी ने दिल्ली में परीक्षा पर चर्चा 2023 के छठे संस्करण के दौरान छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के साथ बातचीत की। पीएम ने कहा, परीक्षा पे चर्चा मेरी भी परीक्षा है। कोटि-कोटि विद्यार्थी मेरी परीक्षा लेते हैं और इससे मुझे खुशी मिलती है। ये देखना मेरा सौभाग्य है कि मेरे देश का युवा मन क्या सोचता है। पीएम मोदी ने कहा, परीक्षा पर चर्चा' मेरी भी परीक्षा है और देश के कोटि-कोटि विद्यार्थी मेरी परीक्षा ले रहे हैं... मुझे ये परीक्षा देने में आनंद आता है। परिवारों को अपने बच्चों से उम्मीदें होना स्वाभाविक है, लेकिन अगर यह सिर्फ

सामाजिक स्थिति बनाए रखने के लिए है, तो यह खतरनाक हो जाता है। पीएम मोदी ने कहा, सिर्फ परीक्षा के लिए नहीं वैसे भी जीवन में हमे समय के प्रबंधन के प्रति जागरूक रहना चाहिए। काम का ढेर इसलिए हो जाता है क्योंकि समय पर उसे नहीं किया। काम करने की कभी थकान नहीं होती, काम करने से संतोष होता है। काम ना करने से थकान होती है कि इतना काम बचा है। पीएम मोदी ने कहा, मेहनती बच्चों को चिंता रहती है कि मैं मेहनत करता हूं और कुछ लोग चोरी कर अपना काम कर लेते हैं। ये जो मूल्यों में बदलाव आया है ये सामज के लिए खतरनाक है। अब जिंगदी बदल चुकी है जगत बहुत बदल चुका है। आज हर कदम पर परीक्षा देनी पड़ती है। नकल से जिंदगी नहीं बन सकती है। पीएम मोदी ने कहा, हम राजनीति में कितने ही चुनाव क्यों न जीत लें लेकिन ऐसा दवाब पैदा किया जाता है कि हमें हारना नहीं है। चारों तरफ से दबाव बनाया जाता है। क्या हमें इन दबावों से दबना चाहिए ? अगर आप अपनी एक्टिविटी पर फोकस रहते हैं तो आप ऐसे संकट से बाहर आ जाएंगे।

शौर्य और पराक्रम से गौरवान्वित है मध्य प्रदेश पुलिस का इतिहास : शिवराज

मुख्यमंत्री चौहान ने नवनियुक्त आरक्षकों को वितरित किए नियुक्ति प्रमाण-पत्र

भोपाल, एजेंसी

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को कहा कि मध्य प्रदेश पुलिस का इतिहास शौर्य और पराक्रम से गौरवान्वित है। कबायली हमला हो या गोवा मुक्ति का संघर्ष हो, मध्य प्रदेश पुलिस ने अपना कर्तव्य निर्वहन कर देश की सेवा की है। राज्य में सिमी आतंकी का नेटवर्क हो या बीहड़ के जंगल में डकैतों का आतंक या फिर नक्सलियों का आतंक, मध्य प्रदेश पुलिस ने इन सभी को ध्वस्त किया है, प्रभावी अंकुश लगाया है। मुख्यमंत्री चौहान शुक्रवार को भोपाल में आयोजित 'नवनियुक्त आरक्षकों को नियुक्ति प्रमाण-पत्र वितरण एवं उन्मुखीकरण कार्यक्रम' को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कुल छह हजार नवनियुक्त आरक्षकों में से पांच को खुद नियुक्ति प्रमाण-पत्र वितरित किए। कार्यक्रम में गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा और भोपाल महापौर मालती राय उपस्थित रहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अपनी मेहनत, लगन, प्रतिभा से नियुक्त होने पर आप सभी नव आरक्षकों को मैं हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं। यह सिर्फ नौकरी नहीं है, देश की रक्षा, जन सेवा का संकल्प है। जब आवश्यकता हुई पुलिस बल ने सर्वोच्च बलिदान दिया है। उन्होंने कहा कि नवआरक्षक यह याद रखें कि यह वर्दी देश की रक्षा के लिए है, समाज की सुरक्षा के लिए है, अपराधियों पर कहर बनकर टूट पड़ने के लिए है, सज्जनों के उद्धार और दुर्जनों पर अंकुश के लिए है।

'जगदीश गांधी जैसे संस्थापक होंगे, बच्चों पर दबाव बढ़ेगा'

- लखनऊ में योगी बोले- परीक्षा में बच्चे अच्छे अंक हासिल करें, अच्छी बात है, लेकिन बाध्य नहीं करना चाहिए

लखनऊ, एजेंसी

सीएम योगी शुक्रवार को सरोजनीनगर स्थित सैनिक स्कूल में 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने निपुण भारत मिशन के तहत विद्या समीक्षा केंद्र का उद्घाटन किया। साथ ही हाईस्कूल व इंटर में सर्वोच्च अंक पाने वाले 1698 मेधावियों का सम्मान और टैबलेट वितरण किया। उन्होंने पीएम द्वारा लिखी तनावमुक्त परीक्षा के लिए एग्जाम वॅरियर्स किताब भी विद्यार्थियों को वितरण किया।उन्होंने कहा कि जब जगदीश गांधी जैसे संस्थापक होंगे तो बच्चों पर पढ़ाई का दबाव तो बढ़ेगा। जिससे वो अवसाद में चले जाते हैं। तनाव में कभी भी पढ़ाई नहीं करनी चाहिए। सीएम योगी ने कहा कि परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करना यह अच्छी बात है, लेकिन किसी बच्चे को इसके लिए बाध्य नहीं करना चाहिए, क्योंकि जिस बच्चे की जितनी शारीरिक व बौद्धिक विकास की क्षमता होगी वह उसका परिणाम दे देगा।

देश का पहला सैनिक स्कूल लखनऊ में हुआ था स्थापित

सीएम योगी ने कहा कि 1960 में देश का पहला सैनिक स्कूल लखनऊ में स्थापित हुआ था। साथ ही यह देश का पहला सैनिक स्कूल है। जहां बालिकाओं का प्रवेश भी हुआ। अगले सत्र तक हम लोग प्रदेश में 5 सैनिक स्कूल संचालित करने के कार्य को आगे बढ़ा चुके होंगे। उन्होंने कहा कि पीएम ने तनावमुक्त परीक्षा के लिए एग्जाम वॅरियर्स पुस्तक लिखी और वे विद्यार्थियों से परीक्षा पर चर्चा कर रहे हैं। क्योंकि अभिभावकों, स्कूलों, प्रबंधकों के दबाव में बच्चे तनाव में आ जाते हैं।

यात्रा जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला भी भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुए....

जम्मू-कश्मीर के बनिहाल से आगे बढ़ी भारत जोड़ो यात्रा

बनिहाल, एजेंसी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में निकाली जा रही भारत जोड़ो यात्रा शुक्रवार को सुबह जम्मू-कश्मीर के बनिहाल से आगे घाटी बढ़ी। इस दौरान, बड़ी संख्या में तिरंगा थामे कांग्रेस कार्यकर्ता और नेता राहुल के साथ पदयात्रा करते नजर आए। बनिहाल में जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला भी भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुए।

राहुल की तरह सफेद टी-शर्ट पहने उमर ने कांग्रेस पार्टी के हजारों समर्थकों के साथ राहुल के साथ पदयात्रा में हिस्सा लिया।

श्रीनगर से 120 किलोमीटर की दूरी पर स्थित बनिहाल पहुंचने के बाद संवाददाताओं से मुखातिब उमर ने कहा, भारत जोड़ो यात्रा का मकसद राहुल गांधी की छवि सुधारना नहीं, बल्कि देश के मौजूदा हालातों में बदलाव लाना है। उन्होंने कहा कि वह यात्रा में इसलिए शामिल हो रहे हैं, क्योंकि वह देश की छवि को लेकर ज्यादा

चिंतित हैं। उमर ने कहा, हम किसी एक व्यक्ति की छवि के लिए नहीं, बल्कि देश की छवि के लिए इसमें हिस्सा ले रहे हैं। नेकां नेता ने कहा कि राहुल गांधी ने निजी उद्देश्यों के चलते यह यात्रा शुरू नहीं की, बल्कि उन्होंने देश में सांप्रदायिक तनाव पैदा करने और अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने की कथित कोशिशों को लेकर अपनी चिंताओं के मद्देनजर यह कदम उठाया।

उन्होंने कहा, यह सरकार भले ही अरब देशों के साथ दोस्ती कर रही है, लेकिन लेकिन सच्चाई यह है कि इस सरकार में देश के सबसे बड़े अल्पसंख्यक समुदाय का कोई प्रतिनिधि नहीं है।

भारत जोड़ो यात्रा देश का माहौल बदलने के लिए, राहुल की छवि सुधारने के लिए नहीं : उमर

उमर ने जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद-370 को निष्प्रभावी बनाए जाने के संबंध में कांग्रेस के रुख पर प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि वह इसमें नहीं पड़ना चाहते। उमर ने कहा, हम किसी एक व्यक्ति की छवि के लिए नहीं, बल्कि देश की छवि के लिए इसमें हिस्सा ले रहे हैं। नेकां नेता ने दावा किया कि राहुल गांधी ने निजी उद्देश्यों के चलते यह यात्रा शुरू नहीं की, बल्कि उन्होंने देश में ह्लसांप्रदायिक तनाव पैदा करने और अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने की कथित कोशिशोंह्व पर अपनी चिंताओं के मद्देनजर यह कदम उठाया श्रीनगर से 120 किलोमीटर की दूरी पर स्थित बनिहाल पहुंचने के बाद संवाददाताओं से मुखातिब उमर ने कहा, भारत जोड़ो यात्रा का मकसद राहुल गांधी की छवि सुधारना नहीं, बल्कि देश के मौजूदा हालातों में बदलाव लाना है। उन्होंने कहा, यह सरकार भले ही अरब देशों के साथ दोस्ती कर रही है, लेकिन सच्चाई यह है कि इस सरकार में देश के सबसे बड़े अल्पसंख्यक समुदाय का कोई प्रतिनिधि नहीं है। उमर ने कहा, आजादी के बाद यह संभवतः पहली बार है, जब सत्तारूढ़ दल से मुस्लिम समुदाय का कोई भी संसद सदस्य नहीं है। यह उनके रुख को दशार्ता है। साल 2016 में हुई सर्जिकल स्ट्राइक को लेकर कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह के बयान के बारे में पूछे जाने पर उमर ने कहा कि उनकी पार्टी ने कभी इस अभियान पर सवाल नहीं उठाए। नेकां नेता ने कहा, यह कांग्रेस का आंतरिक मामला है। हमने न तो कभी सर्जिकल स्ट्राइक (की सत्यता) पर सवाल उठाए हैं, न ही उठाएंगे।

भारतीय सीमा में बढ़ रहा है चीन का अतिक्रमण : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि भारतीय सीमा में लगातार चीन का अतिक्रमण बढ़ रहा है। यह गंभीर मुद्दा है और संसद में इस पर चर्चा होनी चाहिए। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में एक प्रेसवार्ता के दौरान कहा कि पूर्वी लद्दाख के वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास चीन ने हमारे 26 गश्त प्वाइंट पर कब्जा कर लिया है। खेड़ा ने कहा कि बीते दिनों गृह मंत्रालय और सुरक्षा अधिकारियों के बीच हुई बैठक में आला अधिकारियों ने इस मुद्दे पर एक रिपोर्ट पेश की है। खेड़ा ने कहा कि 20 मई 2020 के पहले भारतीय सेना वहां 65 प्वाइंट पर गश्त करती थी। जिसमें से अब 26 प्वाइंट पर हमारी सेना गश्त नहीं कर रही है। यहां अब चीनी लेना ने कैमरे लगाए हैं और हमारी गतिविधियों पर नजर रखते हैं। पूर्वी लद्दाख में भेड़ चराने वाली एक कम्यूनिटी को अपने क्षेत्र में ही भेड़ चराने से रोका जा रहा है।

नगर पालिका परिषद अमरोहा द्वारा कवि सम्मेलन एवं मुशायरा का आयोजन

बस एक ही दुआ है जब मौत मुझ को आये,चलता रहे तिरंगा मेरे कफन से आगे

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। 74वें गणतंत्र दिवस के मौके पर नगर पालिका के टाउन हॉल में कवि सम्मेलन एवं मुशायरा का आयोजन किया गया।कवि सम्मेलन एवं मुशायरा कार्यक्रम का शुभारम्भ जिलाधिकारी बाल कृष्ण त्रिपाठी द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया।कवि सम्मेलन एवं मुशायरा मे स्थानीय एवं अन्य नगरों से आये देश के प्रसिद्ध कवियों एवं शायरों द्वारा अपनी देशभक्ती आदि रचनाओं के माध्यम से कार्यक्रम मे उपस्थित जनमानस को भावविभोर किया गया।कार्यक्रम मे मुख्य रुप से चन्द्रशेखर शुक्ला,मुख्य विकास अधिकारी,भगवान शरण अपरजिलाधिकारी ,डा0बृजेश कुमार अधिशासी अधिकारी सहित पालिका के अधिकारी एवं कर्मचारीगण सहित नगर के

गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहें।मुशायरे की अध्यक्षता अपर जिलाधिकारी श्री भगवान शरण ने की।जबकि संचालन नौजवान शायर शीबान कादरी ने किया।एडीएम भगवान शरण ने कहा- एक नदी की तरह है हमारा वतन, इसको तालाबों झीलों में मत बाँटिये।।अना देहलवी ने कहा वो नजर से उतर गया है अना, मेने जिस की नजर उतारी थी।।जमशेद कमाल ने कहा मेरी परवाज पर कुछ लोग हैरानी में रहते हैं,बड़े नादान हैं खुद ही परेशानी में रहते हैं।।शिबान कादरी ने कहा पहले जैसी कहाँ रहती है मोहब्बत में चमक, हमने देखा है मिया इश्क दुबारा करके।वारिस वारसी ने कहा ये मंदिर है,ये मस्जिद है, ये गिरजा है ये गुरद्वारा, जहां वालो इसी मंजर को हिंदुस्तान कहते हैं।शाकिर सिरसिवि ने कहा बस एक ही दुआ है जब मौत मुझ को आये ,चलता रहे तिरंगा मेरे कफन से आगे।।सुलेमान फराज ने कहा बस येही सोच के दिल तुझको दिया है मेने , तेरा उतरा हुआ चेहरा नहीं देखा जाता।।शाह आलम रौनक ने कहा कभी वो जीत की दहलीज तक नही आता, जो अपने घर की बगावत से हार जाता है।।नासिर अमरोहवी ने कहा क्या सितम है के मुस्कुराना है, और हम मुस्कुरा नही सकते।जिला आबकारी अधिकारी अनुराग मिश्रा ने कहा कभी आकर हमारे गांव देखो, यहां मिट्टी से आंगन लीपते हैं।नीलोफर नूर ने कहा आंखों में ख्वाब का हंसी मंजर लिए हुए,बैठी हूं आंसुओं का समंदर लिए हुए।।अरमान धाम पुरी ने कहा छुपाकर रख लिया बीवी ने सामाने जहेज अपना, मगर मेरे हर एक सामान की खटिया खड़ी कर दी।।इन के अलावा भुवन अमरोहवी,माही राव, राहुल शर्मा, विनीत अग्रवाल ने भी कलाम पेश किया,आखिर में अधिशासी अधिकारी डॉ बृजेश कुमार ने सभी का धन्यवाद प्रस्तुत किया।

संक्षिप्त खबरें

ब्लॉक प्रमुख सरिता देवी ने 200 महिलाओं को कूड़ेदान वितरण किए

बाजपुर।विकास खंड कार्यालय परिसर में ब्लाक प्रमुख सरिता देवी वीडियो सुरेश चंद्र पंत ने संयुक्त रुप से ध्वजारोहण किया।ब्लॉक सभागार में ब्लॉक प्रमुख सरिता देवी एसडीएम राकेश चंद्र तिवारी द्वारा 200 ग्रामीण महिलाओं को कूड़ेदान वितरित किये।ब्लाक प्रमुख सरिता देवी ने कहा ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं को कूड़ेदान को लेकर काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था इसलिए सभी ग्राम सभाओं में महिलाओं को कूड़ेदान वितरण किए जाएंगे जिससे स्वच्छ ग्राम सभा में बनाई जाए सफाई व्यवस्था को देखकर यह कदम उठाए गए हैं।इस मौके पर वीडियो सुरेश चंद्र पंत, रहुफुल हसन,मोहम्मद तारीख,प्रदीप सागर, सुरेश सैनी, वसीम अहमद, जेई शाकिर अली, आशु भट्ट आदि मौजूद रहे।

लखीमपुर खीरी कांड में बंद 4 किसानों को अंतरिम जमानत मिलने से किसानों में उत्साह

- शहीदों को न्याय दिलाने के लिए मजबूती से लड़ाई लड़ी जाएगी
- मोनू मिश्रा की जमानत से गवाह हो सकते हैं प्रभावित- बाजवा

बाजपुर।संयुक्त किसान मोर्चा से जुड़े किसान नेता भूमि बचाओ मुहिम के संयोजक जगतार सिंह बाजवा ने कहा लखीमपुर खीरी नरसंहार के दौरान केंद्रीय मंत्री के बेटे द्वारा जिन किसानों को रौंदकर मारा गया उनकी शहादत व्यर्थ नहीं जाने दी जाएगी।लखीमपुर खीरी कांड में बंद किए गए 4 किसानों को न्यायालय से अंतरिम जमानत मिल चुकी है संयुक्त किसान मोर्चा सभी परिवारों का हर संभव सहयोग कर रहा है और भविष्य में भी करेगा।किसानों को अंतरिम जमानत मिलने से किसान परिवारों ने राहत की सांस ली है व किसान जथेबंदिया उत्साहित हैं।किसान मोर्चा लखीमपुर खीरी कांड में शहीद हुए सभी किसानों को न्याय दिलाने के लिए मजबूती से लड़ाई लड़ेगा।केंद्र सरकार अपने मंत्री पुत्र को बचाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है मोनू मिश्रा को मिली अंतरिम जमानत से गवाह प्रभावित हो सकते हैं क्योंकि मंत्री पुत्र द्वारा गवाहों पर अनुचित दबाव बनाने की कोशिश की जा सकती है मंत्री पुत्र के अनुचित प्रयासों को न्यायालय के माध्यम से विफल किया जाएगा।उच्चतम न्यायालय में लड़ाई लड़ने के लिए वरिष्ठ अधिवक्ताओं से संपर्क किया गया है।

किच्छा के पुलभट्टा क्षेत्र में नकली मिठाई बनाने की एक बडी फैक्ट्री पकडी गई

प्रात : किरण संवाददाता

किच्छा। कोतवाली के पुलभट्टा थाना क्षेत्रागंर्त जंगली इलाके में नकली मिठाई बनाने की एक बडी फैक्ट्री पकडी गई। पुलिस ने मिठाई बनाने के उपकरण व मिठाई कब्जे में ली है और आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। उक्त जानकारी देते हुए सीओ ओम प्रकाश शर्मा ने बताया कि पिछले काफी समय से नकली मिठाई बनाने वाली फैक्ट्री की सूचना मिल रही थी जिसको गंभीरता से लेते हुए उन्के नेतृत्व में पुलभट्टा थाना प्रभारी कमलेश भट्ट की टीम ने निकटवर्ती ग्राम फैजाबाद के जंगल में छापामार कार्यवाही करते हुए नकली मिठाई की फैक्ट्री पकडी। उन्होने बताया कि फैक्ट्री में नकली मिठाईयां बनाई जा रही थी जिसमें मिल्क केक सहित तमाम तरह की मिठाईंया मिली जिसमें नकली दूध, फिटकरी, नकली तेल, घोडे को खिलाये जाने वाला पाडडर, कीडे पडे हुए ड्राई फ्रूट आदि मिलाया जा रहा था जो स्वास्थ्य के लिए काफी हानिकारक है जिससे कोई भी व्यक्ति बीमार हो सकता है उन्होन जनता से अपील की कि इस तरह की मिठाई न खरीदे। मिठाई बनाने वालों ने पूछताछ में बताया कि वह यह मिठाईयां पहाड में गांव की छोटी-छोटी दुकानो पर सप्लाई किया करते है। पकडी गई मिठाई स्वादिष्ट मिठाई के नाम पर पैके की जा रही थी। श्री शर्मा ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ सक्षत कार्यवही की जायेगी।

कांग्रेस नफरत को मिटा कर मोहब्बत की दुकान खुलेगी:यशपाल आर्य

बाजपुर।उत्तराखंड नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने रामलीला ग्राउंड में ध्वजारोहण कर शहर में हाथ से हाथ जोड़ो जोड़कर नफरत महंगाई बेरोजगारी के खिलाफ अभियान की शुरूआत की।नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे एवं राहुल गांधी तथा प्रियंका गांधी के आव्हान पर हाथ से हाथ जोड़ो पदयात्रा का आव्हान पूरे देश में किया जा रहा है।उन्होंने कहा कुछ सत्ताधारियों द्वारा देश को जातिवाद धर्म के नाम पर नफरत का जहर घोलकर बांटा जा रहा है।हमारे द्वारा भाईचारे एवं मोहब्बत की दुकान खोलने का प्रयास किया जा रहा है देश को एक करने का प्रयास किया जा रहा है देश से नफरत को मिटाने का कार्य किया जा रहा है। हमारे द्वारा देश के हर कोने कोने में भाईचारे का संदेश पहुंचाने का काम किया जा रहा है।

राजकीय प्राथ्मिक विद्यालय विडौरा में निशुल्क चिकित्सा शिविर में 340 ने कराया स्वास्थ्य परीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

किच्छा। राजकीय प्राथ्मिक विद्यालय विडौरा में किच्छा सरकारी अस्पताल के होम्योपैथिक विभाग द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 340 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हे निशुल्क दवा वितरित दी गई। आज राजकीय प्राथ्मिक विद्यालय विडौरा में आयोजित निशुल्क चिकित्सा शिविर में होम्योपैथिक चिकित्सालय किच्छा की डॉक्टर सिमरनजीत कौर एवं फार्मासिस्ट अंजू तिवारी ने लोगों का निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया। बताया कि निदेशक होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी के निर्देश पर उक्त शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 340 लोगों के स्वास्थ्य की जांच कर निशुल्क दवा वितरित की गई। इस मौके पर प्रधानाचार्य संतोष कुमारराय, श्री अहमद सहित भोजन मातांए मौजूद रही।

रूद्रपुर में नारायणा सुपरस्पेशिलिटी हॉस्पिटल की तरफ से ओपीडी का किया गया आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

रूद्रपुर। हृदय संबंधी रोग के मामले इन दिनों बढ़ते जा रहे हैं। कई हृदय रोग ऐसे होते हैं, जो या तो जन्म के समय मौजूद होते हैं या उम्र के साथ या संक्रमण से हो जाते हैं जिनको ठीक करने के लिए ऑपरेशन की आवश्यकता होती है और उसके बाद भी बहुत सी सावधानियां बरतनी पड़ती है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के अनुसार, 2014 से 2019 के दौरान हार्ट अटैक से होने वाली मौतों में 53 फीसद की बढ़ोतरी हुई है और 2023 में भी इसके आंकड़े दिनों दिन बढ़ते ही चले जा रहे हैं। रुद्रपुर व उसके आसपास के क्षेत्रों में हृदय से संबंधित रोगों के मामले तेजी से बढ़े हैं। इसीलिए रूद्रपुर में नारायणा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल की तरफ से ओपीडी का आयोजन किया गया जिसमे डॉ रचित सक्सेना उचित जांच व परामर्श हेतु उपस्थित रहे। इस ओपीडी की खास बात यह रही कि इसमें फिजिकल कंसल्टेशन के साथ वीडियो कंसल्टेशन के माध्यम से रोगियों को उचित जांच एवं परामर्श दिए गए। जिससे ऑनलाइन के माध्यम से रोगियों की समस्याओं का निवारण किया गया, इसे बेहद ही नया और सराहनीय कदम बताया जा रहा है। ?

नारायणा सुपरस्पेशिलिटी हॉस्पिटल, गुरुग्राम की तरफ से हृदय संबंधी रोगों के लिए ओपीडी का आयोजन रूद्रपुर के अरोरा हार्ट केयर सेन्टर, ए-7, पंचशील एन्क्लेव, कीर्ति हॉस्पिटल के पास, फ्लाई ओवर के नीचे, एसीएमई ओवरसीज स्ट्रीट, काशीपुर रोड (सर्विस लेन), भूरारानी मोड़ में 27 जनवरी को सुबह 11 से दोपहर 1 बजे तक आयोजित किया गया। इसमें नारायणा सुपरस्पेशिलिटी हॉस्पिटल, गुरुग्राम के सीटीवीएस सीनियर कंसलटेंट कार्डियक एंड एओर्टिक सर्जरी (पूर्व असिस्टेंट प्रोफेसर, एम्स नई दिल्ली), डॉ रचित सक्सेना उचित जांच व परामर्श के लिए उपस्थित रहे। फिजिकल कंसल्टेशन व वीडियो कंसल्टेशन के साथ आयोजित इस ओपीडी का मुख्य उद्देश्य वहां के रोगियों के लिए जांच एवं परामर्श के साथ-साथ छोटे शहरों में फैलने वाली इन बीमारियों पर लगाम लगाना है।

जिलाधिकारी ने छात्र छात्राओं को वितरित किये छात्रवृत्ति स्वीकृति प्रमाण पत्र

10065 छात्र छात्राओं को दी गई 01 करोड़ 92 लाख, 23 हजार 850 रू0 की छात्रवृत्ति

प्रात : किरण संवाददाता

कासगंजः गणतंत्र दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश दिवस के उपलक्ष्य में जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने विकास खण्ड कासगंज परिसर में आयोजित छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम में जीजीआईसी कासगंज एवं आजाद गांधी इंटर कालेज कासगंज सहित विभिन्न विद्यालयों के छात्र छात्राओं को छात्रवृत्ति स्वीकृति प्रमाण पत्र प्रदान किये। शासन द्वारा जनपद के पंजीकृत शैक्षिक संस्थानों, स्कूल, कालेजों के 10065 छात्र छात्राओं के बैंक खातों में 01 करोड़, 92 लाख, 23 हजार, 650 रू0 की छात्रवृत्ति धनराशि जमा कराई गई है। इसमें पूर्व दशम के 8403 तथा दशमोत्तर के 1662 छात्र छात्रायें सम्मिलित हैं। सामान्य जाति के 1018, अनु0जाति के 3360, पिछड़ी जाति के 5134 तथा अल्पसंख्यक वर्ग के 553 छात्र छात्राओं को लाभांवित किया गया है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सचिन, डीसी मनरेगा अनिल कुमार, सीएमओ, जिला समाज कल्याण अधिकारी सुधीर पाण्डेय, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी एवं अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, बीएसए तथा अन्य अधिकारी एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य, शिक्षकगण एवं छात्र छात्रायें उपस्थित रहे।

राज्य आदोंलनकारियों की बैठक मे नगला नगर पालिका में विश्वविद्यालय पंतनगर को नहीं मिलाये जाने की गई चर्चा

प्रात : किरण संवाददाता

किच्छा। पंतनगर में जिलाध्यक्ष एम सी पाण्डे की अध्यक्षता में एक बैठक हुई जिसमें प्रस्तावित नगला नगर पालिका में विश्वविद्यालय पंतनगर को नहीं मिलाये जाने एवं संगठन को मजबूत करने के सम्बन्ध में चर्चा की गई।

प्रेस को जारी बयान में राज्य आंदोलनकारी संगठन द्धारा कहा गया है कि प्रस्तावित नगर पालिका नगला जिसमें पंतनगर विश्वविद्यालय को भी सम्मलित करते हुए शहरी विकास अनुभाग उत्तराखंड शासन द्वारा अनन्तिम अधिसूचना जारी की गई है जिसमें 20 वार्ड बनाने की सूची प्रकाशित की गई है उसमें लगभग 15 वार्ड विश्वविद्यालय के क्षेत्र में आते है या यू कहे की विश्वविद्यालय क्षेत्र ही जैसे नगर पालिका बन रही हो, जबकि पंतनगर विश्वविद्यालय का अपने आप में हिमायल की तरह अपना एक नाम है, यदि इसकी विशालता को इस तरह नगर पालिका से आछादित किया जायेगा तो विश्वविद्यालय को नगर पालिका के नाम से जाना जायेगा ना कि विश्व विख्यात हरित क्रांति की जन्म स्थली पंडित गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रोधोगिक विश्वविद्यालय पंतनगर के नाम से, इतना ही नहीं फिर पठन-पठान, शोध, प्रशासनिक कार्यों इत्यादि में टकराव हो सकता है तथा इससे विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले छात्र - छात्राओं का भी विश्वविद्यालय में प्रवेश में रूचि कम हो सकती है, जिससे विश्वविद्यालय को गहरा नुकसान होने की प्रबल संभावना है। यदि सरकार पंतनगर विश्वविद्यालय को नगर पालिका मै शामिल करती है तो दल उसका घोर विरोध करेगा किसी भी दशा में विश्वविद्यालय अहित सहा नहीं जायेगा ᵖ राज्य आंदोलनकारी एवं केंद्रीय उपाध्यक्ष चैधरी वृजवीर सिंह ने कहा कि कुछ लोग विश्वविद्यालय को वर्बाद करने पर लगे हुए है,जबकि पूर्व विधायक दो बार इस क्षेत्र से विधायक और विश्वविद्यालय मै प्रबंधक परिषद के सदस्य भी रह चुके है लेकिन विश्वविद्यालय हित एवं परिसर मै कोई भी कार्य नहीं करा सके। हमेशा यहाँ के लोगों के केवल वोट बैंक की तरह प्रयोग करते रहे। उन्होने कहा कि इस राज्य की हालत पर बड़ा आश्चर्य होता है यदि राष्ट्रीय सत्ताधारी दलों ने इस राज्य एवं विश्वविद्यालय पर सही से ध्यान दिया होता तो पूरा उत्तराखंड खुश हाल होता।

दीपप्रज्वलित

नोरेक्स फलेर्वस के प्रबंधक वैभव अग्रवाल ने अतिथियों का किया स्वागत

निर्यात और निर्यातकों समृद्धि को लेकर कार्यक्रम संपन्न

प्रात : किरण संवाददाता

गजरौला।वाणिज्य एंव उद्योग विभाग का एक कार्यक्रम नगर के एक होटल में संपन हुआ।जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि अपर जिलाधिकारी माया शंकर यादव ने अतिथियों संग संयुक्त रूप से दीपप्रज्वलित कर किया। उल्लेखनिय है कि केंद्र सरकार देश से निर्यात बढ़ाने पर जोर दे रही है और निर्यात में वृद्धि करने की दिशा में निर्यातकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। शुक्रवार को नगर के एक होटल में अपैक्स ट्रेड प्रमोशन ऑगेर्नाइजेशन फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑगेर्नाइजेशन (फियो), और वाणिज्य एवं उद्योग विभाग भारत सरकार व जिला उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन केंद्र के द्वारा आयोजित क्षमता निर्माण निर्यात संवर्धन कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि अपर जिलाधिकारी माया शंकर यादव अपर जिलाधिकारी ने सयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर के किया। आलोक श्रीवास्तव सहायक निदेशक फियो ने निर्यातकों को दी जा रही निर्यात सम्बन्धित सुविधाओं से अवगत कराया व उनके सवालो के जवाब भी दिये जिससे निर्यातक सन्तुष्ट हुए। उन्होनें ने यह भी बताया कि ऑस्ट्रेलिया व संयुक्त अरब अमीरात के साथ भारत ने मुक्त व्यापार समझौते कर लिए हैं 2022 मे। यूरोप, इंग्लैंड, कनाडा से फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर पर बात की जा रही है जिससे निर्यातकों को नए अवसर व बाजार तलाशने में मदद मिलेगी। इन एग्रीमेंट से प्रदेश के निर्यातकों के लिए नए वैश्विक बाजार खुल जायेंगे। नोरेक्स फलेर्वस के प्रबंधक वैभव अग्रवाल ने सभी उद्दिमयो व अतिथियों का स्वागत किया एवं इस तरह के आयोजन होते रहने की इच्छा भी जतायी। कि जनपद निर्यात के छेत्र में आने वाले समय मे अग्रिम जिलो में सम्मलित होगा।

स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान में खोजे जाएंगे रोगी

30 जनवरी को मनाया जाएगा विश्व कुष्ठ दिवस

विकलांग कुष्ठ रोगी मिलने पर कराया जाएगा उपचार

शैक्षिक संस्थानों, ग्राम प्रधान व सभासदों से भी ली जाएगी मदद

अमरोहा।30 जनवरी को महात्मा गांधी की पुण्यतिथि व विश्व कुष्ठ दिवस को स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान के रूप में मनाया जाएगा। इस बार विश्व कुष्ठ दिवस का विषय है अब कार्य करें, कुष्ठ रोग समाप्त करें।जिला अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं नोडल अधिकारी डॉ सत्यपाल सिंह ने बताया कि अभियान को सफल बनाने के लिए टीम घर-घर जाकर कुष्ठ रोगी खोजेगी।वर्तमान में जिले में 139 कुष्ठ रोगियों का इलाज चल रहा है।पिछले एक साल में 178 कुष्ठ रोगियों का उपचार भी हो चुका है।जनपद के सभी ब्लाकों में फरवरी में सघन कुष्ठ रोगी खोज एवं नियमित निगरानी कार्यक्रम चलाया जाएगा।इसमें कुष्ठ रोगियों को खोजने के लिए टीम घर-घर जाकर सर्वे करेगी।फिजियोथेरेपिस्ट डा. ओमप्रकाश ने बताया कि अभियान में जो भी विकलांग कुष्ठ रोगी मिलेंगे,उनका उपचार बिना किसी खर्च के किया जाएगा।कुष्ठ रोगियों की विकलांगता को दूर करने के भी यथासंभव प्रयास किए जाएंगे।भारत को कुष्ठ मुक्त बनाने के लिए एक साथ मिलकर काम करना होगा।जिला कुष्ठ परामर्शदाता डा. मोहित त्यागी ने बताया कि कुष्ठ ऐसी बीमारी है,जिसके लक्षण लंबे समय बाद प्रकट होते हैं।कुष्ठ रोग के लक्षण उत्पन्न होने में कुछ हफ्तों से लेकर बीस साल तक का समय लग जाता है।कुष्ठ रोगियों के साथ रहने को लेकर भी समाज में कई तरह की भ्रांतियां फैली हैं।कुष्ठ रोगियों के साथ परिवार के सदस्य अधिक समय बिताते हैं, इसलिए जरूरी है कि वह समय-समय पर उपचार कराते रहें।डा. ओमप्रकाश ने बताया कि सभी सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में कुष्ठ रोग का इलाज उपलब्ध है।आशा व एएनएम की मदद से संदिग्ध कुष्ठ रोगियों का भी जल्द ही पता लगाने का प्रयास किया जाएगा, जिससे उन्हें तत्काल उपचार मिल सके। अगर किसी व्यक्ति की त्वचा पर हल्के रंग के दाग या धब्बे हैं, जो सुन्न हैं, ऐसे व्यक्ति संदिग्ध कुष्ठ रोगी हो सकते हैं।उन्हें तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर सूचना देनी चाहिए।अगर कुष्ठ रोगियों को समय से खोजकर उनका उपचार किया जाए तो वह पूरी तरह से ठीक हो जाते हैं।

डीआईटी यूनिवर्सिटी ने 74वां गणतंत्र दिवस पूरे जोश और उत्साह के साथ मनाया

देहरादून।गणतंत्र दिवस 26 जनवरी, 1950 को मनाया जाता है, जिस दिन 15 अगस्त, 1947 को अपनी स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद देश के एक संप्रभु राज्य बनने के बाद भारत का संविधान लागू हुआ था। इस साल डीआईटी यूनिवर्सिटी ने 74वां गणतंत्र दिवस पूरे जोश और उत्साह के साथ मनाया।इस कार्यक्रम को विश्वविद्यालय के कुलपति की उपस्थिति में आयोजित किया गया था जिन्होंने ध्वजारोहण समारोह के दौरान झंडा फहराया था।सांस्कृतिक गतिविधियों ने देशभक्ति के माहौल को और भी अधिक गौरवान्वित किया।हमारी दो एनसीसी बटालियन, 11 यूके गर्ल्स और 29 यूके बॉयज ने एक उत्कृष्ट परेड दी, जिसने सभी के दिलों में भारतीय भावना को फिर से जगा दिया।इसी दिन बसंत पंचमी के अवसर पर सरस्वती पूजा का भी आयोजन किया गया।सांस्कृतिक सम्मान और भक्ति को बढ़ावा देने की दिशा में विश्वविद्यालय के प्रयास हमेशा से अटूट रहे हैं।

गणतंत्र दिवस मनाया

कालाढूंगी।कालाढूंगी व कोटाबाग में भी गणतंत्र दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने प्रभात फेरी निकाली।तहसील में एसडीएम रेखा कोहली, नगर पंचायत में अध्यक्ष पुष्कर कत्यूरा, थाने में थानाध्यक्ष नंदन सिंह रावत, सीएचसी में डा, सुधीर कन्याल, सहकारी समिति में अध्यक्ष शेखर जोशी, ब्लाक में प्रमुख रवि कन्याल, आईटीआई में कार्यदेशक पीसी जोशी, राबाइंका में अशोक कुमार सिंह, राबाइंका में बसंती अधिकारी, गोस्वामी विद्या मंदिर में जगदीश चंद्र तिवारी, शिशु मंदिर में किशन सिंह बिष्ट, एएमपीएस में विजय कुमार खन्ना, कालाढूंगी रेंज में ख्याली राम आर्या, बरहैनी रेंज में प्रदीप असगोला, सिंचाई विभाग में यूसी उप्रेती, मदरसा फैजुल उलूम में सादर वकील अहमद, मोती मस्जिद मदरसे में सदर जलील अहमद, स्वतंत्रता सैनानी स्थल पर जीवन लाल वर्मा, अंबेडकर पार्क में अखिल भारतीय अनुसूचित जाति, उत्थान समिति के निदेशक कीर्ति लाल सागर, जहूर पेट्रोल पंप पर जीवन लाल वर्मा ने ध्वजारोहण किया।कालाढूंगी तहसील में एसडीएम रेखा कोहली व तहसीलदार प्रियंका रानी ने स्वच्छक को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।इधर कोटाबाग के पॉलिटेक्निक में बीपी सिंह, राइंका में सुरेंद्र सिंह रौतेला, राबाइंका में विनीता पाठक, दून मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूलमें प्रबंधक मनोज बुढलाकोटी, गैबुआ दून स्कूल में खगेंद्र भट्ट ने झंडा फहराया।

कांग्रेस का हाथ से हाथ जोड़ो कार्यक्रम आयोजित

कालाढूंगी।कांग्रेस द्वारा कालाढूंगी विधानसभा के अंर्तगत चकलुवा, पूरनपुर, कालाढूंगी एवं कोटाबाग में हाथ से हाथ जोड़ों कार्यक्रम के तहत सैकड़ों कार्यकताओं ने भागीदारी की।इस अवसर पर प्रदेश महासचिव महेश शर्मा, कोटाबाग प्रभारी राजेंद्र खनवाल, कालाढूंगी प्रभारी राम सिंह नगरकोटी ने कहा कि भाजपा, सरकार में बने रहने के लिए देश की जनता का महंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी एवं रूके हुए विकास कार्यों व असल मुद्दों से जनता का ध्यान हटाने के लिए समाज में साम्प्रदायिक तनाव पैदा करने का काम कर रही है।प्रदेश के विकास कार्य रूक गये हैं, रोज भर्ती घोटाले हो रहे हैं, बेरोजगार, किसान, व्यापारी परेशान हैं।उन्होंने कहा कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने विगत 5 माह में पूरे देश में पैदल मार्च निकाल कर भाई चारे का संदेश दिया है।उन्होंने बताया राहुल गांधी का संदेश लेकर लगातार दो माह तक पोलिंग बूथ स्तर तक कार्यक्रम किए जाएंगे।इस अवसर पर कांग्रेस नेता दीप चंद्र सती, दिनेश बधानी, वकील अहमद, विक्रम सामंत, त्रिभुवन कन्याल, कमल अधिकारी, पूरन खनी, श्याम सिंह बिष्ट, देवेंद्रसिंह बिष्ट, कुंदन सिंह बोहरा, मोहन सिंह नेगी, प्रदीप नेगी, अर्नव कम्बोज, पूर्व प्रमुख भारती बिष्ट, ऋतिक आर्य, राहुल पंत, गोविंद सिंह सामंत, उमेश बधानी, भानू पडलिया, संजय बिष्ट, वीरेंद्र सिंह बर्गली, कैलाश जोशी, मदन बजवाल, नवीन छिम्वाल आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

एमसीडी मेयर चुनाव जल्द कराने को लेकर 'आप' की याचिका

नई दिल्ली। एमसीडी मेयर चुनाव जल्द कराने को लेकर 'आप' की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने 3 फरवरी को सुनवाई की डेट दी है। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता सौरभ भारद्वाज ने शुक्रवार को कहा कि पूरे देश में यह बात साफ हो गई कि आम आदमी पार्टी मेयर का चुनाव कराना चाहती है और भाजपा एमसीडी पर अवैध कब्जा कायम रखना चाहती है। आपर ने सुप्रीम कोर्ट में एमसीडी का समय से मेयर, डिप्टी मेयर और स्टेंडिंग कमेटी के चुनाव कराने की मांग की है। आम आदमी पार्टी की याचिका सुप्रीम कोर्ट में मंजूर हो गई है। इसके ऊपर अब तीन फरवरी को सुनवाई होगी। उन्होंने कहा कि एमसीडी में भाजपा कब्जा नहीं छोड़ेगी इसलिए आम आदमी पार्टी को देश की सबसे बड़ी अदालत में जाना पड़ा है। भाजपा की केंद्र सरकार और एमसीडी को सुप्रीम कोर्ट सख्त आदेश दे ताकि एमसीडी में जल्द से जल्द सरकार बनाई जाए। एल्डरमेन को संविधान और एमसीडी एक्ट में वोट देने का अधिकार नहीं है। लेकिन बीजेपी वाले संविधान और कानून को नहीं मानते हैं। भारद्वाज ने आगे कहा कि हम सुप्रीम कोर्ट का हाथ जोड़कर धन्यवाद करते हैं। आम आदमी पार्टी की तरफ से उच्चतम न्यायालय में एमसीडी में जल्द से जल्द मेयर, डिप्टी मेयर और स्टेंडिंग कमेटी के चुनाव कराने और एल्डरमेन (नॉमिनेटेड काउंसलर्स) के वोट पर रोक लगाने को लेकर याचिका दाखिल की गई थी। इससे पूरी दिल्ली और देश में आज यह बात साफ हो गई कि आम आदमी पार्टी चुनाव कराना चाहती है ताकि जल्द से जल्द एमसीडी में सरकार बनें। दिल्लीवालों ने आम आदमी पार्टी को बहुमत दिया है। भाजपा लालच और बेईमानी में एमसीडी पर अपना कब्जा करके रखना चाहती है। उन्होंने कहा कि भाजपा का एमसीडी में कार्यकाल 2022 मार्च में खत्म हो चुका है। तब से लेकर अबतक, करीब एक साल से अलग-अलग बहानों के जरिए अवैध कब्जा एमसीडी में कायम रखा है। भाजपा आज भी यह नहीं चाहती है कि लोगों द्वारा चुनी गई आम आदमी पार्टी की सरकार एमसीडी में बनें। इसलिए हर बार जब एमसीडी के सदन में लगता है कि चुनाव हो, भाजपा वाले गड़बड़ी और बेईमानी करके सदन को खत्म कर देते हैं। भारद्वाज ने कहा कि हम एमसीडी और दिल्लीवालों के लिए सुप्रीम कोर्ट गए हैं। ताकि सुप्रीम कोर्ट केंद्र सरकार और एलजी को आदेश दें कि तुरंत ईमानदारी से फ्री एंड फेयर इलेक्शन करवाएं। दिल्ली को मेयर, डिप्टी मेयर और स्टेंडिंग कमेटी दें। भाजपा के कार्यकताओं को जबरदस्ती एल्डरमेन बनाया गया है। उन्हें इस चुनाव में वोट देने का कोई हक नहीं है। संविधान और एमसीडी एक्ट में वोट देने का अधिकार नहीं है, लेकिन फिर भी भाजपा वाले न तो संविधान मानते है। इसलिए हम लोग देश की सबसे बड़ी अदालत में गए है, ताकि सबसे बड़ी अदालत इनको आदेश दें कि आपको संविधान और कानून मानना पड़ेगा और जल्द से जल्द एमसीडी हाउस के चुनाव कराएं।

जीडीपी आकलन का नया फॉमूर्ला बनाने की जरूरत : इंद्रेश

- कॉमर्स एंड इंडस्ट्री से इस वायरस से निपटने और क्या करें व क्या न करें के सूत्र पर ध्यान देने का आह्वान किया।

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग, वाणिज्य और व्यवसाय संकाय की तरफ से 'भारत@2047: वाणिज्य और व्यवसाय की भूमिका' विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया गया। शुक्रवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के वाइस रीगल लॉज के कन्वेंशन हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के संरक्षक इंद्रेश कुमार मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए। उन्होंने कहा कि तरक्की और समृद्धि के विरुद्ध करप्शन एक वायरस है। अगर इस वायरस से नहीं निपटा जाए तो तरक्की और समृद्धि नहीं आ सकती। उन्होंने कॉमर्स एंड इंडस्ट्री से इस वायरस से निपटने और क्या करें व क्या न करें के सूत्र पर ध्यान देने का आह्वान किया।

इंद्रेश कुमार ने जीडीपी के मौजूदा फामूर्ले पर प्रश्नचिह्न लगाते हुए घरेलू नौकरों का उदाहरण दे कर कहा कि उन्हें रोजगार देने वाले परिवारों को न तो रोजगारदाता माना जाता है और न ही देश के इतने बड़े रोजगार को जीडीपी में सम्मिलित किया गया है। उन्होंने कहा कि दुनिया में भारत ऐसा देश है जिसका सरकारी रोजगार 4 करोड़ है। जिनमें पक्के और कच्चे सभी कर्मचारी शामिल हैं। परंतु प्राइवेट रोजगार 81 करोड़ है। देश की बाकी बची आबादी या तो बुजुर्ग है या बालक है। इसलिए जीडीपी को रिजेक्ट करके कोई नया फामूर्ला बनाइये जिसका अनुसरण दुनिया करे और वह खुशहाली ला सके।

उन्होंने विभिन्न देशों की सामाजिक व्यवस्था का उदाहरण देते हुए कहा कि हमें समृद्धि के साथ सामाजिक मूल्यों को भी महत्व देना होगा। इससे समाज में गरीब-अमीर, पढ़े लिखे-अनपढ़ और ग्रामीण व शहरी का अंतर समाप्त होगा। भारत को यह भी सोचना होगा कि क्या दुनिया का व्यापार डॉलर, पाउंड और रूबल में ही चलेगा ? जिस दिन हम तय करेंगे कि दुनिया में हमारा व्यापार भारतीय मुद्रा में होगा तो डॉलर, पाउंड और रूबल धड़ाम से गिरेंगे। उन्होंने बताया कि भारत ने 4 साल पहले ईरान के साथ भारतीय मुद्रा में व्यापार आरंभ किया और अभी मिस्र के साथ भी भारतीय मुद्रा में व्यापार किया है। यही नहीं हाल ही में रूस के साथ भी जो व्यापार हो रहा है वह भारतीय मुद्रा में है। अगर भारत देश भारतीय भारतीय मुद्रा में ही व्यापार करेगा तो 2047 में देश में कोई भी भूखे पेट और नंगे बदन नहीं रहेगा। इसलिए भारतीय मुद्रा में विश्व व्यापार बड़ी जरूरत है।

दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह ने कहा कि हमारी अर्थव्यवस्था 3 ट्रिलियन डॉलर की है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि इसे पहले 5 ट्रिलियन डॉलर पर और फिर 18 ट्रिलियन डॉलर पर लेकर जाना है। लेकिन 2047 तक उसे 18 ट्रिलियन डॉलर से भी ऊपर जाना है। इसके लिए वाणिज्य और व्यवसाय मुख्य उपकरण हैं। ये क्षेत्र जब तक इसको खींच कर नहीं लाएंगे, तब तक यह लक्ष्य प्राप्त नहीं हो पाएगा। उन्होंने आंकड़े देते हुए बताया कि 2022 के डेटा के अनुसार भारत की जीडीपी में सर्विस सेक्टर 53.29 फीसदी योगदान देता है। लेकिन इसमें जोखिम को भी ध्यान में रखना जरूरी है, क्योंकि संसार में बहुत से देश इस पर काम कर रहे हैं। औद्योगिक क्षेत्र 25.29 फीसदी और कृषि एवं सहायक क्षेत्र 20 फीसदी का योगदान दे रहे हैं। इनमें कृषि क्षेत्र अकेले देश के 70 फीसदी लोगों के हाथों को काम देता है। इन्वेस्टमेंट, इंडस्ट्री और अपग्रेडेशन की बात करें तो इस क्षेत्र में अधिक होना चाहिए, क्योंकि इस सेक्टर में जितना अधिक योगदान करेंगे जल्दी ही उतना अधिक परिणाम मिलेंगे। उन्होंने कहा कि नीतियां बनाते हुए हमें कृषि एवं संबंधित क्षेत्र पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है।

सदर के व्यापारियों ने ठेले पर सब्जी बेचकर विरोध जताया

- निगम पर अवैध तरीके से सीलिंग का आरोप

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

सदर बाजार में सीलिंग के विरोध में व्यापारियों का धरना-प्रदर्शन जारी है। शुक्रवार को व्यापारियों ने मिठाई पुल पर ठेला लगाकर विरोध स्वरूप सब्जी बेची। आरोप लगाया कि नियमों के तहत कारोबार कर रहे व्यापारियों पर नगर निगम के अधिकारी कार्रवाई कर रहे हैं, जबकि राजधानी में अवैध तरीके से रेहड़ी-पटरी का कारोबार खूब बढ़ रहा है। हर बाजार में अवैध तरीके से रेहड़ी-पटरी लगाई जा रही है। उधर, फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेडर्स एसोसिएशन ने दो फरवरी को व्यापारियों की पंचायत बुलाने का ऐलान किया है। शिवाजी रोड व जटवाड़ा इलाके में हुई दुकानों की सीलिंग को दो हफ्ते से अधिक का समय बीत गया है। इसके विरोध में व्यापारी 16 दिन से मिठाई पुल पर धरना दे रहे हैं, जिन्होंने एसोसिएशन के चेयरमैन परमजीत सिंह पम्मा व अध्यक्ष राकेश यादव की अध्यक्षता में दाल-सब्जी बेचकर विरोध जताया। एसोसिएशन का आरोप है कि लगातार शिकायत करने के बाद भी सुनवाई नहीं हो रही है। उलटे अन्य बाजारों में भी एमसीडी द्वारा सीलिंग की जा रही है। करोलबाग में भी दुकानों को सील किया गया है। अगर इसी तरह से सीलिंग की कार्रवाई चलती रही तो व्यापारी के लिए कारोबार करना मुश्किल हो जाएगा। इसलिए व्यापारियों की पंचायत बुलाना का फैसला लिया गया है। इसमें सीलिंग के मुद्दे को लेकर सभी व्यापारी ठोस रणनीति बनाएंगे। उधर, शुक्रवार को हुए प्रदर्शन में कार्यवाहक अध्यक्ष चौधरी, योगेंद्र सिंह, महासचिव कमल कुमार, एल अग्रवाल, माणक शर्मा व अन्य व्यापारी शामिल रहे।

पटियाला हाउस कोर्ट ने जैकलीन फर्नांडिस को दुबई यात्रा पर जाने की इजाजत दी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट के एडिशनल सेशंस जज शैलेंद्र मलिक ने रैनबैक्सी के पूर्व प्रमोटर शिवेंद्र सिंह की पत्नी अदिति सिंह से कथित तौर पर 200 करोड़ रुपये की ठगी के मामले की आरोपित बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज को विदेश जाने की अनुमति दे दी है। जैकलीन फर्नांडीज ने दुबई जाने की इजाजत मांगी थी। ईओडब्ल्यू ने 16 जनवरी को चार्जशीट दाखिल की थी।

सुनवाई के दौरान सुकेश चंद्रशेखर के वकील ने कहा कि पैसों का इंतजाम करना अलग बात है और उसका किसलिए इस्तेमाल किया जा रहा है, यह अलग मुद्दा है। उन्होंने कहा कि सवाल यह है कि इतनी बड़ी रकम बिना किसी से मुलाकात के कैसे दी गई। सुकेश के वकील ने कहा कि अदिति सिंह ने सरकार को मदद के लिए पत्र लिखा था। इससे साफ है कि अदिति सिंह को पता था कि सरकार कैसे काम करती है, उसके काम करने का तरीका क्या है। मामले में जांच सिर्फ एक नरेटिव सेट करने को लेकर की गई है। बॉलीवुड एक्ट्रेस नोरा फतेही ने 13 जनवरी को अपना बयान दर्ज कराया था। 3 जनवरी को बॉलीवुड एक्ट्रेस चाहत खन्ना ने इस मामले में अपना बयान दर्ज कराया था। इस मामले में आर्थिक अपराध शाखा ने चाहत खन्ना को गवाह बनाया है। आर्थिक अपराध शाखा के मुताबिक चाहत खन्ना तिहाड़ जेल में सुकेश चंद्रशेखर से मिलने जाती थी। चाहत खन्ना को सुकेश ने दो लाख रुपये और एक महंगी घड़ी दी थी। इस मामले में ईडी ने कोर्ट को बताया था कि सुकेश ने स्वीकार किया था कि 57 करोड़ रुपये अदिति सिंह से लिए, लेकिन जांच में पाया गया कि उसने 80 करोड़ रुपये लिये थे। ईडी ने कहा था कि सुकेश ही इस मामले का मास्टरमाइंड है। इस मामले में उसने अदिति सिंह को पहला फोन लैंडलाइन से किया था। ईडी ने कहा कि सुकेश ने बताया कि इस पैसे से गाड़ी, लग्जरी आइटम और गिफ्ट खरीदे गए। कोर्ट ने 15 नवंबर, 2022 को जैकलीन को जमानत दी थी। 31 अगस्त, 2022 को कोर्ट ने जैकलीन फनार्डीज के खिलाफ दायर पूरक चार्जशीट पर संज्ञान लिया था। 17 अगस्त, 2022 को ईडी ने पूरक चार्जशीट दाखिल की थी। ईडी ने पूरक चार्जशीट में जैकलीन को आरोपित बनाया है। ईडी अप्रैल में इस मामले में जैकलीन की सात करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त कर चुका है। ईडी की चार्जशीट के मुताबिक इस मामले के मुख्य आरोपित सुकेश चंद्रशेखर ने पांच करोड़ 71 लाख रुपये से ज्यादा के गिफ्ट दिए थे। सुकेश अपनी सहयोगी पिंकी ईरानी के जरिए जैकलीन को गिफ्ट पहुंचाने का काम करता था। इन गिफ्टों में 52 लाख रुपये का घोड़ा और 9 लाख रुपये की एक पारसी बिल्ली भी शामिल है।

ईडी के मुताबिक सुकेश चंद्रशेखर ने जैकलीन के लिए उपहार खरीदने के लिए उस अवैध धन का इस्तेमाल किया, जो उसने शिवेंद्र सिंह की पत्नी अदिति सिंह समेत दूसरे हाई-प्रोफाइल लोगों से धोखाधड़ी कर वसूला था। ईडी के मुताबिक इस पूरे अपराध के लिए सुकेश ने ढांचा तैयार किया और अपराध को अंजाम दिया। दिल्ली पुलिस ने सुकेश चंद्रशेखर पर मकोका लगाया है।

दिल्ली बीजेपी का आरोप: मेयर चुनाव टालने के लिए आप गई सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में एमसीडी मेयर चुनाव जल्द कराने को लेकर आम आदमी पार्टी के मेयर पद की उम्मीदवार डॉ शैली ओबेरॉय ने शीर्ष आदालत का रुख किया है, कोर्ट में 3 फरवरी को पूरे मामले पर सुनवाई होगी। इस बीच बीजेपी प्रवक्ता हरीश खुराना ने इस मामले को लेकर जोरदार निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि आप पार्टी दिल्ली महापौर चुनाव में हार के कारण चुनाव लंबे समय के लिए टालना चाहती है। इसलिए उन्होंने अदालत का दरवाजा खटखटाया है। दिल्ली सरकार को अपने ही पार्षदों पर भरोसा नहीं है। दिल्ली एमसीडी मेयर चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी और बीजेपी के बीच सियासी माहौल पूरी तरीके से गरमाया हुआ है। दोनों राजनीतिक दलों ने मेयर चुनाव में हो रही देरी को लेकर एक दूसरे को जिम्मेदार ठहराया है। वहीं, इस बीच दिल्ली सरकार ने मेयर चुनाव समय पर कराने की मांग को लेकर अब कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। जिसको लेकर एप्लीकेशन भी एक्सेप्ट हो गई है। शीर्ष अदालत में 3 फरवरी को सुनवाई है। आम आदमी पार्टी की तरफ से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी इससे केस की पैरवी करेंगे। दिल्ली बीजेपी प्रवक्ता हरीश खुराना ने इस पूरे मामले को लेकर केजरीवाल सरकार पर जोरदार प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी सुप्रीम कोर्ट गई, जिससे यह स्पष्ट होता है कि वो इस चुनाव को कराना ही नहीं चाहते हैं। दरअसल, कोर्ट में इस मामले को लेकर जाने का मतलब है तत्काल चुनाव को टाल देना। सब लोगों ने देखा किस तरह से एमसीडी के पहले सदन 6 जनवरी को हुआ था, उसमें किस तरह से आप द्वारा नॉमिनेट पार्षदों की शपथ ग्रहण को लेकर हंगामा करने के साथ विरोध जताया गया। 24 जनवरी को सदन की दूसरी कार्रवाई में जब पहले नॉमिनेट पार्षदों को शपथ हुई तब कोई हंगामा नहीं किया गया और आप चुप रही। लेकिन जैसे ही मेयर चुनाव को लेकर पीठासीन अधिकारी ने घोषणा की, आप पार्षदों ने फिर हंगामा शुरू कर दिया। दरअसल आम आदमी पार्टी चुनाव करवाना ही नहीं चाहती है, क्योंकि आप को अपने पार्षदों पर भरोसा नहीं है और उसे हार का डर सता रहा है।

सर्वे में केजरीवाल को लेकर भी जनता ने बताया मूड

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

देश में अभी लोकसभा चुनाव हो तो किसकी सरकार बनेगी? एनडीए को कितनी सीटें मिलेंगी और यूपीए को कितनी सीटों पर सफलता मिलेगी? ऐसे कई सवालों के जवाब एक ताजा सर्वे में देने की कोशिश की गई है। इंडिया टुडे-सी वोटर ने देश का मूड भांपने के लिए एक सर्वे किया है। सर्वे में दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) संयोजक अरविंद केजरीवाल को लेकर भी जनता की राय सामने आई है। सर्वे में जहां 'आप' के लिए खुशखबरी है तो उम्मीद के विपरीत नतीजा भी है। यूं तो केजरीवाल को लेकर सर्वे में कोई सीधा सवाल नहीं किया गया था, लेकिन अलग-अलग तीन जवाबों में जनता ने उनका नाम लिया। सर्वे में लोगों से जब यह पूछा गया कि विपक्ष का बेहतर नेता कौन है तो सबसे अधिक प्रतिभागियों ने अरविंद केजरीवाल का नाम लिया। 24 फीसदी लोगों ने केजरीवाल का नाम लिया। 20 फीसदी ने ममता बनर्जी का नाम लिया। राहुल गांधी को 13 फीसदी लोगों ने सबसे बेहतर विपक्षी नेता बताया तो 5 फीसदी ओडिशा के सीएम नवीन पटनायक के पक्ष में रहे। सर्वे में जनता से यह भी पूछा गया कि देश में सबसे बेहतर मुख्यमंत्री कौन है? इसके जवाब में सबसे अधिक 39 फीसदी लोगों ने उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ को बेस्ट सीएम बताया। वहीं, दिल्ली के सीएम इस रेस में दूसरे नंबर पर पर रहे। उन्हें 16 फीसदी लोगों ने सर्वश्रेष्ठ बताया। वहीं, 7 फीसदी लोगों ने ममता बनर्जी और इतनों ने ही एमके स्टालिन को बेहतर बताया। नवीन पटनायक को 4 फीसदी और हिमंत बिस्वा सरमा को 2 फीसदी लोगों ने बेहतर बताया। बेहतर विपक्षी नेता के तौर पर भले ही अरविंद केजरीवाल को सबसे अधिक वोट मिले, लेकिन सर्वे में जब यह पूछा गया कि किसे वह अगला पीएम बनते देख रहे हैं तो दिल्ली के सीएम तीसरे नंबर पर रहे। 52 फीसदी ने कहा कि नरेंद्र मोदी एक बार फिर पीएम बन सकते हैं।

बेटे को तैयार करने के लिए कहने पर बेरहमी से पीटा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

उत्तर पूर्वी दिल्ली के न्यू उस्मानपुर में पति से बेटे को तैयार करने के लिए कहना एक महिला को भारी पड़ गया। इसी बात को लेकर महिला का पति भड़क गया और उसकी बेरहमी से पिटाई कर दी। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने उसके पति के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, 28 वर्षीय पीड़िता परिवार के साथ न्यू उस्मानुपर इलाके में रहती हैं। करीब आठ साल पहले उनकी शादी हुई थी। परिवार में पति और दो बच्चे हैं। बुधवार को उन्होंने पति से कहा कि बेटे को तैयार कर दें। इस पर पति भड़क गया और पिटाई करने लगा। वह भागकर बाहर आई तो घेरकर पीटने लगा। इसी बीच लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और पीड़िता को लोक नायक अस्पताल में भर्ती कराया।

उद्घाटन

पंजाब में भ्रष्टाचार पर जबरदस्त नकेल कसी गई है, जो भ्रष्टाचार करेगा, वो जेल जाएगा, अब यह संदेश सबको चला गया है : केजरीवाल

पंजाब को बधाई! आप की सरकार ने पूरी की केजरीवाल की दूसरी गारंटी, 500 आम आदमी मोहल्ला क्लीनिक शुरू

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने आज सीएम भगवंत मान के साथ पंजाब में 400 आम आदमी मोहल्ला क्लीनिक का उद्घाटन किया। इसके साथ ही आप की सरकार ने केजरीवाल की दूसरी गारंटी पूरी की। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पंजाब के लोगों को बधाई देते हुए कहा कि मुझे बहुत खुशी है कि मात्र 10 महीने में हमारी सरकार ने कुल 500 मोहल्ला क्लीनिक शुरू कर दिए। जिसमें 15 अगस्त को 100 मोहल्ला क्लीनिक शुरू हुए थे। इससे पहले, आप की सरकार ने बिजली मुफ्त कर अपनी पहली गारंटी पूरी की। उन्होंने कहा कि केंद्र ने दिल्ली में हमारे हर काम को रोका, पर पंजाब में हम वो सारे अच्छे काम करेंगे, जो दिल्ली में नहीं कर पाए और दुनिया का नंबर-1 प्रदेश बनाएंगे। पिछले 10 महीने में आप की सरकार ने 15 हजार कर्मचारी पक्के किए और 26 हजार नई नौकरियां दी। पंजाब में अब शिक्षा क्रांति भी शुरू हो गई है। सरकारी स्कूलों के 36 प्रिंसिपल सिंगापुर जा रहे हैं और यही एक दिन स्कूलों की काया पलट देंगे। उन्होंने कहा कि पंजाब में पहले कानून-व्यवस्था का बहुत बुरा हाल था। गैंगस्टर्स को राजनीति संरक्षण था। हमारी सरकार ने आते ही बड़े स्तर पर उनका सफाया किया। सबसे बेहतर कानून व्यवस्था के मामले में आज पंजाब देश में दूसरे नंबर पर आ गया है। मैं पूरी दुनिया में रह रहे सभी पंजाबियों से अपील करता हूं कि आप पंजाब में औद्योगिक निवेश करने के साथ ही एक स्कूल या मोहल्ला क्लीनिक की भी जिम्मेदारी लें।

जनता के मन में आम आदमी पार्टी के लोगों को लेकर के एक विश्वसनीयता है कि ये लोग झूठ नहीं बोलते हैं- अरविंद केजरीवाल

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज पंजाब के सीएम सरदार भगवंत मान के साथ पंजाब में 500 आम आदमी क्लीनिक का शुभारंभ किया। अमृतसर के आजाद नगर इलाके में आयोजित आम आदमी क्लीनिक के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि चुनाव के दौरान हमने यह नहीं कहा था कि हम चुनावी वादा कर रहे हैं या अपना मेनिफेस्टो निकाल रहे हैं, हमने कहा था कि केजरीवाल की गारंटी दे रहे हैं। ऊपर वाले की कृपा है कि लोगों के मन में हम लोगों को लेकर के एक विश्वसनीयता और भरोसा है कि ये लोग जो बोलते हैं, वह ठीक बोलते हैं। ये लोग झूठ नहीं बोलते हैं। इसीलिए हमने उसको केजरीवाल की गारंटी कही। आज मुझे बेहद खुशी है कि मेरे छोटे भाई भगवंत मान ने केजरीवाल की एक और गारंटी पूरी कर दी। आज पूरे पंजाब के अंदर 500 मोहल्ला क्लीनिक शुरू होने जा रहे हैं। 100 मोहल्ला क्लीनिक 15 अगस्त को चालू किए गए थे। वैसे तो हम लोग यह मोहल्ला क्लिनिक दिल्ली में पिछले पांच-साल साल पहले से चला रहे हैं। गली-गली और मोहल्ले- मोहल्ले के अंदर क्लीनिक बनाए जाते हैं। घर में किसी को खांसी, जुखाम, बुखार या छोटी-मोटी समस्या है, तो उसके लिए बड़े अस्पताल में जाते हैं। वहां उनको लाइनों में लगना पड़ता है, नंबर नहीं आता है। कई बार सरकारी अस्पताल में दलालों के चक्कर काटने पड़ते हैं। प्राइवेट अस्पतालों में पैसे बहुत लग जाते हैं। इसीलिए हमने दिल्ली के अंदर मोहल्ले-मोहल्ले के अदंर मोहल्ला क्लीनिक शुरू की है। वहां डॉक्टर, इलाज, दवाइयां और टेस्ट सबकुछ फ्री है।

अगर आप बीमार है, आप मोहल्ला क्लिक में जाओ, अपनी बीमारी बताओ। वहां डॉक्टर आपका आपका इलाज करेगा। दिल्ली में हम लोगों ने मोहल्ला क्लीनिक चालू किए, तो इसके काफी अच्छे नतीजे आए। लोगों में बहुत ज्यादा उत्साह था। तब हमने पंजाब के चुनाव में यह ऐलान किया था कि जब हमारी सरकार बनेगी तो हम पंजाब में भी दिल्ली की तरह ही मोहल्ला क्लीनिक बनाएंगे। क्योंकि पंजाब और दिल्ली के अंदर लोग बहुत आते-जाते रहते हैं। पंजाब के लोगों ने दिल्ली में जाकर देखा कि मोहल्ला क्लीनिक बहुत अच्छे हैं, लोगों को बड़ी सुविधा मिल रही है। पंजाब के लोगों ने भी मांग की कि पंजाब में आप की सरकार बनी तो यहां भी मोहल्ला क्लिनिक बनवाना। आज मुझे बहुत खुशी है कि 100 मोहल्ला क्लीनिक जो अगस्त के महीने में बनाए गए थे, वो एक तरफ से टेस्ट करने के लिए बनाए गए थे। पंजाब अलग सूबा है। दिल्ली और पंजाब की अपनी अलग-अलग परिस्थितियां हैं। इसलिए पायटल आधार पर 100 मोहल्ला क्लिनिक पायलट बनाए गए थे और वो बेहद सफल रहे। पिछले कुछ महीनों में उन 100 मोहल्ला क्लीनिक में 10.25 लाख मरीज अपना इलाज करा चुके हैं, 1.25 लाख टेस्ट हो चुके हैं। मोहल्ला क्लीनिक के आसपास तीन-चार किलोमीटर के एरिया में लोगों से पूछो, तो लोग बहुत खुश हैं। पंजाब के कोने-कोने में आज 400 और मोहल्ला क्लीनिक शुरू हो रहे हैं। पंजाब की

उत्तर रेलवे

इलेक्ट्रॉनिक निविदा ई प्रणाली के अंतर्गत मदो की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण

आज़ादी का अमृत महोत्सव

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य सामग्री प्रबंधक उत्तर रेलवे नई दिल्ली–110001 द्वारा इच्छुक फर्मो से निम्नलिखित मदो के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती है:–

क्र.स.	निविदा सं.	संछिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
1	82232055	कैप अल्फाकैल्सिडोल 0.25 एमसीजी	782460 Nos.	10.03.2023
2	82234201	फेरिक कार्बोक्सिमाल्टोज 500 मिलिग्राम प्रति 10 मिली लीटर (एनसिकार्ब/समतुल्य)	3272 Nos.	10.03.2023

निविदा शर्तें:1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानी www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जायेगी। टेंडर नोटिस सं. दिनांक 25.01.2023 285/2023

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

इलेक्ट्रॉनिक निविदा ई प्रणाली के अंतर्गत मदों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य सामग्री प्रबन्धक उत्तर रेलवे नई दिल्ली–110001 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मदों के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती है:–

क्र.सं.	निविदा सं.	संछिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
01	82230468	डैपाग्लिफ्लोज़िन टैब 10mg	509300 Nos.	28.02.2023
02	82231144	इंसुलिन लिस्प्रो और इंसुलिन लिस्प्रो प्रोटामाइन इंजे 25/75 कार्ट्रिज 100IU प्रति एमएल 3mL (इंटरमीडिएट एक्टिंग इंसुलिन)	4472 Nos.	28.02.2023

निविदा शर्तें – 1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानि www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जाएगी।

टेंडर नोटिस सं: Inj. Medicines दिनांक 25.01.2023 282/2023

आज़ादी का अमृत महोत्सव

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, शनिवार, 28 जनवरी, 2023

संक्षिप्त खबरें

समयबद्ध चुनाव कराए जाने की याचिका स्वीकर करने पर आप विधायक सौरभ भारद्वाज ने सुप्रीम कोर्ट का जताया आभार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में मेयर का चुनाव समय से कराए जाने को लेकर दायर आम आदमी पार्टी की याचिका को स्वीकार कर लिया है। इस पर आम आदमी पार्टी ने सुप्रीम कोर्ट का आभार जताया है। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को इस मामले पर तीन फरवरी को सुनवाई करेगा। एमसीडी में आम आदमी पार्टी की मेयर कैंडिडेट शैली ओबेरॉय ने याचिका दायर किया था, जिसमें दिल्ली में मेयर चुनाव समयबद्ध तरीके से कराने के निर्देश देने की मांग की गई थी। आप विधायक सौरभ भारद्वाज ने वीडियो जारी कर कहा, ह्लहम हाथ जोड़कर सुप्रीम कोर्ट का धन्यवाद करते हैं। हम आम आदमी पार्टी की तरफ से अपील करते हैं कि दिल्ली में मेयर, डिप्टी मेयर और स्टैंडिंग कमिटी का चुनाव जल्द-से-जल्द कराए जाने चाहिए। साथ ही एल्डरमैन जो कि एक नॉमिनेटेड पार्षद होते हैं, उन्हें वोट करने का अधिकार नहीं दिया जाना चाहिए। यह न सिर्फ संविधान में बल्कि डीएमसी एक्ट में भी लिखा है कि नॉमिनेटेड पार्षद वोट नहीं कर सकते।ह्व उन्होंने कहा कि हम सुप्रीम कोर्ट इसलिए पहुंचे ताकि हम चाहते हैं कि सुप्रीम कोर्ट स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से जितना जल्दी हो चुनाव कराए जाने को लेकर उपराज्यपाल और केंद्र सरकार को निर्देश दे। भारद्वाज ने बीजेपी पर आरोप लगाया कि वह लालच और बेइमानी कर एमसीडी को अपने कंट्रोल में रखना चाहती है। वहीं अब यह स्पष्ट है कि आम आदमी पार्टी चाहती है कि मेयर का चुनाव जितना जल्दी हो कराया जाना चाहिए, क्योंकि दिल्ली की जनता ने आम आदमी पार्टी को बहुमत दी है। बीजेपी बेइमानी कर एमसीडी को हथियाना चाहती है। उन्होंने कहा कि मार्च 2022 से बीजेपी एमसीडी को कभी परिसीमन तो कभी चुनाव को लेकर अपने नियंत्रण में रख रही है। जब सदन की कार्यवाही बुलाई गई तो बीजेपी ने कई बहाने बनाकर चुनाव की प्रक्रिया को रोक दी।

दिल्ली आबकारी घोटाला के आरोपित शरद चंद्र रेड्डी को मिली 14 दिनों की अंतरिम जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली आबकारी घोटाला मामले के आरोपित शरद चंद्र रेड्डी को 14 दिनों की अंतरिम जमानत दी है। स्पेशल जज एमके नागपाल ने शरद चंद्र रेड्डी को अपनी दादी के निधन के बाद अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए अंतरिम जमानत दी है। शरद चंद्र रेड्डी ने नियमित जमानत याचिका भी दायर कर रखी है जिस पर कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा है। नियमित जमानत याचिका पर कोर्ट 9 फरवरी को फैसला सुनाएगा। छह जनवरी को ईडी ने आबकारी घोटाला मामले में पूरक चार्जशीट दाखिल की थी। चार्जशीट में 12 को आरोपित किया गया है। इसमें 5 व्यक्तियों और 7 कंपनियों के नाम हैं। चार्जशीट में ईडी ने जिन लोगों को आरोपित किया है उनमें विजय नायर, अभिषेक बोइनपल्ली, शरद चंद्र रेड्डी, विनय बाबू और अमित अरोड़ा शामिल हैं। इसके पहले कोर्ट ने 20 दिसंबर, 2022 को ईडी की ओर से दाखिल पहली चार्जशीट पर संज्ञान लिया था। ईडी ने 26 नवंबर, 2022 को पहली चार्जशीट दाखिल की थी। ईडी ने विजय नायर और अभिषेक बोइनपल्ली को 13 नवंबर, 2022 को गिरफ्तार किया था।

डीयू में एडहॉक शिक्षकों के स्थायीकरण के लिए अध्यादेश लाने की केंद्र सरकार से की मांग

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय शिक्षक संगठन एएडीटीए ने डीयू में एडहॉक शिक्षकों के स्थायीकरण के लिए अध्यादेश लाने की केंद्र सरकार से मांग की है। आम आदमी पार्टी के शिक्षक विंग के राष्ट्रीय प्रभारी आदित्य नारायण मिश्रा ने कहा कि डीयू में 12 हजार शिक्षकों में 6 हजार टेम्पररी टीचर्स हैं, जो कई वर्षों से कार्य कर रहे हैं। हाल ही में डीयू में इंटरव्यू प्रक्रिया में जो हटाने की प्रक्रिया देखने को मिली है, उसे कत्लेआम कहा जाएगा। करीब 72 -75 फीसद योग्य शिक्षकों के पास यूजीसी के नियमों के तहत योग्यता है, लेकिन एडहॉक व अस्थायी टीचर्स के रूप में कार्य करने वाले शिक्षकों को उनके पद से हटा दिया गया। कई वर्षों से दिल्ली महानगर में रह रहे इन शिक्षकों के पास मकान के किराए के लिए भी खर्चा नहीं है और न ही अपने बच्चों की स्कूल फीस औ ईएमआई दे सकते हैं। बैंक से लोन लेकर मकान खरीदने वाले इन शिक्षकों के पास बैंक से नोटिस आ रहे हैं कि बैंक को पैसे दो या फिर घर खाली करें। उन्होंने बताया कि शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने इस घटना पर खेद व्यक्त करते हुए मामले में तुरंत हस्ताक्षेप किया और डीयू के कुलपति को पत्र के माध्यम से आपत्ति जताई है। डिप्टी सीएम ने अपने पत्र में लिखा है कि दिल्ली सरकार के जो 28 कॉलेज हैं, जहां दिल्ली सरकार की गवर्निंग बॉडी हैं, उन कॉलेजों में डिसप्लेसमेंट नहीं होने देंगे। हम विश्वविद्यालय में डिसप्लेसमेंट के पक्षधर नहीं हैं। हम इसका विरोध करते हैं, हम अब्जॉर्प्शन चाहते हैं। हाल ही में पंजाब सरकार की ओर से पंजाब में इसी तरह का अब्जॉर्प्शन हुआ है। हम पंजाब सरकार को बधाई देते हैं कि उन्होंने एक सही और सकारात्मक कदम उठाया। यदि डीयू में एक भी डिस्पलेसमेंट होता है तो हमारी आवाज थमेगी नहीं, बल्कि एकेडमिक काउंसिल और एग्जीक्यूटिव काउंसिल में हमारी आवाज उठेगी। एडहॉक टीचर्स के लिए अब्जॉर्प्शन के सिवाय और कोई रास्ता नहीं है।

आम आदमी पार्टी के शिक्षक विंग एएडीटीए के राष्ट्रीय प्रभारी आदित्य नारायण मिश्रा ने शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में एक महत्वपूर्ण प्रेसवार्ता को संबोधित किया। इस मौके पर आदित्य नारायण मिश्रा ने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय हिंदुस्तान की सबसे बड़ी यूनिवर्सिटी के रूप में जानी जाती है। डीयू में 12 हजार शिक्षक कार्यरत हैं, जिनमें 6 हजार टेंपररी टीचर्स हैं। ये शिक्षक कई वर्षों से कार्य कर रहे हैं। इस दौरान कई बार कारणवश इंटरव्यू आयोजित नहीं हो पाए। हाल फिलहाल में दिल्ली विश्वविद्यालय में इंटरव्यू की प्रक्रिया शुरू की गई। इसमें जो डिस्प्लेसमेंट देखने को मिला उसे कत्लेआम कहा जाएगा। 72 से लेकर 75 फीसद योग्य शिक्षक जो कार्य कर रहे थे, इनके पास यूजीसी के नियमों के तहत योग्यता है। एडहॉक और अस्थायी टीचर्स के रूप में कार्य करने वाले इन शिक्षकों का इंटरव्यू लेकर उन्हें उनके पद से हटा दिया गया है। उनकी क्या हालत होगी इसका अंदाजा नहीं लगाया जा सकता। वह कई वर्षों से दिल्ली महानगर में रह रहे हैं, उनके पास मकान के किराए के लिए भी खर्चा नहीं है। जिन लोगों ने बैंक से लोन लेकर मकान लिया था, उनके पास बैंक से नोटिस आ रहे हैं कि बैंक को पैसे दो या फिर घर खाली करे। ऐसी परिस्थिति में इंसान कैसे अपना जीवन चलाए, उनके साथ किसी भी तरह से मानवीय बर्ताव नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अभी हाल फिलहाल में भी जो कॉलेज में इंटरव्यू चल रहे हैं, इसमें 10 पद पर काम करने वाले 10 लोगों को एकसाथ हटा दिया जा रहा है। यह डूटा की जनरल बॉडी का फैसला था कि जो लोग जहां काम कर रहे हैं उन्हें हटाया नहीं जाएगा। वह सभी लोग योग्य हैं, अपनेझअपने क्षेत्र में टॉपर्स हैं, इनके पास सभी डिग्री हैं और यह काफी समय से दिल्ली विश्वविद्यालय में कार्यरत हैं। हम इस मामले को माननीय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी और उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया जी के संज्ञान में लाए। शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया जी ने इस घटना पर खेद व्यक्त करते हुए कहा कि यह अच्छी चीज नहीं हो रही है, इस मामले पर तुरंत हस्ताक्षेप करना होगा। आदित्य नारायण मिश्रा ने कहा कि उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति को इस विषय में पत्र लिखा है। इस मामले में संज्ञान लेने के लिए हम मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया का दिल से धन्यवाद करते हैं कि उन्होंने शिक्षकों के दर्द को महसूस किया। डीयू के कुलपित को जो पत्र लिखा गया है उसमें उन्होंने साफ तरीके से यह बताया है कि विश्वविद्यालय में जो डिसप्लेसमेंट हो रहा है हम उसके पक्षधर नहीं है, हम इसका विरोध करते हैं। डिप्टी सीएम ने अपने पत्र में यह साफ लिखा है कि दिल्ली सरकार के जो 28 कॉलेज हैं, जहां दिल्ली सरकार की गवर्निंग बॉडी हैं, उन कॉलेजों में डिसप्लेसमेंट नहीं होने देंगे। हम अब्जॉर्प्शन चाहते हैं। हमारे लोग भी इस अब्जॉर्प्शन का समर्थन करेंगे। लेकिन आप इस प्रोसेस को फैसिलिटेट करिए। दिल्ली विश्वविद्यालय में 1977-78 में इसी प्रकार का अब्जॉर्प्शन हुआ था, जिसके तहत एक अध्यादेश 13 ए को टेंपरेरी रूप से बनाया गया था। मनीष सिसोदिया जी ने भी इस पत्र में इसी बात का जिक्र किया है। वह चाहते हैं कि इस प्रकार का अध्यादेश बने। दिल्ली विश्वविद्यालय में जो कत्लेआम हो रहा है, जो टेंपरेरी टीचर आपने आप को असहाय महसूस कर रहा है।

व्यक्ति ने आपसी रंजिश में कई लोगों को मारा चाकू, पांच लोग घायल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

मुखर्जी नगर इलाके की इंदिरा विकास झुग्गी बस्ती में आपसी रंजिश में कई लोगों को चाकू मारने का मामला सामने आया है। घटना में पांच लोगों के घायल होने की सूचना है। हमले में घायल सभी को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया और स्थानीय लोगों ने मुखर्जी नगर थाना पुलिस को इसकी सूचना दी। इसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और सीसीटीवी फुटेज और लोगों के बयान के आधार पर जांच शुरू की।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि घटना देर रात करीब दस बजे की है। मुखर्जी नगर पुलिस को मिली सूचना में कॉलर ने बताया कि, मुखर्जी नगर इलाके की इंदिरा विकास कॉलोनी बी-37 में दुकान पर बैठे हुए दो युवकों को चाकू मार दिया गया है। सूचना मिलने पर पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची। इस बारे में शिकायतकर्ता साहिल ने बताया कि रॉबिन उर्फ सन्नी और रंचू, खेड़ा इलाके के रहने वाले हैं। रॉबिन का ससुराल इंदिरा विकास कॉलोनी में है और वह अपने चार-पांच दोस्तों के साथ ससुराल आया था। उसकी रंजिश इंदिरा विकास की झुग्गी में रहने वाले किसी शख्स से चल रही थी। इस दौरान वह मौके पर अचानक आया और विरोध करने पर चाकू मारकर पांच लोगों को घायल कर दिया। घायलों की पहचान मुखर्जी नगर इंदिरा विकास कॉलोनी में रहने वाले राजेश खन्ना (45), शिव कुमार गुप्ता (40), विशाल (19), राजेश्वर प्रसाद (40) और रवि 20 के रूप में हुई है। फिलहाल सभी घायलों की हालत खतरे से बाहर है और पुलिस हमले में घायलों और चश्मदीदों के बयान के साथ सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

दुकानदार पर हथौड़े से वार कर लूटे 16 लाख, पुराने एम्प्लॉई ने रची थी लूट की साजिश

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दक्षिण जिले के हौज खास थाना इलाके में दुकानदार पर हमला कर 16 लाख से ज्यादा की लूट के मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो सगे भाइयों सहित तीन लुटेरों को गिरफ्तार करने में कामयाबी पाई है। इनकी पहचान रवि गुड़िया, आकाश गुड़िया और गगनदीप सिंह के रूप में हुई है। ये दिल्ली के महरौली और गौतम नगर इलाके के रहने वाले हैं। इनके कब्जे से पुलिस ने लूट की रकम से 8 लाख 30 हजार रुपए भी बरामद किया है। डीसीपी चंदन चौधरी ने बताया कि 22 जनवरी को गौतम नगर के रहने वाले एक शख्स की पिटाई की वजह से घायल होने की सूचना मिली थी। जिसकी सूचना पर पुलिस टीम हॉस्पिटल पहुंची, जहां 39 वर्षीय घायल शख्स ने बताया कि 21-22 जनवरी के बीच की रात वो अपनी दुकान में सो रहा था। देर रात 2:45 बजे वो दुकान के बाहर स्थित वॉशरूम जाने के लिए उठा। वॉशरूम से लौटने के बाद वो दुकान के अंदर आया और शटर लॉक कर सो गया। तभी अचानक दो लड़के उनके सिर पर हथौड़े और पिस्टल की बट से हमला करने लगे, जिसके बाद दोनों बदमाशों ने उनसे शॉप के लॉकर की चाभी के बारे में पूछा और 16 लाख 25 हजार रुपए लॉकर से लूट कर फरार हो गए। इस मामले में पीड़ित के बयान के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। इसके लिए एसीपी हौज खास की देखरेख में टीम का गठन किया गया था। जांच के दौरान पुलिस टीम ने घटनास्थल का मुआयना किया और वहां से सबूतों को इकट्ठा किया। इलाके के सीसीटीवी फुटेजों को भी प्राप्त कर उनका विश्लेषण किया गया और टेक्निकल सहायता भी ली गई। जिसके बाद पुलिस ने सभी आरोपितों को चोरी की गई रकम के साथ पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि जितेंद उर्फ समर पीड़ित की दुकान में काम किया करता था, जिसे कुछ महीनों पहले दुकान के मालिक ने काम से निकाल दिया था। इसके बाद वो पास के ही स्टेशनरी की शॉप में काम करने लगा था और उससे बदला लेने की योजना बना रहा था। चूंकि उसे दुकान के मालिक का सारा रूटीन पता था, इसलिए उसने दुकान में लूट की योजना बनाई। इसमें उसने गौतम नगर में ही चाय की दुकान चलाने वाले रवि और आकाश के साथ गगनदीप को इसमें शामिल किया। आकाश पर काफी कर्ज था, इसलिए वो अपने भाई रवि के साथ इस प्लान में शामिल हो गया, जबकि गगनदीप ने पैसों की लालच में उनके साथ हो गया। आरोपित आकाश और गगनदीप ने इसके लिए हथोड़े और टॉय गन की व्यवस्था की और उसे जितेंद उर्फ समर और रवि को दिया। फिर दोनों ने दुकान के बाहर निगरानी भी की, जबकि रवि और जितेंद ने मिल कर लूट को अंजाम दिया और फिर सभी मौके से फरार हो गए। इस मामले में पुलिस ने तीनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की जांच और बाकी रकम की बरामदगी के साथ फरार हुए मास्टरमाईंड जितेंद उर्फ समर की तलाश में लग गयी है।

सोशल मीडिया पर नाबालिग लडकी को ऑनलाइन परेशान करने वाला नाबालिग पकड़ा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

सोशल मीडिया पर नाबालिग लडकी को ऑनलाइन परेशान करने वाले एक नाबालिग को उत्तरी जिला साइबर थाना पुलिस ने पकड़ा है। पुलिस ने इसके पास से एक मोबाइल फोन जिसका इस्तेमाल अपराध में किया और इंटरनेट उपयोग के लिए उपयोग किया जाने वाला एक सिम कार्ड बरामद किया है। पुलिस नाबालिग से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है। उत्तरी जिला डीसीपी सागर सिंह कलसी ने बताया कि पुलिस स्टेशन साइबर नॉर्थ में साइबर पोर्टल के माध्यम से एक किशोरी के पिता ने शिकायत दी कि उनकी 14 वर्षीय बेटी ने इंस्टाग्राम चैट के माध्यम से अपनी निजी तस्वीरें और वीडियो किसी के साथ साझा किए और आशंका जताई कि वीडियो प्रसारित हो सकता है। पुलिस ने पिता और उसकी बेटी की काउंसलिंग की। लडकी ने खुलासा किया कि उसने इंस्टाग्राम पर एक दोस्त के साथ अपनी निजी तस्वीरें और वीडियो साझा की थी और अब वह उस पर चैट करने और अपनी और निजी तस्वीरें भेजने का दबाव बना रहा है। नाबालिग लडकी के बयान के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गयी। थाना अध्यक्ष पवन तोमर की देखरेख में गठित टीम एसआई दीपा, एसआई ऋचा शर्मा, हेड कांस्टेबल सोनिका ने जांच के दौरान, इंस्टाग्राम प्रोफाइल का विवरण प्राप्त किया गया, जिसमें प्रोफाइल के पंजीकरण में उपयोग किए गए आईपी पते और मोबाइल नंबर, आईपी पतों का विवरण संबंधित मोबाइल ऑपरेटरों से प्राप्त किया गया, जहां से, अपराध में प्रयुक्त मोबाइल नंबर और आईएमईआई नंबर पाया गया और कथित व्यक्ति की पहचान कर पता लगाया गया। इंस्टाग्राम यूजर द्वारा इस्तेमाल की गई तस्वीरें 17 से 20 साल के एक लडके की थीं, जबकि कथित सिम कार्ड इस्तेमाल करने वाले की उम्र 50 साल के आसपास थी। उक्त पते पर पहुंचने पर पता चला कि उक्त पते पर कभी भी ऐसा कोई व्यक्ति नहीं रहता था। जिसके बाद टीम को आगे दो भागों में विभाजित किया गया, जिसमें से पहली टीम को सिम कार्ड डीलर के साथ कथित इंस्टाग्राम उपयोगकर्ता के वास्तविक पते को सत्यापित करने का कार्य सौंपा गया, जिसने उसके द्वारा उपयोग किए गए उक्त मोबाइल नंबर को जारी किया था। जबकि, दूसरी टीम को कथित व्यक्ति के मोबाइल नंबर के सीडीआर के आधार पर प्राप्त लाइव लोकेशन पर भेजा गया और कथित व्यक्ति की तलाश शुरू की गई। सिम कार्ड जारी करने वाले डीलर ने खुलासा किया कि कथित सिम आधार के बायोमेट्रिक सत्यापन के साथ जारी किया गया था और उनके पास आधार कार्ड नंबर के अलावा कोई विवरण उपलब्ध नहीं है। पता चला कि वह एक 17 साल का लडका है, जिसने पिछले साल 12 वीं कक्षा पास की है और वर्तमान में स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग से स्नातक की पढ़ाई कर रहा है। उपरोक्त मामले में नाबालिग को पकड़ा।

चार सेंधमार गिरफ्तार, चोरी का सामान बरामद

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नार्थ जिला पुलिस ने रात में बंद पड़े मकानों में चोरी करके कीमती सामान लूटने वाले गिरोह का पदार्फाश करते हुए 4 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों की पहचान सीसीटीवी कैमरे के विश्लेषण और ऑटो ड्राइवर की मदद से की गई थी जिसे घटना की रात उनके द्वारा किराए पर लिया गया था। आरोपियों के कब्जे से घर तोड़ने के औजार और चोरी का सामान बरामद हुआ है। आरोपियों की पहचान सरफराज उर्फ छोटू मोहम्मद मिकाइल शाहिर उर्फ शेखर और मोहम्मद अरबाज के रूप में हुई है। इनकी गिरफ्तारी से सराय रोहिल्ला और केशवपुरम के 4 मामलों का खुलासा हुआ है। नार्थ जिले के डीसीपी सागर सिंह कलसी ने बताया कि दिसंबर 2022 में सरायरोहल्ला थाना क्षेत्र में सेंधमारी की दो घटनाएं हुई थी। दोनों घटनाओं का विश्लेषण किया गया और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की गई। इससे जानकारी मिली कि चोर रात में बंद मकानों और दफ्तरों को निशाना बनाते थे। यह भी पता चला कि वह एक ऑटो का इस्तेमाल भी कर रहे थे। पुलिस की एक टीम गठित की गई और जांच शुरू की। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे का विश्लेषण किया और आरोपियों तक पहुंचने के लिए ऑटो के पंजीकरण नंबर का पता लगाया। ऑटो वाले ने पूछताछ में बताया कि उस रात चार लड़कों ने आनंद पर्वत से शास्त्री नगर के लिए कराए पर लिया था और उन्हें वैष्णो माता मंदिर के पास शास्त्री नगर के पास छोड़ दिया था और वह आगे चले गए थे। इसके बाद पुलिस टीम ने मोहल्ले में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज की मदद से चारों लड़कों द्वारा भागे गए रास्ते का पता लगाया। पुलिस को सीसीटीवी फुटेज की मदद से जानकारी मिली कि 4 लोग मिलिट्री रोड से आ रहे हैं।

दिल्ली भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी की हुई बैठक

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा की दो दिवसीय प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक शुक्रवार को शुरू हुई। पहले दिन प्रदेश इकाई के कार्यालय में बैठक हुई, जिसकी शुरूआत दिल्ली भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं दिल्ली भाजपा के प्रभारी बैजयंत जय पांडा, राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत गौतम, संगठन महासचिव सिद्धार्थन, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी एवं कार्यकारिणी बैठक प्रभारी कुलजीत सिंह चहल ने मंच पर दीप प्रज्वलित कर की। संचालन वरिष्ठ नेता कुलजीत सिंह चहल ने किया। उन्होंने कहा कि कल यानी शनिवार को मुख्य कार्यकारी समिति की बैठक डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में होगी। उद्घाटन केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर करेंगे और भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल समापन सत्र को संबोधित करेंगे।

उपकुलपति को चिट्ठी लिख डीयू के कॉलेजों में एड-हॉक और अस्थायी शिक्षकों को पक्का करने की बात कही

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह को पत्र लिखकर दिल्ली के विभिन्न कॉलेजों में सहायक प्रोफेसरों के लिए चल रहे साक्षात्कार के दौरान लगभग 70 प्रतिशत एडहॉक और अस्थायी शिक्षकों के विस्थापन पर चिंता व्यक्त की है उन्होंने स्थायी भर्ती में एडहॉक शिक्षकों को शामिल करने की आवश्यकता पर जोर दिया है, क्योंकि उनमें से कई दशकों से दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेजों में पढ़ा रहे हैं और उनके पास विभिन्न बैकग्राउंड के छात्रों के साथ और उनकी शैक्षिक जरूरतों को बेहतर ढंग से पूरा करने का लम्बा अनुभव है। मनीष सिसोदिया ने अपने पत्र में लिखा कि, डीयू के विभिन्न कॉलेजों में सहायक प्रोफेसरों के लिए चल रहे साक्षात्कार सिस्टम के लिए भयवाह है; रिपोर्ट कहती है कि इससे दिल्ली विश्वविद्यालय के 70% एड-हॉक शिक्षकों को विस्थापित किया जा रहा है। हमारा मानना है कि स्थायी भर्ती में एडहॉक शिक्षकों को पक्का किया जाना चाहिए; वे डीयू की चुनौतियों को समझते हैं, दशकों से वहां काम कर रहे हैं. दिल्ली सरकार के 28 कॉलेजों के बोर्ड में नॉमिनी हैं; इन बोर्डों के पास एड-हॉक को स्थायी भूमिकाओं में समाहित करने की शक्ति है और हम इसके साथ आगे बढ़ना चाहते डीयू वीसी, दिल्ली सरकार के कॉलेजों में एडहॉक और अस्थायी शिक्षकों को पक्का करने की सुविधा प्रदान करें, इस पूरी प्रक्रिया में हमारे गवर्निंग बॉडी अपना पूरा सहयोग देंगे

अपने पत्र में, श्री सिसोदिया ने लिखा, दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों में सहायक प्रोफेसरों के लिए चल रहे साक्षात्कार विनाशकारी रहे हैं क्योंकि लगभग सत्तर प्रतिशत एडहॉक और अस्थायी शिक्षकों के विस्थापन की सूचना मिली है। इन अनुभवी शिक्षकों की कमी से कॉलेजों में शिक्षण और सीखने की गतिविधियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

उन्होंने कहा, हमारा मानना है कि स्थायी भर्ती में एडहॉक शिक्षकों को पक्का किया जाना चाहिए। इनमें से कई शिक्षक दशकों से दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेजों में पढ़ा रहे हैं। वे दिल्ली विश्वविद्यालय जैसे संस्थान में विविध भाषाई पृष्ठभूमि और शैक्षणिक अनुभव वाले देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले छात्रों के साथ कैसे व्यवहार किया जाए आदि चुनौतियों को बेहतर ढंग से समझते हैं। उन्होंने लिखा कि कक्षा में पढ़ाने के अनुभव को बदला नहीं जा सकता। इसलिए, इन शिक्षकों को दिल्ली विश्वविद्यालय में जारी रखना बेहद महत्वपूर्ण है।

उन्होंने आगे कहा, दिल्ली सरकार के 28 कॉलेजों की गवर्निंग बॉडी में सरकार नॉमिनी है और हम उनमें कार्यरत एडहॉक और अस्थायी शिक्षकों के लिए जिम्मेदार हैं। अध्यादेश(ओडीर्नेंस) शिक्षण स्टाफ की नियुक्ति गवर्निंग बॉडी द्वारा किए जाने का प्रावधान करता है। इसके साथ हम अपने 28 कॉलेजों में एडहॉक और अस्थायी शिक्षकों की नियुक्ति के साथ आगे बढ़ना चाहते हैं। इन कॉलेजों के गवर्निंग बॉडी द्वारा एडहॉक और अस्थायी शिक्षकों के पक्का करने की प्रक्रिया को लागू करने के लिए टेम्प ऑर्ड क्क्क्क्ए (1977-78) को पुनर्जीवित किया जाएगा। हाल ही में पंजाब सरकार ने ऐसे ही शिक्षकों और कर्मचारियों को पक्का किया है।

बेहोश कारोबारी के बैग से तीन लाख रुपये उड़ाए

नई दिल्ली। शाहदरा के जगतपुरी में एक कारोबारी के बेहोश होने के बाद बदमाश उसके बैग से तीन लाख रुपये उड़ा ले गए। पीड़ित अपने घर से पैदल ही बैग लेकर कृष्णा नगर मेट्रो स्टेशन तक जा रहे थे। इसी दौरान घर से करीब 200 मीटर दूर वह अचानक बेहोश हो गए। होश में आने पर पता चला कि बैग से रुपये गायब हैं। पुलिस केस दर्ज कर जांच कर रही है। पीड़ित 50 वर्षीय जितेंद्र अग्रवाल परिवार के साथ जगतपुरी इलाके में रहते हैं। उनका कॉस्मेटिक सामान का कारोबार है। जितेंद्र के अनुसार, वह शाम करीब चार बजे घर से बैग में तीन लाख रुपये रखकर पैदल ही कृष्णा नगर मेट्रो स्टेशन के लिए निकले। जब वह घर से करीब 200 मीटर आगे बढ़े, तभी अचानक बेहोश हो गए। आसपास के दुकानदारों ने उन्हें संभाला और परिजनों को सूचना दी। परिजन मौके पर पहुंचे और उन्हें अस्पताल लेकर गए। उन्होंने दुकानदारों से रुपयों के बारे में पूछताछ की तो उन्होंने जानकारी होने से मना कर दिया। पुलिस केस दर्ज कर आरोपी की तलाश कर रही है।

छठी और नौवीं कक्षा में दाखिले के लिए शिक्षा विभाग ने जारी की गाइडलाइंस

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली सरकार की शिक्षा विभाग ने शैक्षणिक सत्र 2023-24 में छठी और नौवीं कक्षा में दाखिले के लिए गाइडलाइंस जारी कर दी है। शिक्षा विभाग ने अपने परिपत्र में सभी फीडर स्कूलों से लेकर पैरंट्स स्कूलों को कहा है कि प्लान एडमिशन स्कीम के तहत 10 मई 2023 अंतिम दिन है। इसलिए प्लान एडमिशन से संबंधित निर्देश को पूरा करें। परिपत्र में आगे कहा गया है कि 31 जनवरी तक एमसीडी स्कूलों को डेटा अपलोड करना होगा और साथ ही यह भी सुनिश्चित करना होगा कि किसी बच्चे का डेटा न छूटे। वहीं फीडर स्कूलों की मैपिंग 10 फरवरी तक करनी होगी। जानकारी के लिए बताते चलें कि एक अप्रैल से प्लान एडमिशन की प्रक्रिया आरंभ हो जाएगी। शिक्षा विभाग ने कहा है कि कोई भी बच्चा दाखिला से वंचित नहीं रहना चाहिए इसलिए प्लान एडमिशन के तहत शुरू के 15 दिनों में अधिक से अधिक संख्या में बच्चों का दाखिला होना चाहिए। शिक्षा विभाग ने बीते दिनों प्लान एडमिशन के तहत एक बैठक की थी। इस बैठक के बाद शिक्षा विभाग ने एक परिपत्र जारी किया है।

सभी फीडर विद्यालयों के कक्षा पांचवी के विद्यार्थियों के अभिभावकों से अनुरोध है कि वे एक अप्रैल, 2023 या उसके बाद जल्द से जल्द अपने बच्चे का दाखिला सुनिश्चित करने के लिए निम्नलिखित दस्तावेजों के साथ निर्धारित पैरेंट विद्यालयों के प्रधानाचार्य से मिलें ताकि उन्हें भविष्य में किसी असुविधा का सामना न करना पड़े। इनमें विद्यार्थी का पासपोर्ट आकार का फोटो, दिल्ली में आवास/ निवास का प्रमाण, आधार संख्या (प्रमाण सहित), बैंक खाता संख्या (प्रमाण सहित) जाति प्रमाण पत्र/दिव्यांग प्रमाण पत्र आदि शामिल हैं। इसके साथ ही साथ शिक्षा विभाग ने पांचवी तक संचालित हो रहे स्कूलों के प्रमुखों को निर्देश दिया है कि वह छात्रों की जानकारी गत वर्ष की तरह इस साल भी ऑनलाइन मोड में दे। इस पर 31 जनवरी तक पांचवी के छात्रों का डेटा देना होगा। वहीं एमसीडी स्कूल यह सुनिश्चित करेंगे कि कक्षा पांचवीं में पढ़ने वाले सभी छात्रों की आईडी बनाई जाए और उनका डेटा विवरण, विशेष रूप से, उनके मोबाइल नंबर, निवास का पता सही हो। यदि किसी छात्र का स्टूडेंट आईडी नहीं बनता है तो उस छात्र का ऑनलाइन एसएलसी बनाना संभव नहीं होगा, इसलिए उसे मूल स्कूल में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

क्लासिफाइड

सूचना

मेरे नाम की इस्पेलिंग पहले abdul kyyum थी अब abdul kayyum पुत्र जमीलुद्दीन कर दिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाये। पता-मौहल्ला रविदास नगर नूरपुर तहसील चांदपुर, जिला बिजनौर मो-9690241298

यह गर्व का पर्व जिसकी फिजाओ में समृद्ध राष्ट्र का संकल्प वी.के. सिंह

गाजियाबाद, संवाददाता

गाजियाबाद में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी गणतंत्र के अवसर पर गाजियाबाद पुलिस द्वारा पुलिस परेड एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर परेड का मान प्रणाम ग्रहण करने हेतु मुख्य अतिथि के रूप में सांसद एवं केंद्रीय सड़क परिवहन, राजमार्ग एवं नागर विमानन राज्यमंत्री जनरल डॉ. वी.के. सिंह आयोजन में सम्मिलित हुए। भव्य आयोजन में सांसद द्वारा पुलिस अधि०/कर्मचारियों को मेडल तथा सराहनीय कार्य किये जाने वाले पुलिसजनों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने वाले स्कूलों तथा टोली कमाण्डस/परेड कमाण्डर/उद्घोषकों को स्मृति चिन्ह/प्रशस्ति पत्र प्रदान किये गए। समस्त देश अपने पूज्य पर्व गणतंत्र दिवस को मना रहा है इस उपलक्ष्य पर सांसद ने सभी को इस राष्ट्रीय पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

- जनरल डॉ. वी.के. सिंह परेड के आयोजन में सम्मिलित हुए
- पुलिस अधि०/कर्मचारियों को मेडल तथा सराहनीय कार्य किये जाने वाले पुलिसजनों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया

संक्षिप्त खबरें

वसुंधरा में बनेगा पहला आटोमैटिक कूड़ा केंद्र

गाजियाबाद, संवाददाता। शहर में सबसे पहले वसुंधरा में ऑटोमैटिक कूड़ा ट्रांसफर केंद्र बनाया जाएगा। इसके लिए कार्य अगले महीने के पहले वीक तक पूरा होने की संभावना है। यह कूड़ा ट्रांसफर केंद्र पूरी तरह से ऑटोमैटिक श्रेणी का होगा। वसुंधरा जोन के लिए यह कूड़ा ट्रांसफर केंद्र एक प्राइवेट कंपनी द्वारा बनाया जा रहा है। इसके लिए नगर निगम ने साइट चार इंडस्ट्री एरिया में कंपनी को करीब पांच हजार वर्ग मीटर जमीन का आवंटन किया था। शहर में पांच ऑटोमैटिक कूड़ा ट्रांसफर केंद्र बनाने का कार्य किया जाना है। पहले तय किया गया था कि जनवरी महीने में सभी कूड़ा ट्रांसफर केंद्र बनकर तैयार हो जाएंगे, मगर अभी तक एक भी कूड़ा ट्रांसफर केंद्र बनकर तैयार नहीं हुआ है। नगर निगम के हेल्थ विभाग का कहना है कि शहर में पांच स्थानों पर कूड़ा ट्रांसफर केंद्र बनाने का कार्य किया जाना है। प्रत्येक जोन में एक कूड़ा ट्रांसफर केंद्र बनाने का कार्य किया जाएगा। इसमें नगर निगम कोई निवेश नहीं कर रहा है। नगर निगम ने प्राइवेट कंपनियों को इन्हें बनाने का कार्य दिया है। नगर निगम प्रशासन प्राइवेट कंपनियों से उन्हीं के खर्च पर कूड़ा ट्रांसफर केंद्र बनवाने का कार्य कर रहा है। नगर निगम का कहना है कि एक अनुमान है कि इससे शहर में करीब 25 करोड़ रुपये प्राइवेट सेक्टर का खर्च किया जाएगा। कूड़ा ट्रांसफर केंद्र के बनते ही शहर में कूड़े की जगह-जगह डाले जाने की समस्या दूर हो जाएगी।

सड़क सुरक्षा सप्ताहः कई विभाग मिलकर बनाएंगे सड़कों को गड्ढा मुक्त

गाजियाबाद, संवाददाता। रोड सेफ्टी के लिए अब शहर में सड़कों को गड्ढा मुक्त करने की कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए रोड जल्दी ही प्रशासन स्तर पर एक प्लान तैयार किया जाएगा। इस प्लान में नगर निगम, पीडब्ल्यूडी, जीडीए आदि विभागों को शामिल किया जाएगा। प्रदेश भर में सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाया जा रहा है। यह सप्ताह पांच जनवरी से शुरू होकर चार फरवरी तक चल रहा है। इस दौरान प्रशासन से लेकर तमाम सभी सरकारी विभाग अपने स्तर से कार्रवाई कर रहे हैं। सबसे पहले चरण में लोगों को सड़क सुरक्षा के लिए जागरूक करने का कार्य किया जा रहा है। इसके लिए जगह जगह कार्यक्रम हो रहे हैं। इसके दूसरे चरण में जहां सड़कें खराब हैं उनको ठीक भी करने का कार्य किया जाएगा। इसके लिए नगर निगम, जीडीए, आवास एवं विकास परिषद आदि विभाग अपने-अपने एरिया में सड़क ठीक करने की कार्य योजना तैयार करेंगे, हालांकि नगर निगम प्रशासन की ओर से हाल ही में एक विशेष अभियान चलाया गया है। इस अभियान के दौरान नगर निगम ने करीब 42 करोड़ रुपया खर्च कर सड़क ठीक करने का कार्य किया जा रहा है। इस पैसे से पूरे शहर से सड़कों को गड्ढा मुक्त किया गया। कई सड़कों को नए सिरे से बनाने का कार्य किया गया है।

गणतंत्र दिवस के मौके पर जगह जगह हुए आयोजन

- जनरल के आवास पर भी हुआ आयोजन
- डीएम ने सत्यनिष्ठा के साथ काम करने की दिलायी शपथ

गाजियाबाद, संवाददाता। गणतंत्र दिवस के मौके पर जगह जगह कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। स्थानीय सांसद एवं केंद्रीय मंत्री जनरल वीके सिंह के राजनगर स्थित आवा पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान जहां जनरल ने ध्वजारोहण किया। वहीं कहां कि देश को आजादी दिलाने के लिए जो कुर्बानियां दी गई,उन्हें भूलाया नहीं जा सकता है। इस दौरान उन्होंने जोर दिया कि नई पीढी को ये ज्ञान दिया जाना आवश्यक है कि आजादी हासिल करने के लिए कितनी कुर्बानियां दी गई। इस दौरान बीजेपी के वरिष्ठ नेता बलदेव राज शर्मा,राजेश्वर प्रसाद,अशोक मोंगा आदि उपस्थित रहे। कलेक्टेज्ट परिसर में डीएम राकेश कुमार सिंह ने ध्वजा रोहण किया। इस दौरान तमाम अधीनस्थ अधिकारियों को सत्यनिष्ठा के साथ काम करने की शपथ दिलायी गई। जीडीए में प्राधिकरण सचिव बृजेश कुमार ने ध्वजा रोहण किया। इस दौरान जीडीए की ओएसडी गुंजा सिंह,अपर सचिव सीपी त्रिपाठी तथा दूसरे अधिकारी मौजूद रहे। नगर निगम के नवयुग मार्केट स्थित मुख्यालय में नगर आयुक्त नितिन गौण ने ध्वजा रोहण किया। कन्या गर्ल्स स्कूल की छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। नगर आयुक्त ने तमाम अधीनस्थ अधिकारियों को सत्यनिष्ठा से काम करने की शपथ दिलायी।

हादसे होने के बाद भी सबक नहीं,केवल पीटी जाती है लकीर

गाजियाबाद, संवाददाता

- जिन भूखंडों पर बननी चाहिए चार मंजिला बिल्डिंग खडी हो रही है छह मंजिला
- 32 मीटर साइज के भूखंडों पर भी पांच पांच मजिला बिल्डिंग निर्माण का खेला
- जिन भूखंडों के 33 फीसदी हिस्से पर बनने चाहिए बेसमेंट,सौ फीसदी हिस्सों पर बन रहे है बेसमेंट
- 4 के स्थान पर 30 फलैट निर्माण का खेल भी जोरों पर

लखनउ के वजीर हसन पर पांच मंजिला बिल्डिंग गिरने के हुए हादसे के बाद माना जा रहा है कि यदि हादसे से सबक नहीं लिया गया तो देश की राजधानी दिल्ली सीमा से लगे गाजियाबाद में भी पुनरावृति हो सकती है। जानकार बताते है कि जिन भूखंडों पर तीन मंजिला बिल्डिंग बननी चाहिए,उसके स्थान पर पांच से छह मंजिला बिल्डिंग के निर्माण का खेल गाजियाबाद में भी देखा जा सकता है। यहीं नहीं जिन भूखंडों पर चार फलैट बनने चाहिए,उनके स्थान पर 25 से 30 फलैट बनाए जा रहे है। भूखंडों पर बेसमेंट की खुदाई के दौरान जहां दो सौ वर्ग मीटर साइज के प्लाट के केवल 33 फीसदी हिस्से में ही बेसमेंट के निर्माण की प्राधिकरण का नियोजन विभाग अनुमति देता है,उसके स्थान पर शत प्रतिशत हिस्से में बेसमेंट के निर्माण का खेल चरम सीमा पर है। पिछले कुछ समय से डेढ सौ वर्ग मीटर साइज के भूखंड के शत प्रतिशत हिस्से में खुदाई करते हुए बेसमेंट का निर्माण किया जा रहा है। मजे की बात ये है कि जिस दौरान बेसमेंट के लिए खुदाई की जाती है,उस वक्त भूखंड के आस-पास खडी बिल्डिंग की सुरक्षा के लिए दूर तक कदम नहीं उठाए जाते है।प्राधिकरण के जिस प्रवर्तन विभाग पर निगरानी का दायित्व है,उसके द्वारा हादसे का इंतजार किया जाता है। देखा जाए तो प्राधिकरण सीमा इलाके में जितने भी मॉल है,उनमें बेसमेंट यू तो पार्किंग के लिए अधिकृत किए जाते है,जबकि ज्यादातर में व्यवसायिक गतिविधि हो रही है। जीडीए के जानकार बताते है कि प्रवर्तन विभाग के द्वारा चंद पैसे के लालच में आरडीसी को बर्बाद करके रख दिया गया है। यू तो तमाम भूखंड के बेसमेंट में पार्किंग के लिए मंजूरी दी गई,जबकि सौ फीसदी बिल्डिंग के बेसमेंट में व्यवसायिक गतिविधि न केवल संचालित हो रही है,बल्कि चार मंजिल के स्थान पर पांच से छह मंजिला बिल्डिंग का निर्माण देखा जा सकता है। सबसे बडा मजाक तो ये है कि हिंडनपार के वैशाली में जो कभी 32-32 वर्ग मीटर के भूखंड आवंटित किए गए,सभी में चार से पांच मंजिला बिल्डिंग के निर्माण का खेल देखा जा सकता है। पिछले कुछ समय से इंदिरापुरम,राजेंद्र नगर,कौशांबी,शालीमार गार्डन,प्रताप विहार आदि के जिन भूखंडों पर जीडीए के नियोजन विभाग से चार मंजिला बिल्डिंग के नक्शे स्वीकृत कराए गए,वहां पर न केवल पांच से छह मंजिला बिल्डिंग बल्कि आवासीय भूखंडों के शत प्रतिशत हिस्से पर व्यवसायिक बिल्डिंग के निर्माण का खेल देखा जा सकता है। हैरत का पहलू ये है कि यू तो मौके पर निगरानी के लिए सुपरबाइजर,अवर अभियंताओं के साथ सहायक अभियंता के साथ प्रवर्तन प्रभारी के तौर पर वरिष्ठ अधिकारियों को निगरानी का दायित्व दिया गया है,देखा जाए तो कई प्रवर्तन प्रभारी खुद से अवैध निर्माण को बढावा देने के एवज में सीधे बिल्डर आदि से डील करते है। अभी हाल में आरडीसी के सी 19 पर लीक से हटकर चार के स्थान पर पांच मंजिला बिल्डिंग के निर्माण का खुलासा होने के बाद जीडीए की ओएसडी गुंजा सिंह की देखरेख में तोडफोड की गई। ये स्थिति उस वक्त है जब गाजियाबाद में बिल्डिंग गिरने के कई हादसे हो चुके है। हिंडनपार के इंदिरापुरम,वैशाली कौशांबी की जमीनी स्थिति देखी जाए तो ये कभी यमुना के खादर का हिस्सा हुआ करती थीं। जानकारों की मानें तो मौजूदा में जब नया निर्माण आरंभ करने के लिए खुदाई होती है तो मिटटी के स्थान पर रेत निकलता है।

कार के शीशे तोड़कर सामान चुराने वाला गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। सेक्टर बीटा-2 पुलिस ने कार के शीशे तोड़कर स्टीरियो और अन्य सामान चोरी करने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि उसने चार दिन पहले ओयो होटल के सामने खड़ी गाड़ी का शीशा तोड़कर चोरी की थी। पुलिस के मुताबिक आरोपी की पहचान अशोक निवासी नट मढैया गांव के रूप में हुई है। आरोपी ने 23 जनवरी को ओयो होटल के सामने खड़ी एक गाड़ी का शीशा तोड़कर पैन कार्ड, आधार कार्ड और स्टीरियो सिस्टम चोरी कर लिया था। इस संबंध में गाड़ी मालिक ने मुकदमा दर्ज करवाया था। आरोपी के पास से गाड़ी से चोरी के गए पैन कार्ड, आधार कार्ड और स्टीरियो सिस्टम बरामद किया गया है।

ओसी सीसी न मिलने से अटकी 110 फ्लैट खरीदारों रजिस्ट्री, महिलाओं ने किया प्रदर्शन

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा सेक्टर अल्फा एक स्थित एमएसएक्स होम्स सोसाइटी की महिलाओं ने फ्लैट रजिस्ट्री की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। निवासियों ने परिसर में पैदल मार्च निकालकर आक्रोश जताया। आरोप है कि पिछले कई सोसाइटी के फ्लैट की रजिस्ट्री अटकी पड़ी है, इसमें बिल्डर और प्राधिकरण की लापरवाही है। जिसकी वजह से यहा पर रह रहे निवासी अपने घर के लिए लड रहे है। निवासी बेबी उपाध्याय ने बताया कि बिल्डर ने 2010 में परियोजना की शुरूआत की। कब्जा मिलने के बाद पिछले कई सालों से लोग रह रहे हैं। सोसाइटी के निर्माण व संरचना में अनियमितता का हवाला देते हुए प्राधिकरण ने कंप्लीशन सर्टिफिकेट (सीसी) व ऑक्युपेंसी सर्टिफिकेट (ओसी) जारी नहीं किया। ए, बी व सी टावर में 187 फ्लैट है। वर्ष 2020 में प्राधिकरण ने बी व सी टावर को ओसी व सीसी प्रदान की गई थी,लेकिन कुछ दिनों बाद ओसी व सीसी को निरस्त कर दिया। इस अवधि में बी व सी टावर में लगभग 75 फ्लैट खरीदारों की रजिस्ट्री हो गई। 110 फ्लैट खरीदार 2016 से लगातार बिल्डर व ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन अभी तक ओसी व सीसी जारी नहीं की गई है।

सिटी फारेस्ट की पार्किंग को बनाया लूट खसौट का माध्यम

गाजियाबाद, संवाददाता

- जीडीए के उद्यान विभाग के हाथों में है पार्किंग का रखरखाव
- पर्ची पर अंकित रकम से छेडछाड करते हुए हो रही है मनमाने तरीके से पैसे की वसूली
- अधिकारियों का तर्क,पर्ची से छेडछाड करने वाले स्टाफ को हटाया,एक्शन के नाम पर चुप्पी

आमतौर पर माना जाता है कि किसी प्राइवेट संस्था को पार्किंग का ठेका दिया जाता है,तो उसके द्वारा पार्किंग स्थल पर खडे होने वाले वाहनों के बदले में मनमाने तरीके से पैसे की वसूली की जाती है,आसमान छूती राजनगर एक्शटेंशन से चंद कदम पर क्षेत्र वासियों को हरा भरा वातावरण देने के लिए गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के द्वारा जो सिटी फारेस्ट विकसित किया गया। सिटी फारेस्ट की पार्किंग संचालन के नाम पर जीडीए के उद्यान विभाग के स्टाफ के द्वारा लूट खसौट मचायी गई है। शायद दूर तक ये कोई भी देखने वाला नहीं है कि पर्ची पर क्या राशि अंकित है और राशि को गोलमोल करत हुए वाहन चालकों से कितने पैसे वसूल किए जा रहे है। जानकारों की मानें तो दो पहिया वाहन पार्किंग स्थल पर खडे करने की एवज में 50 रूपए तक वसूल किए जा रहे है। बताते है कि जिस स्टाफ की डयूटी पार्किंग स्थल पर लगायी गई है,उसके द्वारा वसूली की एवज में प्राप्त होने वाली रकम वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंचायी जाती है,इस लिए दूर तक देखने वाला कोई नहीं है।

यू तो गाजियाबाद विकास प्राधिकरण शहर के एक बडे हिस्से में हरा भरा वातावरण पैदा करने के लिए अलग से सिटी फारेस्ट के लिए जमीन की उपलब्धता सुनिश्चित नहीं कर पाया,मजे की बात ये है कि करहेडा के निकट जो नगर निगम के द्वारा सिटी फारेस्ट के लिए जीडीए को जमीन उपलब्ध करायी गई,उसके एक बडे हिस्से पर कालोनाइजरों के द्वारा बिल्डिंग खडी की जा रही है। पिछले एक साल से जीडीए का उद्यान विभाग सिटी फारेस्ट का रखरखाव ही नहीं कर पाया। अब दावा किया जा रहा है कि सिटी फारेस्ट के रखरखाब का टेंडर छोड दिया गया है। बताते है कि जिस संस्था विशेष को ये ठेका दिया गया है,उसके द्वारा कितना स्टाफ लगाया गया है,ये दूर तक देखने वाला कोई नहीं है। चूंकि बदले में एजेंसी के द्वारा भुगतान मिलने के एवज में कमीशन के तौर पर उद्यान विभाग के अधिकारियों को एक मोटी रकम का भुगतान किया जाता है,इस लिए इस तरफ देखा ही नहीं जाता है।

मजे की बात ये है कि सिटी फारेस्ट की पार्किंग का रखरखाब जीडीए के उद्यान विभाग के कंधों पर है। उद्यान विभाग के स्टाफ के द्वारा पार्किंग स्थल को ही लूट खसौट का माध्यम बना लिया है। मजे की बात ये है कि मामला जीडीए के उद्यान विभाग के आला अधिकारियों तक पहुंचने के बाद तर्क दिया जा रहा है कि जिस स्टाफ के द्वारा खेल किया जा रहा था,उसे हटा दिया गया है,लेकिन ऐसे स्टाफ पर क्या एक्शन लिया गया,अफसर चुप्पी साध ली गई।

सुधार के बजाय शिकायत करने वाले को कर रहे है कटघरे में खडा

देखा जाए तो जीडीए में इन दिनों एक नया खेल आरंभ हो गया है। इसमें चाहे जीडीए का प्रवर्तन विभाग हो या फिर उद्यान विभाग,उसके अधिकारियों ने खुद को बचाने के लिए एक नया फंडा अखितयार कर लिया है।

वह नया फंडा ये है कि किसी क्षेत्र विशेष में बिल्डर के द्वारा स्वीकृत नक्शे के विपरित निर्माण किया जाता है तो बिल्डर को स्पष्ट कर दिया जाता है कि बिल्डिंग निर्माण के दौरान यदि किसी तरह की शिकायत प्राप्त होती है तो शिकायत कर्ता से खुद ही निपटना होगा,इसके लिए शिकायत प्राप्त होते ही बिल्डर एवं कालोनाइजर को शिकायत करने वाले की जानकारी उपलब्ध करा दी जाती है। बताते है कि ये खेल जीडीए के प्रवर्तन जोन छह या 4,5 तक ही सीमित नहीं है,बल्कि यही खेला जीडीए के उद्यान विभाग के द्वारा भी किया जा रहा है।

बसंत पंचमी का त्यौहार बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

गाजियाबाद, संवाददाता। अनंत उन्नति फाउंडेशन पर 74 वां गणतंत्र दिवस और बसंत पंचमी का त्यौहार बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ।कार्यक्रम में सर्वप्रथम ध्वजारोहण श्रीमती अपर्णा मिश्रा जी के द्वारा किया गया ,उसके उपरांत सरस्वती पूजा की गई और साथ ही केक काटकर कार्यक्रम की शुरूआत की गई। कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए कार्यक्रम में बच्चों को बताया गया गणतंत्र दिवस और बसंत पंचमी क्यों मनाए जाते हैं और इनका हमारे जीवन में क्या महत्व है। कार्यक्रम के उपरांत बच्चों के लिए खाने की व्यवस्था भी की गई ।कार्यक्रम में फाउंडेशन की प्रमुख प्रीति चौधरी और निदेशक विकास पाल एवं अन्य सहसाथी जिसमें अनुज गॉड ,निर्मल मखीजा, कृष्ण चौधरी, जानकी शर्मा, अहाना सिंह ,श्रीमती रितु और श्रीमान अखिल अग्रवाल एवं उनका परिवार कार्यक्रम में सम्मिलित रहे। वहीं नगर निगम वाहन चालक संघ गाजियाबाद के उपाध्यक्ष राजीव शर्मा एवं ओम मेडिकल सेंटर अशोक नगर के डायरेक्टर डॉक्टर गौरव सिरोही एवं डॉक्टर निशी सिरोही द्वारा गणतंत्र दिवस के मौके पर ध्वजारोहण किया गया।

नवीन अस्पताल सेक्टर 3 वैशाली में एक नई पहल

गाजियाबाद, संवाददाता। 74 वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष में सेक्टर 3 नवीन अस्पताल में ध्वजारोहण किया गया यह जानकारी देते हुए नवीन समूह के मेडिकल डायरेक्टर डॉ अनिल तोमर ने बताया आज ध्वजारोहण किसी भी वीआईपी से ना करा कर अस्पताल में इलाज करा रहे एक बुजुर्ग मरीज पवन कुमार गोयल द्वारा कराया गया इस अवसर पर अस्पताल के स्टाफ के कुछ अन्य मरीज बे उनके रिश्तेदार भी शामिल हुए उन सभी के चेहरों पर मुस्कान देखने को मिली शायद यही इस गणतंत्र दिवस की सही मायने हैं ।आज के इस कार्यक्रम से विशेष रुप से डॉअंकित त्यागी, डॉ गोरी सिंगल, डॉ शाहिद, डॉ रिया, अश्विनी चौधरी, पुष्पेंद्र यादव ,बंटी, पिंकी, राहुल, कल्पना ,आदि सभी लोग मौजूद रहे।

डायलिसिस सेंटर में 160 तक पहुंची वेटिंग

सीएमओ ने एक्स्ट्रा शिफ्ट लगाकर वेटिंग खत्म करने के दिए निर्देश

सेंटर की ओर से शासन से पांच और मशीनें बढ़ाने की मांगी गई अनुमति

गाजियाबाद, संवाददाता। कंबाइंड अस्पताल में चल रहे डायलिसिस सेंटर में मरीजों की वेटिंग 160 तक पहुंच गई है। मरीज का नंबर आने में एक से डेढ़ महीने तक का समय लग जाता है। लंबी वेटिंग के चलते मरीज निजी अस्पताल में या फिर दिल्ली जाकर डायलिसिस करवाने के लिए मजबूर होते हैं। सीएमओ ने सेंटर प्रभारी को एक्स्ट्रा शिफ्ट लगाकर वेटिंग खत्म करने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा सेंटर की ओर पांच मशीनें बढ़ाने के लिए शासन से अनुमति मांगी गई है। कंबाइंड अस्पताल में वर्ष 2018 में सरकारी स्तर पर निजी कंपनी डीसीडीसी किडनी केयर की ओर से डायलिसिस सेंटर की शुरूआत की गई थी। शुरुआती दौर में सेंटर को 6 मशीनों के साथ शुरू किया गया था और फिलहाल सेंटर में 15 मशीनों के जरिए मरीजों का डायलिसिस हो रहा है। इनमें से दो मशीने हैपेटाइटिस पॉजिटिव मरीजों के लिए रिजर्व हैं। सेंटर में एक दिन में तीन शिफ्टों में 45 मरीजों का डायलिसिस किया जाता है। फिलहाल सेंटर में 130 मरीजों का डायलिसिस चल रहा है और 160 से ज्यादा मरीज वेटिंग में हैं।

--एक्स्ट्रा शिफ्ट लगाकर वेटिंग खत्म करने के निर्देश

सीएमओ ने डायलिसिस सेंटर को मरीजों की वेटिंग खत्म करने के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में सीएमओ की ओर से सेंटर को एक पत्र भी भेजा गया है, जिसमें कहा गया है कि वेटिंग में चल रहे मरीजों को जल्द से जल्द डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध करवाई जाए, यदि इसके लिए चार शिफ्ट भी लगानी पड़ें तो लगाई जाएं। किडनी के मरीजों के लिए डायलिसिस जरूरी है और आर्थिक रूप से कमजोर मरीज ही सरकारी स्तर पर डायलिसिस के लिए आते हैं। यदि उन्हें सुविधा नहीं मिलेगी तो उनके जीवन को खतरा हो सकता है।

--शासन को भेजा गया पत्र

डायलिसिस सेंटर मैनेजर फराह खान बताती हैं कि मरीजों की वेटिंग को देखते हुए शासन से पांच और मशीनें बढ़ने की अनुमति मांगी गई है। आशा है कि जल्द ही शासन से अनुमति मिल जाएगी। सेंटर में मशीनें आ चुकी हैं और शासन से अनुमति मिलने पर उन्हें शुरू कर दिया जाएगा। पांच और मशीनें शुरू होने के बाद एक दिन में 60 मरीजों की डायलिसिस हो सकेगी। शिफ्ट बढ़ाकर वेटिंग खत्म करने के बारे में उन्होंने कहा कि इसके लिए कंपनी के अधिकारियों से वार्ता की जाएगी। शिफ्ट बढ़ाने के लिए ज्यादा स्टाफ भी जरूरत होगी। इसलिए इस पर कंपनी के बड़े अधिकारी ही विचार करके निर्णय लेंगे।

मुठभेड़ में 25 हजार का इनामी शाहरुख को पकड़ा, एक्सप्रेसवे पर लूटपाट करने में था माहिर

ग्रेटर नोएडा। गौतमबुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट की ओर से गणतंत्र दिवस पर जिलेभर में चेकिंग अभियान चलाया गया है। इस दौरान पुलिस ने मुठभेड़ में 25 हजार का इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। इसका दूसरा साथी फरार हो गया। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के पास से अवैध तमंचा, 315 बोर, 3 जिंदा कारतूस, 2 खोखा कारतूस और एक फ-15 ब्लैक बरामद किए हैं। यह मुठभेड़ थाना रबूपुरा में हुई है। एडीसीपी दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि रबूपुरा पुलिस द्वारा करौली अंडरपास के पास चेकिंग अभियान चलाया गया था। जहां पर एक बाइक पर दो युवक सवार होकर आ रहे थे। पुलिस ने उनको रोकने का प्रयास किया। तभी आरोपियों द्वारा पुलिस पर फायरिंग की गई। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई में बदमाश के पैर में गोली मारी है। इसका एक साथी मौके से फरार हो गया है। जिसकी तलाश की जा रही है। जल्द उसे भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी की पहचान शाहरुख के रूप में की है। जो दिल्ली के त्रिलोकपुरी का निवासी है। एडीसीपी ने बताया कि 2022 मार्च में आरोपी ने नोएडा एक्सप्रेसवे पर बस के इंतजार में खड़ा हुआ था, तभी पीछे से एक होंडा सिटी कार आई जिसमें 4 व्यक्ति सवार थे, गजेंद्र के सेक्टर-37 जाने के लिए कहने पर कार में बैठा लिया कुछ दूर चलने पर उसके साथ मार-पीट कर उससे 30 हजार रुपए छीन कर उसको हाईवे पर छोड़ कर चले गए थे।

एनडीआरएफ अनाधिककृत कालोनियों के चलते उत्पन्न हुई जलभराव की समस्या के बाद हरकत में आया जीडीए....

एनडीआरएफ रोड पर चला जीडीए का बुलडोजर

गाजियाबाद, संवाददाता

सदर पुर एवं उसके आस-पास जिस वक्त कालोनाइजर प्लाटिंग का खेल खेल रहे थे,उस वक्त जीडीए का प्रवर्तन विभाग अपनी आंखे पूरी तरह से बंद किए रहा,अब एनडीआरएफ रोड से लगे नाले से ज्यादातर कालोनाइजरों के द्वारा कालोनियों के पानी की निकासी जोड दिए जाने के बाद पीएसी 41 वाहिनी एवं कपूर्री पुरम योजना में उत्पन्न हुई जलभराव की समस्या के बाद जीडीए के द्वारा एनडीआरएफ रोड पर नाले की जमीन से कारोबारियों के द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटाया गया। जीडीए अधिकारियों का तर्क है कि ये तमाम दुकानें भी पूरी तरह से अवैध बनी हुई है। जानकार बताते है कि कालोनाइजरों के द्वारा जो कालोनियां विकसित की गई,वह मुख्य नाले से उंचाई पर है,जिसके परिणाम स्वरूप जलभराव की समस्या पैदा होती है। मजे की बात ये है कि एनडीआरएफ रोड पर दो मंजिला मार्केट बनी हुई है,जीडीए का प्रवर्तन विभाग तमाम दावों के बावजूद इस मार्केट पर एक्शन नहीं ले पा रहा है। अनियोजित विकास के चल रहे खेल का खामियाजा कपूर्रीपुरम योजना में जिस व्यक्ति के द्वारा नीलामी के माध्यम से जीडीए से 70 से 80 लाख रूपए लागत का भवन खरीदा उसे भुगतना पड रहा है या फिर पीएसी वाहिनी के जवान उठा रहे है। चूंकि पीएसी वाहिनी के स्टाफ परिसर में नाले का पानी भर जाता है। ऐसे में जीडीए के निर्माण विभाग पर जलभराव की समस्या दूर करने का भयंकर दबाव है।

सम्पादकीय

संविधान के मूल ढाँचे की व्यर्थ बहस

डॉ. अंबेदकर ने कहा थाः राज्य के विभिन्न निकायों के काम सुचारू रूप से चलाने के लिए संविधान एक औजार मात्र है। यह औजार इस काम के लिए नहीं कि कुछ खास सदस्य या खास दल ही सत्ता में बिठाए जाएं। राज्य की क्या नीति हो, समाज की सामाजिक और आर्थिक व्यवस्था कैसे संगठित हो झ्र यह सब समय और परिस्थिति अनुसार लोगों को स्वयं तय करना है।..यह पंक्तियाँ साफ दशार्ती हैं कि हमारे संविधान निमार्ताओं के अनुसार न तो संविधान धर्म-ग्रंथ है, न उस का कोई मूल ढाँचा है, न उस में कुछ भी अपरिवर्तनीय है।

किसी भवन के बनने और उपयोग के दशकों बाद उस की नींव में हेर-फेर कर परिवर्तित नींव को मूल नींव कहना सीधे-सीधे गलतबयानी होगी। सच यह होगा कि नींव बदली गई, और चूँकि एक बार बदली गई तो आगे भी बदली जा सकती है। किन्तु पिछले पचास साल से भारतीय संविधान के मूल ढाँचे, बेसिक स्ट्रक्चर, की सारी कठदलीली ऐसी ही है। बल्कि अधिक लज्जास्पद है!

इस लज्जा को महसूस करने के लिए उस की पहली पंक्ति खुद पढ़ कर देखिए जो उद्देशिका या प्रस्तावना कहलाती है। इसे 1976 ई. में भारी संशोधित कर दिया गया। वस्तुतः उस से भारत का राजनीतिक चरित्र ही छलपूर्वक बदल डाला गया! मूल संविधान ने भारत को जो विशेषण दिया था, वह था लोकतांत्रिक गणराज्य। पच्चीस वर्ष बाद उसे बदल कर समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतांत्रिक गणराज्य कर दिया गया। लज्जा की बात यह कि उसी पंक्ति में तारीख पुरानी रहने दी गई कि आज तारीख 26 नवम्बर 1949 ई. को एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

इस प्रकार, मूल संविधान बनने के पच्चीस वर्ष बाद उस की उद्देश्यिका में दो घोर मतवादी ठप्पे लगाकर भी उसे 26 नवंबर 1949 से हुआ बताया जा रहा है। यह छल दूरगामी मार करता रहा है। एक बार इस लेखक ने पाया कि सुप्रीम कोर्ट के एक प्रखर वकील भी अनजान थे कि ह्यसेक्यूलर, सोशलिस्ट शब्द मूल संविधान में नहीं थे! तब देश के लाखों-लाख छात्रों, शिक्षकों की स्थिति अनुमान कर लें। उस बदगुमानी का कारण यही था कि उद्देशिका का चरित्र परिवर्तित करके भी उस पंक्ति की तारीख अपरिवर्तित रखी गई। किसी भी कागजात में ऐसा करना साफ जालसाजी कहा जाएगा। जैसे, किसी व्यक्ति के मरने के बरसों बाद उस की वसीयत में बदलाव कर उस की संपत्ति, जो उस ने एक व्यक्ति को दी थी, उसे तीन व्यक्तियों को दे दिया जाए, और कहा जाए कि यही मूल वसीयत है! उस में वही तारीख और हस्ताक्षर रहने दिया जाए।

तब इसे क्या कहें कि डॉ. राजेंद्र प्रसाद, पंडित नेहरू, डॉ. अंबेदकर, आदि संविधान निमार्ताओं ने जिस उद्देशिका को लोकतांत्रिक कहा था, उस में सोशलिस्ट सेक्यूलर जोड़ कर भी उसे नेहरू, अंबेदकर का ही मूल ढाँचा बताया जाए? इस से हमारी दो-तीन पीढियाँ भ्रमित की गई और अभी भी हो रही हैं। इस में हमारे सर्वोच्च नेताओं और न्यायाधीशों, दोनों की जिम्मेदारी एक समान है। सर्वप्रथम, संविधान के मूल ढाँचे की शब्दावली ही बाद की, सुप्रीम कोर्ट की देन है। वह भी 1973 ई. के बाद से। मूल संविधान में ऐसी कुछ न लिखा था, न कोई संकेत था। बल्कि संविधान को ही कोई जड़सूत्र महत्ता तक नहीं दी गई थी। स्वयं डॉ. अंबेदकर ने उसे एक कामकाजी औजार मात्र कहा था। यानी, औजार का प्रयोग करने वाला समाज उस से स्वतंत्र और ऊपर संप्रभु थे। तदनुरूप, संविधान के अनुच्छेद 368 ने संसद को पूर्ण अधिकार दिया था कि वह संविधान के किसी भी अनुच्छेद को बदल, जोड़, या उसे बिलकुल भी हटा सकता है। केवल कुछ विशेष बदलावों के लिए अलग-अलग प्रक्रियाएं जरूर बताई थीं। किन्तु संविधान में कैसा भी बदलाव किया जा सकता था। इसलिए, यह बेसिक स्ट्रकचर वाली सारी बात बाद की है, और घोर अंतर्विरोधी भी। पहला अंतर्विरोध,कि मूल संविधान की उद्देशिका ही जब 1976 ई. में संशोधित हो गई, तो मूल ढाँचा तभी बदल गया।

क्या चाहते हैं खम्मम में जुटे विपक्षी दल

राज कुमार सिंह-

मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा अब पूर्ण होने को है। ऐसे में पांच विपक्षी दलों के नेताओं के तेलंगाना में एकजुट होने से विपक्षी एकता पर जवाब मिलने से ज्यादा सवाल उठ खड़े हुए हैं। बेशक यह अप्रत्याशित नहीं था। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव लंबे समय से क्षेत्रीय दलों का संघीय मोर्चा बनाने की कवायद में जुटे हैं। अपने क्षेत्रीय दल तेलंगाना राष्ट्र समिति को भारत राष्ट्र समिति का नाम देकर वह अपनी राष्ट्रीय राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं भी स्पष्ट कर चुके हैं। खम्मम का संदेश 18 जनवरी को तेलंगाना के खम्मम में हुई रैली में तीन राज्यों के मुख्यमंत्री (अरविंद केजरीवाल, भगवंत मान और पिनाराई विजयन) सहित पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव और सीपीआई नेता डी. राजा भी शामिल हुए। तमाम वर्गों की समस्याओं पर चिंता जताते हुए रैली में बताया गया कि तेलंगाना की कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा संबंधी नीतियां उनका सुनियोजित समाधान पेश करती हैं। आंध्र प्रदेश के सीमावर्ती खम्मम में जुटे पांच विपक्षी नेताओं के मोदी और बीजेपी विरोध पर तो संदेह नहीं, पर उनकी क्षमता पर जरूर है।

ये जिन राज्यों के क्षत्रप हैं, वहां से देश की 543 सदस्यीय लोकसभा में 120 सांसद आते हैं। इन दलों के पास मात्र 19 सांसद हैं। इसके मुकाबले कांग्रेस के पास इस बुरे वक्त में भी, 53 सांसद हैं, जिसे अलग-थलग करने का संकेत खम्मम रैली से गया है।

बेशक इनमें से कोई भी नेता रैली में कांग्रेस के विरुद्ध नहीं बोला, पर जब-तब आते रहे उनके बयान और अब तक के व्यवहार से साफ है कि उनके निशाने पर कांग्रेस भी है, जिसके तेवर राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा आगे बढ़ने के साथ-साथ बदलते नजर आ रहे हैं।

भारत जोड़ो यात्रा से जनमानस में राहुल की छवि में बदलाव और हताश कांग्रेस में नए उत्साह के संचार से विरोधी भी इनकार नहीं कर रहे। इससे बीजेपी का चिंतित होना स्वाभाविक है, पर विपक्षी नेता भी कम आशंकित नहीं हैं। बात तेलंगाना की करें तो केसीआर ने अपना राजनीतिक जीवन कांग्रेस से ही शुरू किया था। पृथक तेलंगाना के लिए लंबे संघर्ष से वह इस राज्य के स्वाभाविक नेता बने।

लगातार तीसरी बार मुख्यमंत्री बनने के लिए बिसात बिछा रहे केसीआर की पार्टी टीआरएस ने पिछले चुनाव में 120 सदस्यीय विधानसभा (एक सदस्य मनोनीत होता है) में 88 सीटें जीती थीं। दलबदल और उप चुनाव के जरिए बाद में यह आंकड़ा 100 पार कर गया।

प्रेक्षकों का मानना है कि पिछला प्रदर्शन दोहराना तो कठिन है, पर सरकार बनाने में कोई मुश्किल नहीं होगी, क्योंकि हाशिए पर पड़ी कांग्रेस और बीजेपी ज्यादा चुनौती नहीं पेश कर पाएंगी।

फिर तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद से लगभग 200 किमी दूर जिस खम्मम को विपक्षी रैली के लिए चुना गया, उसकी अपनी भी राजनीति है। खम्मम कभी वामपंथी गढ़ रहा, बाद में कांग्रेस को वहां अच्छी चुनावी सफलता मिली।

पिछले चुनाव में टीआरएस वहां की 10 विधानसभा सीटों में से मात्र एक जीत पाई थी। यह अलग बात है कि बाद में कांगेस के 6 और चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी के 2 विधायक टीआरएस में शामिल हो गए।

खम्मम रैली से केसीआर ने आंध्र प्रदेश की राजनीति में आने के अपने इरादे भी जाहिर कर दिए हैं। महज 17 लोकसभा सीटों वाले तेलंगाना के बल पर केसीआर राष्ट्रीय राजनीति में लंबी छलांग नहीं लगा सकते। इनमें से भी टीआरएस के पास सिर्फ 9 हैं।

बीआरएस के जरिए राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाएं पाल लेना आसान है, पर उन्हें पूरा करने के लिए पैरों तले जमीन चाहिए, जो तेलंगाना के बाहर आंध्र में अपेक्षाकृत आसानी से मिल सकती है। ऐसे में कांग्रेस की मजबूती उन्हें कैसे गवारा हो सकती है? उत्तर पर पकड़ उत्तर प्रदेश लोकसभा में 80 सांसद भेजता है। अखिलेश एक बार और मुलायम सिंह तीन बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे, पर बीजेपी ने अब वहां जैसी पकड़ बना ली है, उसमें एसपी-बीएसपी जैसे दलों की सत्ता वापसी बहुत मुश्किल है। एसपी-बीएसपी, दोनों ने ही जनाधार कांग्रेस से छीना है। इसलिए उन्हें शायद बीजेपी से भी ज्यादा कांग्रेस की मजबूती अपने लिए खतरा लगती है। यही वजह है कि अखिलेश इतनी दूर खम्मम तो चले गए, पर उत्तर प्रदेश में ही भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने का निमंत्रण ठुकरा दिया।

भारतबोध कराता है स्वदेशी पर्यटन

भारत एक विशाल देश है। यहां के विभिन्न राज्यों की भिन्न-भिन्न संस्कृतियां हैं। सबकी अपनी परम्पराएं हैं। इसके साथ ही यहां प्राकृतिक सौंदर्य से ओतप्रोत पर्यटन स्थल हैं। यहां पर ऐतिहासिक स्थल हैं। यहां पर असंख्य धार्मिक स्थल भी हैं। हम 25 जनवरी को पर्यटन दिवस मना चुके हैं। साल 1948 में इसकी शुरूआत ही थी। इसके पश्चात एक पर्यटन यातायात समिति भी गठित की गई। इस समिति के गठन के तीन वर्ष पश्चात 1951 में कोलकाता और चेन्नई में पर्यटन दिवस के क्षेत्रीय कार्यालयों में वृद्धि होती गई। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई में पर्यटन कार्यालय बनाए गए। वर्ष 1998 में पर्यटन और संचार मंत्री के नेतृत्व में एक पर्यटन विभाग बनाया गया। इसका उद्देश्य भारतीय पर्यटन को प्रोत्साहित करना है। पर्यटन स्थलों के कारण लाखों लोगों को आजीविका प्राप्त होती है। धार्मिक पर्यटन : भारत में प्रत्येक वर्ष लाखों पर्यटक आते हैं। इनमें धार्मिक पर्यटक भी सम्मिलित हैं।

डॉ. सौरभ मालवीय
लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं

पर्यटन देश की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाता है। इससे सरकार को राजस्व और विदेशी मुद्रा प्राप्त होती है। इसके कारण विकास कार्यों को भी बढ़ावा मिलता है। भारत एक विशाल देश है। यहां के विभिन्न राज्यों की भिन्न-भिन्न संस्कृतियां हैं। सबकी अपनी परम्पराएं हैं। इसके साथ ही यहां प्राकृतिक सौंदर्य से ओतप्रोत पर्यटन स्थल हैं। यहां पर ऐतिहासिक स्थल हैं। यहां पर असंख्य धार्मिक स्थल भी हैं। हम 25 जनवरी को पर्यटन दिवस मना चुके हैं। साल 1948 में इसकी शुरूआत ही थी। इसके पश्चात एक पर्यटन यातायात समिति भी गठित की गई। इस समिति के गठन के तीन वर्ष पश्चात 1951 में कोलकाता और चेन्नई में पर्यटन दिवस के क्षेत्रीय कार्यालयों में वृद्धि होती गई। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई में पर्यटन कार्यालय बनाए गए। वर्ष 1998 में पर्यटन और संचार मंत्री के नेतृत्व में एक पर्यटन विभाग बनाया गया। इसका उद्देश्य भारतीय पर्यटन को प्रोत्साहित करना है। पर्यटन स्थलों के कारण लाखों लोगों को आजीविका प्राप्त होती है। धार्मिक पर्यटनः भारत में प्रत्येक वर्ष लाखों पर्यटक आते हैं। इनमें धार्मिक पर्यटक भी सम्मिलित हैं। धार्मिक पर्यटक से अभिप्राय उन पर्यटकों से है, जो यहां के तीर्थ स्थानों के दर्शनों के लिए आते हैं। भारत तीर्थों का देश है। यहां बहुत से तीर्थ स्थान हैं। हिन्दू धर्म में अनेक प्रकार के तीर्थों का वर्णन मिलता है। इन तीर्थों में 12 ज्योतिर्लिंग भी सम्मिलत है। इनका अत्यंत महत्त्व है। गुजरात के सौराष्ट्र में स्थित सोमनाथ ज्योतिर्लिंग पृथ्वी का प्रथम ज्योतिर्लिंग माना जाता है। मान्यता है कि यहां पर देवताओं ने एक पवित्र कुंड का निर्माण किया था। इसे सोमकुंड कहा जाता है। यह भी मान्यता है कि इस कुंड में स्नान करने से व्यक्ति के समस्त पापों का नाश हो जाता है। इसलिए इसे पापनाशक कुंड कहा जाता है। आंध्र प्रदेश में कृष्णा नदी के तट पर श्रीशैल नामक पर्वत पर मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग है। इस ज्योतिर्लिंग में भगवान शिव और माता पार्वती की संयुक्त रूप से दिव्य ज्योतियां विद्यमान हैं। मध्य प्रदेश के उज्जैन में महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग है। यह एकमात्र दक्षिणमुखी ज्योतिर्लिंग है। यहां प्रतिदिन चिता की भस्म से महादेव का श्रंगार होता है तथा आरती होती है। यह आरती विश्वभर में प्रसिद्ध है, क्योंकि यह जलती चिता की भस्म से की जाती है। मध्य प्रदेश के खंडवा जिले मंय ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग है। यह नर्मदा नदी के मध्य मन्धाता अथवा शिवपुरी नामक द्वीप पर स्थित है।यहां ॐ का आकार बनता है। इसलिए इसे ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग कहा जाता है। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में हिमालय की केदार नामक चोटी पर केदारनाथ ज्योतिर्लिंग है। कहा जाता है कि इसका निर्माण पांडवों ने करवाया था। महाराष्ट्र के पुणे जिले में सह्याद्रि नामक पर्वत पर भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग है। यहां से भीमा नदी निकलती है। यहां का शिवलिंग बहुत मोटा है। इसलिए इसे मोटेश्वर महादेव भी कहा जाता है।

उत्तर प्रदेश के वाराणसी में बाबा विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग है। मान्यता है कि यह मंदिर शिव और पार्वती का आदि स्थान है। महाराष्ट्र के नासिक जिले के ग्राम त्रयंबक में त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग है। इसके समीप ब्रह्मागिरि नामक पर्वत है, जो गोदावरी नदी का उद्गम स्थल है। यहां त्रिदेव अर्थात ब्रह्मा, विष्णुप एवं महेश विराजमान हैं, जो इसकी सबसे बड़ी विशेषता है। अन्यष सभी ज्यो तिलिंगों में केवल भगवान शिव ही विराजमान हैं। झारखंड के संथाल परगना में वैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग है। शिव का एक नाम वैद्यनाथ भी है, इसलिए इसे वैद्यनाथ धाम भी कहा जाता है। पुराणों में शिव के इस धाम को चिताभूमि का नाम दिया गया है। गुजरात के बड़ौदा क्षेत्र में नागेश्वर ज्योतिर्लिंग है। नागेश्वर का अर्थ है नागों का ईश्वर तथा शिव को नागों का देवता माना जाता है। तमिलनाडु के रामनाथम नामक स्थान पर रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग है। इसे सेतुबंध तीर्थ भी कहा जाता है। मान्यता है कि लंका पर चढ़ाई करने से पूर्व श्रीराम ने इसकी स्थापना की थी। इसलिए इसे रामेश्वरम कहा जाता है। महाराष्ट्र के दौलताबाद के समीप घुश्मेश्वर ज्योतिर्लिंग है। इस स्थान को शिवालय भी कहा जाता है। इस मंदिर का निर्माण अहिल्याबाई होल्कर ने करवाया था। हिन्दू धर्म में चार धामों की यात्रा को भी अत्यंत पुण्यदायक माना जाता है। इनमें उत्तराखंड का बद्रीनाथ धाम, गुजरात का द्वारका धाम, ओडिशा का जगन्नाथ पुरी तथा तमिलनाडु का रामेश्वरम धाम सम्मिलित है। मान्यता है कि इन चार धामों की यात्रा करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में एक बार अवश्य इन चार धामों की यात्रा कर पुण्य प्राप्त करना चाहिए।

पर्यटन की वैश्विक स्थितिः वैश्विक रूप से पर्यटन की बात करें, तो यह एक बड़ा क्षेत्र है। एक रिपोर्ट के अनुसार पर्यटन का सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 11 प्रतिशत का योगदान है। भारत में पर्यटन का सकल घरेलू उत्पाद में 6.7 प्रतिशत का योगदान है। भारत की स्थिति के दृष्टिगत यह बहुत कम योगदान है। चीन में यह योगदान 8.6 प्रतिशत, श्रीलंका में 8.8 प्रतिशत, इंडोनेशिया में 9.2 प्रतिशत, मलेशिया में 12.9 प्रतिशत तथा थाइलैंड में 13.9 प्रतिशत है। एक रिपोर्ट के अनुसार प्रथम पंचवर्षीय योजना के समय देश में केवल 17 हजार विदेशी पर्यटक आए थे। यह पर्यटन को प्रोत्साहित करने का परिणाम है कि वर्ष 2017 में देश में लगभग 77 लाख विदेशी पर्यटक भारत भ्रमण के लिए आए। अब देश में प्रतिवर्ष लगभग 77 विदेशी पर्यटक आते हैं। केंद्र की मोदी सरकार इस ओर ध्यान दे रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अनुसार आज पर्यटन विश्व के अनेक देशों में एक आकर्षक उद्योग के रूप में रोजगार का बहुत बड़ा माध्यम बना हुआ है। विश्व में अनेक देश हैं, जिनकी पूरी अर्थव्यवस्था केवल और केवल पर्यटकों के भरोसे चल रही है। भारत के कोने-कोने में पर्यटन की शक्ति अपार है, बहुत सामर्थ्य पड़ा हुआ है, हमें इसे बढ़ाने की आवश्यकता है। आज यह समय की मांग है कि भारत अपनी विरासत को अधिक से अधिक और तेजी के साथ संरक्षित करे, वहां आधुनिक सुविधाएं बढ़ाए। हम यह पूरे देश में देख रहे हैं कि बीते वर्षों में जिन भी तीर्थ स्थलों को आधुनिक सुविधाओं से जोड़ा गया, वहां यात्रियों, पर्यटकों की संख्या अनेक गुना बढ़ गई है। इसका सीधा लाभ स्थानीय लोगों तथा वहां समीपवर्ती क्षेत्र के लोगों को हो रहा है। उल्लेखनीय है कि भारत के तीर्थ स्थलों पर आने वाले पर्यटकों को दोहरा लाभ होता है, क्योंकि लगभग सभी तीर्थ ऐसे स्थानों पर हैं, जहां का प्राकृतिक सौन्दर्य देखते ही बनता है। भारत के उत्तर पूर्व में हिमालय पर्वत है। बर्फ से आच्छादित पर्वत सौन्दर्य का अद्भुत खजाना हैं। हिमालय के अतिरिक देश में अनेक पर्वत श्रृंखलाएं हैं, जिनमें अगस्त्यमलाई पहाड़ी, अनामलाई पहाड़ी, अरावली पर्वतमाला, बैलाडिला पहाड़ियां, कैमोर पहाड़ी, धौलाधार श्रेणी, पूर्वी घाट, गढ़जात रेंज, कार्बी, आंगलोंग पठार, गारो पहाड़ियां, जयंतिया पहाड़ियां, काराकोरम श्रृंखला तथा खासी पर्वतमाला आदि सम्मिलित हैं।

खिलाड़ियों के चयन में भ्रष्टाचार ले डूबा भारतीय हॉकी को

सबको उम्मीद थी कि 1975 के बाद भारत फिर से हॉकी वर्ल्ड कप को जीतने में कामयाब हो जाएगा। पर यह हो न सका। ओडिशा में खेले जा रहे हॉकी वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड ने पेनाल्टी शूट आउट में भारत को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली और भारत खिताबी दौड़ से बाहर हो गया। दरअसल टोक्यो ओलंपिक खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम से आशा की किरण इसलिए नजर आ रही थी, क्योंकि उसका पिछले ओलंपिक खेलों में सराहनीय प्रदर्शन रहा था। कहना होगा कि भारत की महिला और पुरुष हॉकी टीमों ने टोक्यों ओलंपिक खेलों में बेहतर प्रदर्शन किया था। भारत के हॉकी प्रेमियों को एक लंबे अंतराल के बाद इतना शानदार प्रदर्शन देखने को मिला था अपने खिलाड़ियों से। पर चालू वर्ल्ड कप में हमारी हॉकी टीम का खेल बेहद औसत दर्जे का रहा। यह समझ में नहीं आता कि किस आधार पर और किस समय से ओलम्पिक में कांस्य पदक जितने वाले टीम से पांच-छह खिलाड़ियों को टीम से बाहर कर दिया गया?

आर. के. सिन्हा
लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तभकार और पूर्व सांसद हैं

पिछले रविवार को देश के करोड़ों हॉकी चाहने वालों का सपना तार-तार हो गया। सबको उम्मीद थी कि 1975 के बाद भारत फिर से हॉकी वर्ल्ड कप को जीतने में कामयाब हो जाएगा। पर यह हो न सका। ओडिशा में खेले जा रहे हॉकी वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड ने पेनाल्टी शूट आउट में भारत को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली और भारत खिताबी दौड़ से बाहर हो गया। दरअसल टोक्यो ओलंपिक खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम से आशा की किरण इसलिए नजर आ रही थी, क्योंकि उसका पिछले ओलंपिक खेलों में सराहनीय प्रदर्शन रहा था। कहना होगा कि भारत की महिला और पुरुष हॉकी टीमों ने टोक्यों ओलंपिक खेलों में बेहतर प्रदर्शन किया था। भारत के हॉकी प्रेमियों को एक लंबे अंतराल के बाद इतना शानदार प्रदर्शन देखने को मिला था अपने खिलाड़ियों से। पर चालू वर्ल्ड कप में हमारी हॉकी टीम का खेल बेहद औसत दर्जे का रहा। यह समझ में नहीं आता कि किस आधार पर और किस समय से ओलम्पिक में कांस्य पदक जितने वाले टीम से पांच-छह खिलाड़ियों को टीम से बाहर कर दिया गया? कहीं इसमें भ्रष्टाचार का प्रदर्शन तो नहीं हुआ? अगर नहीं तो ओलंपिक जीतने वाली टीम के लगभग आधे खिलाड़ियों को बाहर करने की वजह क्या थी। इस वर्ल्ड कप के शुरू होने से पहले 1975 में अंतिम बार वर्ल्ड चैंपियन बनी भारतीय टीम के गोल कीपर अशोक दीवान ने राउरकेला रवाना होने से पहले कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि हम चैंपियन बनेंगे। उनके साथ दादा ध्यानचंद के पुत्र और 1975 के वर्ल्ड कप के फाइनल मैच में पाकिस्तान पर विजयी गोल दागने वाले अशोक कुमार भी थे। पर उम्मीदें और प्रार्थनाएं काम नहीं आईं। काम कैसे आतीं। हमने कतई स्तरीय खेल नहीं खेला।

एक बात तो कहनी होगी कि भारत जब हॉकी में ओलंपिक या विश्व चैम्पियन हुआ करता था तब भारत के पास विदेशी टीमों के मुकाबले अच्छी सुख सुविधाएं बहुत कम हुआ करती थीं। हमारे पास सीमित साधन थे लेकिन खिलाड़ियों की कला दमखम और जज्बा आला हुआ करता था, आज ग्लैमर, पैसा, सबकुछ होते हुये भी हमारे खिलाड़ियों में जीत का जज्बे ओर टेक्निक की कमी है। चालू वर्ल्ड कप में हमारी हॉकी टीम ने कोई उल्लेखनीय प्रदर्शन नहीं किया। यकीन मानिए कि वेल्स के खिलाफ लचर प्रदर्शन से ही भारतीय हॉकी प्रेमियों में निराशा छा गई थी। भारतीय टीम जैसे-तैसे प्री क्वार्टर फाइनल में आ गई। प्री-क्वार्टर फाइल मैच में अच्छी खासी बढ़त के बावजूद हम हार गए। हमारा खेल बेहद सुस्त और रक्षात्मक रहा। कप्तान हरमनप्रीत सिंह का नेतृत्व भी दोयम दर्जे का ही रहा। न अग्रिम पंक्ति में कोई सामंजस्य और न रक्षापंक्ति में कोई तालमेल। सब बस खानापूर्ति करने और टाइम बर्बाद करने के लिए ही खेल रहे थे हमारे खिलाड़ी। न्यूजीलैंड हम से बेहतर खेली और इसीलिये जीती। दुख होता है जब बरसों बाद हॉकी को ऊपर उठाने की कोशिश करने वालों को मायूस होना पड़ता है।

काश, हमारी टीम ने मलेशिया में 1975 में खेली गई विश्व कप हॉकी चैंपियनशिप के सेमी फाइनल तथा फाइनल मैचों की टीवी रिकार्डिंग को ही देख लिया होता। दादा ध्यानचंद के सुपुत्र अशोक कुमार ने ही 15 मार्च 1975 को पाकिस्तान के खिलाफ लाजवाब फील्ड गोल दागकर विजय दिलवाई थी। उस गोल को भारत के लाखों हॉकी प्रेमी अब भी याद करते हैं। पहला गोल सुरजीत सिंह ने किया था। अशोक कुमार 1971 और 1973 के विश्व कप में भाग लेने वाली भारतीय टीमों में भी थे। भारत का दोनों दफा बेहतरीन प्रदर्शन रहा था। भारत को 1971 में कांस्य और 1973 में चांदी का पदक जीतने में सफलता मिली थी। पर देश निराश था क्योंकि सबको स्वर्ण पदक की उम्मीद थी। एक बार अशोक कुमार बता रहे थे कि जब भारतीय टीम 1975 का वर्ल्ड कप खेलने मलेशिया पहुंची तो वहां पर बसे हुए हजारों भारतवंशी हमें अभ्यास करते हुए देखने के लिए आते थे। वे सब हमें चीयर कर रहे थे। तब सारी टीम हर हालत में चैंपियन बनने का संकल्प लेकर ही गई थी। भारत ने विश्व कप जीतकर सारी दुनिया में तहलका मच दिया था। भारत ने एक तरह से उन ज्ञानियों को गलत साबित करा था जिन्होंने भविष्यवाणी कर दी थी कि हम कभी विश्व विजेता बन ही नहीं सकते। क्या हमारी इस टीम में इस बार भी वर्ल्ड कप जीतने का जज्बा था? भारतीय टीम के वर्ल्ड कप के सभी मैचों के प्रदर्शन को देखकर साफ लग रहा था कि इस टीम ने 1975 की टीम के खिलाड़ियों से कुछ नहीं सीखा। इनमें जीतने के लिए जरूरी दमखम ही नहीं था। 1975 की विश्व विजयी टीम में फुल बैक असलम शेर खान भी थे। विरोधी टीम की आक्रामक पंक्ति के लिए गठीले बदन वाले असलम को छका कर के आगे बढ़ना लगभग असंभव था। उन्होंने सेमी फाइनल मैच में मेजबान मलेशिया के खिलाफ मैच के अंतिम पलों में बराबरी का गोल किया था। भारत 1-2 से मैच में पिछड़ रहा था। तब भारत को एक पेनल्टी कॉनर्र मिला। कुआलालंपुर के मडेर्का स्टेडियम में हजारों भारतवंशी ईश्वर से प्रार्थना कर रहे थे कि भारत मैच में किसी तरह से बराबरी कर ले। उस मैच की आकाशवाणी से कमेंट्री कर रहे थे जसदेव सिंह। वे बताते थे कि जब भारत को पेनल्टी शॉट मिला। गोविंदा के शॉट को अजीतपाल ने रोका और फिर रहा अयूब शॉट असलम शेर खान का। उनके शॉट को मलेशिया के खिलाड़ी रोकने में असफल रहे। भारत ने बराबरी करने के बाद एक और गोल करके मैच जीता और फाइनल में प्रवेश किया।

मुझे कभी-कभी लगता है कि खेलों में पैसे की बरसात ने खेलों की पहली वाली पवित्रता को खत्म कर दिया है। पहले खिलाड़ी देश के सम्मान के लिए जीतने के लिए जान लगा दिया करते थे। दादा ध्यानचंद के परिवार वालों के पास उनका अंतिम दिनों में श्रेष्ठ इलाज करवाने तक के लिए पैसा नहीं था। तब राजधानी के शिवाजी स्टेडियम में एक बेनिफिट हॉकी मैच हुआ था। पर उसी दौरान उनका एम्स में निधन हो गया था। इस तरह की न जाने कितनी कहानियां यहां-वहां बिखरी पड़ी हुईं हैं। कुल मिलाकर बात यह है कि जीत जज्बे से होती है। उसका हमारे खिलाड़ियों में इसका अभाव था। जज्बे का जुनून फूंकते हैं कोच और पदाधिकारी वे या तो व्यस्त थे या मस्त थे।

घर का सपना पूरा करेगी शिवराज सरकार

निलय श्रीवास्तव

यह बदलाव का दौर है। मध्यप्रदेश के कमजोर तबके के लोगों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए सरकार अनेक कार्यक्रम बनाकर उन्हें मूर्तरुप दे रही है। उद्देश्य साफ है कि यह ऐसी श्रृंखला है जिससे मध्यप्रदेश के हर वर्ग का प्रत्येक व्यक्ति समृद्धशाली तथा आत्मनिर्भर बन सके। सभी जानते हैं कि एक बड़ा तबका ऐसा है जिसके पास खुद का मकान नहीं है और वह खुले आसमान के नीचे जीवन बसर करने को विवश रहता है। गरीब तबके की इस परेशानी को मध्यप्रदेश सरकार ने भलिभांति समझा और प्रदेश के मुखिया जरूरतमंदो को छत दिलाने के प्रयास में जुट गए। उनके प्रयासों का ही सुखद परिणाम यह निकला कि मिशन की शुरूआत भोपाल के समीप नीलबढ़ क्षेत्र से हो गयी। वहाँ कब्जाधारियों से 23 हजार एकड़ जमीन मुक्त करवाकर गरीबों के लिए मकान बनाकर देने की बात सामने आयी। नीलबढ़ की तरह प्रदेश के अन्य स्थानों पर ऐसे अभियान चलाये जाने की आज नितांत आवश्यकता है। विगत 4 जनवरी को मध्यप्रदेश के टीकमगढ़ जिले में एक और पहल हुई जब सरकार ने 10 हजार 918 जरूरतमंद लोगों को 129 करोड़ 37 लाख रूपयों के भूखण्डों पर प्रधानमंत्री आवास योजना और मुख्यमंत्री जन आवास योजना के अंतर्गत पक्के मकान बनाकर देने की बात कही। यह मध्यप्रदेश सरकार की संवेदनशीलता है। मध्यप्रदेश की आबादी का एक बड़ा हिस्सा प्रधानमंत्री आवास जैसी योजनाओं के कारण खुली छत से मुक्त तो हो गया है लेकिन अभी भी ऐसे लोगों की संख्या बहुतायत है जिन्हें सिर पर छत नसीब नहीं है। प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ देश भर को मिल रहा है। यह योजना पूरे देश में लोकप्रिय हो गयी है। स्मरण रहे कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आव्हान पर पूर्व में भी अनेक जनकल्याणकारी कार्यक्रम चलाकर जनहित में उल्लेखनीय कार्य किये गए हैं। मानव कल्याण को सर्वोपरि मानकर सभी वर्गों को एक दृष्टि से देखकर लिये गए हर एक फैसले देश में खुशहाल माहौल निर्मित करते हैं। देश में कई ऐसे लोग हैं जो आज के समय में भी झुग्गीझोपड़ियों में रहकर अपना जीवनयापन कर रहे हैं। उन लोगों की आर्थिक स्थिति खराब होने की वजह से उन्हें मजबूरन अपनी जिदंगी सड़कों के किनारे काटनी पड़ती है। इन सभी लोगों के पास पैसे न हो पाने की वजह से ये अपना घर बनाने में सक्षम नहीं हो पाते। ऐसे लोगों के लिए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 25 जून 2015 को प्रधानमंत्री आवास योजना की शुरूआत की गई थी। योजना के तहत गांव और शहरों के क्षेत्रों में जो गरीब लोग कच्चे मकान में अपना गुजारा कर रहे हैं ऐसे नागरिकों को पक्के मकान उपलब्ध कराने की दृष्टि से सरकार ने यह योजना चलाई है।

प्रधानमंत्री आवास योजना या हाउसिंग फॉर आल योजना सेंट्रल गवर्नमेंट द्वारा चलाई जाने वाली योजना हैं। इस योजना का उद्देश्य भारत में गरीब व्यक्ति को अपना स्वयं का पक्का घर उपलब्ध कराना है। यह हमारी केंद्र सरकार द्वारा चलाई जाने वाली एक ऐसी योजना है जिसे साल 2015 में लांच किया गया था और इसका आगामी उद्देश्य साल 2023 तक भारत में विभिन्न शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 2 करोड़ से अधिक पक्के घर उपलब्ध करवाना है। इस योजना का पहला भाग पिछले वर्ष 2017 में समाप्त हो चुका है और इसका दूसरा भाग शुरू हो चुका है। प्रशासन द्वारा इस योजना को दो भागों में विभाजित किया गया है जिनके नाम क्रमशः प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण और प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी है।

संक्षिप्त खबरें

दैनिक रेलयात्री समिति ने धूमधाम से मनाया 74वां गणतंत्र दिवस

अमरोहा। दैनिक रेलयात्री समिति ने 74वां गणतंत्र दिवस बड़े ही धूमधाम से अमरोहा रेलवे स्टेशन परिसर में मनाया।इस मौके पर एक स्टाल लगाकर आने जाने वाले यात्रियों को निशुल्क चाय पिलाई।जिसकी यात्रियों ने सराहना की।वहीं स्टेशन अधीक्षक और जीआरपी और आरपीएफ कर्मियों ने इस कदम के लिए समिति अध्यक्ष की पीठ थपथपाई।दरअसल, गुरूवार को गणतंत्र दिवस के विशेष मौके पर अमरोहा दैनिक रेलयात्री समिति के अध्यक्ष अभिषेक शर्मा के नेतृत्व में समिति पदाधिकारी और सदस्य अमरोहा रेलवे स्टेशन पर एकत्रित हुए।जहां प्रस्तावित कार्यक्रम निशुल्क चाय वितरण के तहत सुबह 7 बजे से आने जाने वाले रेलयात्रियों को चाय पिलाई।तत्पश्चात समिति पदाधिकारियों ने रेलवे कर्मचारियों संग ध्वजारोण कार्यक्रम में भाग लिया। ध्वजारोहण के उपरांत जीआरपी,आरपीएफ कर्मियों और रेलवे स्टाफ ने चाय का आनंद लिया। समिति के इस कदम के लिए स्टेशन अधीक्षक देवेन्द्र कुमार ने समिति अध्यक्ष समेत टीम की प्रशंसा की।उधर रेलयात्रियों ने भी चाय पीकर भूरि-भूरि प्रशंसा की।इस दौरान अभिषेक शर्मा,समर अब्बास, मुजाहिद अली, हैदर अली,होशियार सिंह, नाजिम,आलम,अजमल,देवेश शर्मा,वसीम,अभिनव सक्सेना, यश माहेश्वरी आदि मौजूद रहे।

मदरसों में मना गया गणतंत्र दिवस,शान से फहराया राष्ट्र ध्वज

स्योहारा। 74 वें यौमे जम्हूरियत (गणतंत्र दिवस) के मौकेह्लमदरसा इस्लामिया अरबिया फैज-ए-आम शाहीह्ल में बड़ी शान के साथ फहराया गया मुल्क का तिरंगा झंडा।पिछले कई सालों की तरह इस साल भी यौमे जम्हूरियत (गणतन्त्र दिवस-26 जनवरी) के मौके पर ह्लमदरसा इस्लामिया अरबिया फैज-ए-आम शाहीह्ल की इंतजामिया कमेटी,मदरसे के तलबाओ और उस्तादों ने मदरसे में बड़ी शान के साथ अपने मुल्क का तिरंगा झंडा फहराया और कौमी तराना गाया और बहुत खुशी व उमंग के साथ प्रोग्राम किया।इस मौके पर मदरसे के सदर हाजी मौहम्मद इलियास ने मौजूद तलबाओ,मदररिसो, और मौअजीज हजरात को खिताब करते हुए कहा की हमारे मुल्क की आजादी के बाद 26 जनवरी 1950 को हमारे मुल्क का आईन कायम किया गया। हमारे आईन(संविधान) में मुल्क में रहने वाली आवाम को बराबर इज्जत दी गई और सभी को हकूक दिये गए हैं।हमे अपने आईन में हमेशा दिल से यकीन रखना चाहिए। हमें अपने मुल्क की भलाई और तरक्की के लिए अच्छे काम करने चाहिए जिससे हमारा मुल्क मजबूत हो और हमें दुआ करनी चाहिए कि हमारे मुल्क में अमनो अमान कायम रहे। इस मौके पर मौहम्मद शाकिर पूर्व इंस्पेक्टर , कारी मौहम्मद जाकिर,अनीस मंसूरी,हाजी मौहम्मद हसन उर्फ मुन्ने,डॉक्टर नाजिम अली,आदि मौजूद रहे। प्रोग्राम की निजामत कारी शाहिद अली ने की।

मदरसा बाबुल इल्म में हर्षोउल्लास से मनाया गया गणतन्त्र दिवस

नौगावां सादात। नगर में स्थित मदरसा बाबुल इल्म में देश का 74वाँ गणतंत्र दिवस हर्षोउल्लास से मनाया गया।साथ ही देशभक्ति, सांस्कृतिक आदि कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जहां एक तरफ सरकारी स्कूलों, बिल्डिंग और कार्यालयों में झंडा फहराया जा रहा है तो वहीं मुस्लिम समाज ने भी गणतंत्र दिवस बड़ी जोर शोर के साथ मना रहा है।यहां नगर के मदरसों में गणतंत्र दिवस के मौके पर झंडा फहराया गया।साथ ही मदरसे के सभी बच्चों को इकट्ठा कर मदरसे में झंडे को सलामी दी गई। इस दौरान देश को आजाद कराने में शहीदों के बलिदान को याद कर भारत कैसे आजाद हुआ इस पर विस्तार से चर्चा की गई।इस अवसर पर मुख्य अतिथि उपजिलाधिकारी सुधीर कुमार और थाना प्रभारी संत कुमर उपस्थित रहे।इस शुभ अवसर पर प्रधानाचार्य मौलाना मसरूर अब्बास ने बच्चो को गणतन्त्र दिवस के बारे मे बताया और अपने देश के प्रति वफादार रहने और हर वक्त अपनी जान अपने देश पर कुर्बान करने के लिए तैयार रहने के लिए कहा।इस अवसर पर उपजिलाधिकारी ने कहा कि मुझे बहुत खुशी हुई मदरसे में आकर हमे अपने देश के प्रति समर्पित रहना चाहिए इस मौके पर मदरसे के छात्र व छात्राओं ने देशभक्ति गीत व भाषण व अन्य कार्यक्रम प्रस्तुत किये।इस अवसर पर नवाजिश अब्बास, मास्टर अली हैदर, हुसैन अब्बास, शाह रजा शाही, नूर अब्बास राना, शिबाल हैदर, डा0 समर रजा, मौलाना सरदार हसन, मेहर अब्बास और मदरसे के सभी अध्यापकगण आदि और अन्य लोगो ने उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

श्री वेंकटेश्वरा में 74 वें गणतंत्र दिवस पर रही सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम

- ध्वजारोहण, प्रभात फेरी, सरस्वती पूजन एवं देशभक्ति से ओत-प्रोत एक दर्जन से अधिक कार्यक्रम हुए आयोजित
- सौ फीट ऊँचा तिरंगा फहराकर, सफेद कबूतर उड़ाकर एवं तिरंगे के तीनों रंग वाले एक हजार गुब्बारे हवा में उड़ाकर दिया राष्ट्रीय एकता,अखण्डता एवं शान्ति का संदेश
- संविधान में निहित स्वतंत्रता का अधिकार, समानता का अधिकार, शिक्षा का अधिकार समेत अन्य शक्तिशाली मौलिक अधिकारों के दम पर भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश- डॉ0 सुधीर गिरि
- शिक्षा का अधिकार जैसे मजबूत संवैधानिक अधिकार के कारण ही आज एक गरीब व्यक्ति का बच्चा भी देश के महंगे निजी स्कूल में मुफ्त शिक्षा पा सकता है: डॉ0 राजीव त्यागी

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा/गजरौला। राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय/संस्थान में देश के 74वें गणतंत्र दिवस को बहुत धूमधाम से मनाया। इसके साथ ही भारत माँ की पूजा के साथ-2 बसन्त पंचमी का संयोग होने के कारण विद्या की देवी माँ सरस्वती की भी विधिवत पूजा अर्चना की गयी। ध्वजारोहण, प्रभात फेरी एवं देश भक्ति से ओत-प्रोत एक दर्जन से अधिक सांसकृतिक आयोजनो के साथ हवा में तिरंगे के गुब्बारे एवं सफेद कबूतर उड़ाकर भारतीय एकता अखण्डता व शान्ति का सन्देश दिया।बृहस्पतिवार को श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय/संस्थान में ध्यानचन्द्र खेल परिसर के तिरंगा मैदान में 74वें गणतंत्र दिवस पर आयोजित समारोह का शुभारम्भ समूह चेयरमैन डॉ0 सुधीर गिरि, प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी, सी0ई0ओ0 अजय श्रीवास्तव, प्रभारी कुलपति डॉ0 राकेश यादव, कुलसचिव डॉ0 पीयूष पाण्डेय आदि ने सरस्वती माँ/भारत माँ की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित एवं ध्वजारोहण करके किया।अपने सम्बोधन में समूह चेयरमैन डॉ0 सुधीर गिरि ने कहा कि देश सेवा सिर्फ बार्डर पर लड़ाई लड़ने का नाम नहीं है। हम सब सिविल नागरिक अपने-अपने क्षेत्रो में ईमानदारी से भ्रष्ट्राचार मुक्त भारत के निर्माण में अपना योगदान दे, ये भी सच्ची देश सेवा मानी जायेगी। इस अवसर पर नर्सिंग/एप्लाईड साईंसेस, फामेर्सी के छात्र-छात्राओ ने देशभक्ति से ओत-प्रोत विभिन्न गीतो पर समूह नृत्य से सभी तालिया बजाने को मजबूर कर दिया। समारोह को प्रभारी कुलपति डॉ0 राकेश यादव, कुलसचिव डॉ0 पीयूष पाण्डेय आदि ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर मेरठ परिसर निदेशक डॉ0 प्रताप, डॉ0 राकेश सिंह, डॉ0 सी0पी0 कुशवाह, डॉ0 एम0ए0 चौधरी, नसीम अहमद, डॉ0 विपिन, डॉ0 योगेश्वर शर्मा, डॉ0 एस0एन0 साहू, डॉ0 राजवर्द्धन सिंह, वर्षा यादव, दीपिका, प्रियंका, डॉ0 विवेक सचान, एस0एस0 बघेल, गुरूदयाल सिंह कटियार, देवप्रताप सिंह, ब्रजपाल सिंह, दीपक कुमार, अरूण गोस्वामी, सचिन, प्रीतपाल एवं मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग रहे। कार्यक्रम का शानदार संचालन डॉ0 नेहा जैन एवं रिंकी शर्मा ने किया।

पालिका में अधिशासी अधिकारी गार्गी कुमार ने किया ध्वजारोहण

प्रात : किरण संवाददाता

गजरौला। 74वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर नगर पालिका परिषद अधिशासी अधिकारी श्रीमती गार्गी कुमारी द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराकर राष्ट्रगान गाया गया। इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी श्रीमती गार्गी कुमारी ने कर्मचारियों को गणतंत्र दिवस का महत्व समझाया गया तथा उनके द्वारा दस होनहार कर्मचारियों को स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत प्रशस्ति पत्र वितरित किया गया। इस अवसर पर स्वच्छता प्रभारी लेखाकार आदेश कुमार, वरिष्ठ लिपिक चमन सिंह, विद्युत प्रभारी वेद प्रकाश सिंह, जलकल प्रभारी ललित कुमार, सफाई प्रभारी अजय कुमार, इरशाद अली, रविंद्र सिंह, अक्षय शुक्ला, कपिल कुमार, गजेंद्र सिंह, खेम पाल सिंह, नदीम अहमद आदि मौजूद रहे।

बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के वाइस चेयरमैन के विशेष प्रतिनिधि नियुक्त हुए डॉ.रविंद्र शुक्ला

अधिवक्ताओं का उत्पीड़न नहीं किया जाएगा बर्दाश्त: डॉ.रविंद्र शुक्ला

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा/गजरौला। बार काउंसिल उत्तर प्रदेश के वाइस चेयरमैन माननीय जय नारायण पांडे जी द्वारा जनपद अमरोहा के अधिवक्ता डॉ. रविंद्र शुक्ला एडवोकेट को कर्मठ और अधिवक्ता हितों के लिए सदैव संघर्षशील ,अग्रसर भूमिका निभाने के कारण विशेष प्रतिनिधि नियुक्त किया है।प्रेस वार्ता के दौरान श्री शुक्ला ने बताया कि अधिवक्ता हितों के लिए जमीनी स्तर से लेकर विधानसभा,संसद एवं बार काउंसिल उत्तर प्रदेश तक लगातार संघर्ष किया जाता रहेगा श्री शुक्ला ने कहा कि वह युवा अधिवक्ताओं एवं अधिवक्ता हितों के लिए सदैव अग्रसर रहते हैं

तथा अग्रणी भूमिका निभाते हुए गंभीर मुद्दों को उठाते रहते हैं श्री शुक्ला ने कहा कि बार काउंसिल उत्तर प्रदेश के वाइस चेयरमैन माननीय जय नारायण पांडे जी द्वारा विशेष प्रतिनिधि नियुक्त करने पर जहां एक तरफ वाइस चेयरमैन महोदय को धन्यवाद दिया है साथ ही यह भरोसा जताया है

कि अधिवक्ताओं का उत्पीड़न किसी भी कीमत पर होने नहीं देंगे तथा अधिवक्ता एवं अधिवक्ता परिवार जनों के लिए लगातार कड़ा संघर्ष किया जाएगा किसी भी कीमत पर बाहुबली, दबंगों ,माफियाओं ,भूमाफियाओं, अपराधियों और अपराधियों के संरक्षण दाता भ्रष्ट नेताओं द्वारा किसी भी कीमत पर अधिवक्ता का उत्पीड़न नहीं होने दिया जाएगा सड़क से लेकर विधानसभा ,संसद तक लड़ाइयां लड़ी जाएंगी और शीघ्र ही एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट के लिए संघर्ष किया जाएगा जिससे अधिवक्ता हितों के लिए जमीन स्तर पर लगातार कार्य किया जा सके साथ ही श्री शुक्ला ने कहा कि वाइस चेयरमैन महोदय ने यह भी भरोसा जताया है

कि अधिवक्ताओं का उत्पीड़न थाने एवं पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और अधिवक्ता उत्पीड़न होने पर लगातार कड़ा विरोध,धरना प्रदर्शन,आंदोलन और अधिवक्ताओं का उत्पीड़न करने वाले भ्रष्ट पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों के खिलाफ सड़क से विधानसभा तक और बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश तक लड़ाई लड़ी जाएगी यदि हमारे अधिवक्ताओं का उत्पीड़न होगा तो हम वरिष्ठ स्तर के पुलिस अधिकारियों के खिलाफ आंदोलन करेंगे।

लेकिन अधिवक्ताओं का उत्पीड़न किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मैस्को पब्लिक स्कूल में 74वें गणतंत्र दिवस पर किया अमर शहीदों को नमन

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। मैस्को पब्लिक स्कूल में 74वा गणतंत्र दिवस का आयोजन किया गया।इस अवसर पर विद्यालय प्रांगण में वीर अमर स्वतंत्रता सेनानियों को नमन कर उनके बलिदानों को याद करते हुए मुख्य अतिथि प्रबंधक डॉङ्क अशहर तौसीफ के कर कमलों द्वारा ध्वजा रोहण किया गयाकउन्होंने सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाये देते हुए कहा की इसी दिन पूरे देश में संविधान लागू किया गया है।26 जनवरी, 1950 को संविधान लागू होने के साथ ही भारत को पूर्ण गणराज्य घोषित किया गया था।हर साल गणतंत्र दिवस मनाना हम भारतीयों और दूसरे देश में रहने वाले भारतीय लोगों के लियें बहुत सम्मान की बात है। यह दिन सभी भारतीयों लोगो के लिए बहुत ही महत्त्वपूर्ण होता है।यह पर्व देशभक्तों के त्याग,तपस्या और बलिदान की अमर गाथा समेटे हुए है विद्यालय के चेयरमैन कमाल फारुकी ने अपने जूम पर विडियो सन्देश में सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाये देते हुए कहा आज के दिन के महत्त्व को समझना बहुत ही आवयश्क है।कि गणतंत्र दिवस का हमारे जीवन में क्या मूल्य और महत्त्व है।भारत के बलिदानी वीर सपूतों के बलिदान को हम कभी नही भुला सकते।उन्ही के कारण आज हम अपने देश में स्वतंत्र हैं।इस अवसर पर विद्यालय के छात्र /छात्राओं द्वारा अनेक रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये गए जैसे भाषण,कविता वाचन,नृत्य ,नाटक देशभक्ति गीत आदि जिससे समस्त समारोह देशभक्ति के रंग में डूबा नजर आया।कार्यक्रम का कार्यभार,अध्यापिका मेरुननिसा,जेबा नूर,निधि छाबरा,हुमा रिजवी ० मोहम्मद शादाब,मयंक कुमार ने संभाला।अंत में विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती पूजा बुट्टन ने सभी को गणतंत्र दिवस की बधाई देते हुए कहा कि हम लोग भाग्यशाली हैं कि हमे हमारे पूर्वजों ने शान्ति व प्रसन्नता की धरती दी है।जहाँ हम पूरी निडरता के साथ रह सकते है।देश के जिम्मेदार नागरिक होने के नाते हमे अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए।इस अवसर पर शाहबाज हैदर,असद रजा,अशरफ अली व शेह्जर तनवीर आदि व स्कूल का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

प्रधानमंत्री के "परीक्षा पे चर्चा" कार्यक्रम में श्री वेंक्टेश्वरा की शानदार पहल

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा/गजरौला। राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय/संस्थान एवं "द आर्यन स्कूल" के सँयुक्त तत्वाधान में आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के बोर्ड परीक्षार्थियों के मन से परीक्षा के डर निकालकर उनको सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए प्रेरित करने के लिए आयोजित कार्यक्रम "परीक्षा पे चर्चा" का शानदार आयोजन किया गया। जिसमें 12वीं के 1500 से अधिक परीक्षार्थियों ने हिस्सा लिया। वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति एवं राष्ट्रीय प्रेरक वक्ता डॉ0 राजीव त्यागी ने "परीक्षा पे चर्चा" कार्यक्रम से पहले बोर्ड परीक्षार्थियों को परीक्षा में सफलता के टिप्स देकर उनका उत्साहवर्धन किया।

द आर्यन स्कूल के सरदार पटेल ओपन सभागार में आयोजित परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्यवक्ता एवं वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी, जिला पंचायत अध्यश ललित तंवर, विधायक महेन्द्र खड़गवंशी, राज्यमंत्री ओमप्रकाश गोला, जिलाध्यश ऋषिपाल नागर, अभिनव कौशिक, शुभम चौधरी एवं स्कूल चेयरमैन अमन लिट आदि ने माँ सरस्वती की प्रतिमा के सन्मुख दीप प्रज्जवलित करके किया। अपने सम्बोधन में मुख्य वक्ता डॉ0 राजीव त्यागी ने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के "सिक्स एस" (सेल्फ कान्फिडेन्स, सेल्फ टाईम मेनेजमैन्ट, सेल्फ यूनिकनेस, सेल्फ एटीट्यूड, सेल्फ आईडेन्टीटी एवं सेल्फ अपग्रेडेशन) ना केवल बोर्ड परीक्षा, बल्कि जीवन की हर परीक्षा में सफलता के मूलमंत्र है। आज पूरा विश्व आशा भरी नजरो से भारत की ओर देख रहा है। जो युवा शक्ति के दम पर फिर से विश्वगुरू बनने की राह पर चल पड़ा हैं। इस अवसर पर स्कूल चेयरमैन ए.के. सिंह, सी.एम. डी. अमन लिट, प्रधानाचार्य डॉ0 आदेश कुमार, प्रभारी कुलपति डॉ0 राकेश यादव, कुलसचिव पीयूष पाण्डेय, डॉ0 राजेश सिंह, देवप्रताप सिंह, गुरूदयाल कटियार, डॉ0 सी.पी. कुशवाहा, डॉ0 विवेक सचान, डॉ0 राजवर्द्धन सिंह, मारूफ चौधरी, सी. एफ.ओ. विकास भाटिया, अरूण गोस्वामी एवं मीडिया प्रभारी विकास राणा आदि लोग उपस्थित रहे।

आपका मतदान, लोकतंत्र की जान- डा0 हाशमी

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। हाशमी गर्ल्स पी0जी0 कालेज में छात्राओं को जागरूकता की शपथ दिलाई गयी तथा उन्हें मतदान के महत्व के विषय में समझाया गया। हाशमी एजुकेशनल ग्रुप के चेयरमैन व कालेज प्रबन्धक डॉ0 सिराज उददीन हाशमी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि मतदान हमारे मौलिक अधिकारों में से एक अधिकार है।

जिसके लिए हम सभी को जागरूक करना चाहिए।लेकिन बड़े अफसोस की बात है कि हम अपने इस अधिकार को गंभीरता से नहीं लेते तथा मतदान वाले दिन को छुट्टी के दिवस के रूप में मनाते हैं तथा वोट डालने नहीं जाते। लेकिन इसका परिणाम भी हम लोगों को ही भुगतना पड़ता है और अनचाहे उम्मीदवार को पांच साल तक झेलना पड़ता है।इसलिए हम स्वयं भी जागरूक होकर मतदान करें तथा अपने पड़ौसी, रिश्तेदार व परिजनों को भी इसके लिए जागरूक करें। कालेज प्राचार्या डा0 रिजवाना कुलसूम ने कहा कि मतदान हमारा अधिकार है हमें अपने अधिकार का प्रयोग जरूर करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें धर्म जाति व बिरादरी से ऊपर उठकर मतदान करना है, जिससे हमें एक योग्य जनप्रतिनिधि मिल सके।

कभी-कभी हमारा मतदान न करने का आलस्य हमें विकास से दूर करता है। बी0एड0 विभाग अध्यक्ष डॉ0 सन्तकुमार मिश्रा ने छात्राओं को मतदान जगारूकता की शपथ दिलाई तथा उन्हनें मतदान के लिए प्रेरित किया।इस अवसर पर कालेज का समस्त स्टॉफ मौजूद रहा।

धूमधाम से मनाया गया 74 वॉ गणतन्त्र दिवस

अमरोहा। हकीम महताब उददीन हाशमी इण्टर कॉलेज, मुस्लिम गर्ल्स इण्टर कॉलेज, हकीम महताब उददीन हाशमी कॉलेज ऑफ लॉ, अमरोहा व हाशमी गर्ल्स डिग्री कॉलेज अमरोहा में 74 वॉ गणतन्त्र दिवस धूमधाम से मनाया गया।जिसमें ध्वजारोहण हाशमी एजूकेशनल ग्रुप के चेयरमैन डॉ0 सिराजउददीन हाशमी व डॉ बुरहान उद्दीन हाशमी, प्राचार्या डॉ राना परवीन, हिना खान के द्वारा किया गया।कार्यक्रम का आगाज राष्ट्रगान, कौमी तराना से किया गया।छात्राओं में देशभक्ति गीत व कविताओं से कार्यक्रम को आगे बढ़ाया।इस अवसर पर हाशमी एजूकेशनल ग्रुप के चेयरमैन डॉ0 सिराजउददीन हाशमी सहाब ने सभी को 74वें गणतंत्र दिवस की बधाई दी उन्होने बताया कि आजादी के बाद आज के दिन हमारा कानून लागू हुआ क्योकि बिना कानून के कोई भी हुकूमत ठीक से काम नही कर सकती है।रोजमर्रा के जीवन में भी हमें कानूनो का पालन करना आवश्यक है।कार्यक्रम के अन्त में विद्यालय प्रधानाचार्या ने समस्त छात्राओं व स्टाफ को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाये दी और अतिथि गण का आभार व्यक्त किया । इस मौके पर प्राचार्या डॉ रिजवाना कुलसुम, कांग्रेस जिलाध्यक्ष ओमकार सिंह कटारिया, फैज आलम राइनी, यासिर अंसारी, सरदार इंदर सिंह व कॉलेज का समस्त स्टाफ मोजूद रहा।

बेहतरीन विवेचना पर सम्मानित हुए निरीक्षक सतीश कुमार एवं राजकुमार शर्मा

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा/स्योहारा। 74वें गणतंत्र दिवस पर पुलिस महकमे के दो कर्मठ इंस्पेक्टरों को उतकृष्ट सम्मान से सम्मान से सम्मानित किया गया।

यह पुलिस विभाग के लिए गर्व की बात रही।गौरतलब है कि सपा सरकार के समय 2016 में निरीक्षक सतीश कुमार व निरीक्षक राजकुमार शर्मा वर्ष 2016 में जब जनपद बिजनौर के थाना स्योहारा में थानाध्यक्ष के पद पर नियुक्त थे, तो इनके द्वारा एनआईए के पुलिस उपाधीक्षक सहसपुर निवासी तंजील अहमद एवं उनकी पत्नी फरजाना की हत्या की विवेचना संपादित की गयी।

विवेचक द्वारा वैज्ञानिक साक्ष्यों का प्रयोग कर घटना का सफल अनावरण कर, प्रकाश में आये अभियुक्तों को गिरफ्तार करते हुए उनके विरुद्ध आरोप पत्र प्रेषित किया गया।

जिसके बाद न्यायालय द्वारा आरोपी सहसपुर निवासी मुनीर व रेयान को मृत्युदंड एवं एक एक लाख रुपये के अर्थदंड से दंडित किया गया।विवेचक के इस कार्य से जनता में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ा एवं पुलिस विभाग की छवि उज्ज्वल हुई है।

निरीक्षक सतीश कुमार व निरीक्षक राजकुमार शर्मा द्वारा उक्त अभियोग की विवेचना में सूक्ष्मता से साक्ष्य संकलन, अत्यंत लगन व कर्मठता के साथ साक्ष्य विश्लेषण करने के फलस्वरूप आरोपियों को उपरोक्तानुसार सजा दिलाए जाने के परिप्रेक्ष्य में पुलिस महानिदेशक का उत्कृष्ट विवेचना के लिए उत्तर प्रदेश में दोनों निरीक्षकों को इसी मुकदमे की सही जांच करने और अपराधियो को सजा दिलाने के लिए "उत्कृष्ट विवेचना पुरस्कार" के लिए चयन किया।

जिनको गणतंत्र दिवस पर कैबिनेट वित्त मत्री एवं पुलिस महानिदेशक द्वारा दोनों इंस्पेक्टरों को उत्कृष्ट विवेचना पुरस्कार 2022 एवं 50-50 हजार से सम्मानित किया। इस सम्मान से इंस्पेक्टर राजकुमार शर्मा एवं सतीश कुमार की पुलिस महकमे में जमकर सराहना हो रही है।

कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना ने प्रशस्तिपत्र देकर किया सम्मानित

स्योहारा।थानाध्यक्ष रहे इंस्पेक्टर राजकुमार शर्मा एवं सतीश कुमार को देशव्यापी एक चर्चित मर्डर केस में सही और सटीक विवेचना करने पर "उत्कृष्ट विवेचना पुरस्कार" 2022 के लिये चयनित किया गया और उन्हें पूरे उत्तर प्रदेश में प्रथम स्थान मिला। जिसके लिए फलस्वरूप उन्हें गणतंत्रता दिवस पर सुरेश खन्ना कैबिनेट वित्त मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार और एस.आनंद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शाजहाँपुर ने दोनों इंस्पेकटरों को 50-50 हजार रुपये और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।जो कि अपने आप में एक बहुत बड़ी उपलब्धि है।

अप्रैल 2016 मे थाना क्षेत्र के सहसपुर कस्बे मे घटी थी घटना

स्योहारा। अप्रैल वर्ष 2016 में थाना स्योहारा क्षेत्र के अंतर्गत सहसपुर कस्बे में एक लोमहर्षक घटना घटित हुई थी।जिसमें एनआईए के डिप्टी एस.पी. तंजील अहमद को ताबड़तोड़ गोलियां बरसा कर मौत के घाट उतार दिया गया था। इस घटना में गोलियाँ लगने से उनकी पत्नी फरजाना भी गंभीर रूप से घायल हो गई थी और लगभग एक सप्ताह बाद इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई थी।इस हत्याकांड की गूंज पूरे देश में सुनाई दी थी।इस देशव्यापी चर्चित मर्डर केस की जांच उस वक्त स्योहारा थाना अध्यक्ष रहे तेजतर्रार , निडर थानाध्यक्ष राजकुमार शर्मा को सौंपी गई थी।

त्रिवेणी शुगर मिल में हर्षोल्लास के साथ मनाया 74 वां गणतंत्र दिवस

प्रात : किरण संवाददाता,मनोज शर्मा

अमरोहा/रहरा। अमरोहा जिले के चंदनपुर छपना में स्थित त्रिवेणी शुगर मिल में देश का 74 वां गणतंत्र दिवस बड़े ही हर्ष उल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया।गणतंत्र दिवस के मौके पर मिल परिसर को तिरंगो व रंग बिरंगी गुब्बारो से सजाया गया। त्रिवेणी शुगर मिल के प्रबंधक आमोद कुमार शर्मा ने ध्वजारोहण किया उसके बाद देशभक्ति गीतो का आयोजन कर कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए और मिल कर्मचारियो और क्षेत्र के सभी किसानों को गणतंत्र दिवस की बधाइ दी। प्रबंधक आमोद कुमार शर्मा ने उपस्थित लोगो को जानकारी देते हुए बताया कि गणतंत्र दिवस हमारे देश का राष्ट्रीय पर्व है जिसको हम प्रत्येक वर्ष 26 जनवरी के दिन बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं। राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस के अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले फैक्ट्री कर्मियों को प्रबंधक आमोद कुमार शर्मा व मिल के आला अधिकारियो ने हर वर्ष की भांति उपहार देकर सम्मानित किया और कहा कि मिल के सभी कर्मचारी मेहनत और लगन से कार्य करते रहें। मिल प्रबंधन सदैव उनके सुख और दुख में साथ है।

पुलिस लाइन्स के परेड ग्राउण्ड़ पर भव्यता, उत्साह एवं परम्परागत रुप व हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया गणतंत्र दिवस समारोह

राज्यमंत्री ने ध्वजारोहण किया व परेड का निरीक्षण किया, मंत्री, डीएम व एसपी रहे मौजूद

प्रात: किरण, संवाददाता

बिजनौर। गत वर्षों की भांती इस वर्ष भी 26 जनवरी 2023 को गणतंत्र दिवस समारोह पुलिस लाइन्स बिजनौर के भव्य परेड ग्राउण्ड़ पर पूरी भव्यता, उत्साह एवं परम्परागत रुप से हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर उ0प्र0 पुलिस की विभिन्न शाखाओं द्वारा पुलिस उपाधीक्षक श्रीमती सुनीता दहिया की मुख्य कमांड में उत्कृष्ट परेड का प्रदर्शन किया गया परेड में विभिन्न टोलियों मुख्य आरक्षी नागरिक पुलिस की टोली सशस्त्र पुलिस की टोली पुलिस कार्यालय में नियुक्त जवानो की टोली जनपद के विभिन्न थानों चैकियो में तैनात नागरिक पुलिस के जवानो की टोली अभियोजन कार्यालय में तैनात जवानो की टोली पीएसी की टोली यातायात पुलिस महिला पुलिस डायल-112 रेडियो शाखा मिशन शक्ति सीसीटीएनएस स्वाट सर्विलांस एंटी सेबोटाज टीम डॉग स्क्वायड, मोटर साइकिल स्क्वायड फायर सर्विस द्वारा प्रतिभाग किया गया।

इस अवसर पर समारोह के मुख्य अतिथि जसवंत सिंह सैनी, राज्यमंत्री संसदीय कार्य एवं आद्योगिक विकास, उ0प्र0 सरकार द्वारा ध्वजारोहण किया तथा परेड का निरीक्षण किया गया तथा परेड टुकडियों द्वारा हर्ष फायर की कार्यवाही की गई और मुख्य अतिथि को सलामी दी गई। ह्लमुख्य अतिथि ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री, उ0प्र0 के नेतृत्व में प्रदेश में खुशहाली का वातावरण बना है तथा यह प्रदेश उत्तम प्रदेश बन गया है। मुख्यमंत्री के प्रयास से उ0प्र0 राज्य के बाहर से अनेको उद्यमी अरबों रुपये निवेश कर रहे है। जिससे प्रदेश के युवाओं को रोजगार मिलेगा और प्रदेश प्रगति के पथ पर तेजी से दौडेगा।

इस अवसर पर उन्होने देश के शहीदों को नमन करते हुए सैनिको के पराक्रम की प्रशंसा की तथा उत्तर प्रदेश पुलिस को प्रदेश की कानून एवं शान्ति व्यवस्था में असाधारण सुधार के लिए बधाई दी। ह्लमुख्य अतिथि ने जिला प्रशासन बिजनौर द्वारा जनपद में चलाए जा रहे ह्लनशा मुक्ति अभियान नया सवेरा की भी मुक्त कंठ से प्रशंसा की ओर पुलिस अधीक्षक बिजनौर को बधाई दी। उन्होने जनपद पुलिस बिजनौर के कल्याण हेतु अपनी निधी से कई कार्य कराने की घोषणा मंच से की। उनके संबोधन से पूर्व पुलिस अधीक्षक श्री दिनेश सिंह द्वारा परेड का मानप्रणाम ग्रहण किया गया। परेड के पश्चात जनपद के विभिन्न स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रदर्शन किया गया। गणतंत्र दिवस के अवसर पर पुलिस अधीक्षक बिजनौर को ह्लपुलिस महानिदेशक उ0प्र0 द्वारा प्रदत्त प्रशंसा चिन्ह प्लेटिनम एवं पुलिस उपाधीक्षक श्रीमती सुनीता दहिया को राष्ट्रपति पदक एवं अन्य कई निरीक्षक उ0निरीक्षकध्मुख्या आरक्षी आरक्षीगण को उनकी दीर्घ एवं सराहनीय सेवाओं के लिए भारत सरकार एवं उ0प्र0 सरकार द्वारा दिए गए पदकों से भी सम्मानित किया गया।

उल्लेखनीय है कि गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर श्री दिनेश सिंह, पुलिस अधीक्षक बिजनौर द्वारा नशा मुक्ति अभियान नया सवेरा हेतु लिखा गया दूसरे थीम सॉग को लांच किया गया। जिस पर यूनिवर्सल एकेडमी के बच्चो द्वारा एक लघु नाटिक के माध्यम से बेहतरीन कला का प्रदर्शन कर जनता को जागरुक किया गया। इस अवसर पर उपस्थित हजारों लोगो ने तालियां बजाकर पुलिस अधीक्षक बिजनौर द्वारा रचित गीत का भरपूर स्वागत किया। अन्त में मुख्य अतिथि द्वारा जिलाधिकारी बिजनौर, पुलिस अधीक्षक बिजनौर, पुलिस अधीक्षक नगर, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, पुलिस अधीक्षक पूर्वी, क्षेत्राधिकारी लाइन आदि को स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए तथा जनपद बिजनौर पुलिस परिवार की ओर से उक्त कार्यक्रम को यादगार बनाने के लिए मुख्य अतिथि को भी स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। उक्त के अतिरिक्त सभी परेड टोली कमांडर एवंम सास्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने वाले स्कूलध्कॉलेजो को भी पुरस्कार वितरित किए जाने के साथ-साथ पुलिस अधीक्षक बिजनौर द्वारा उन पुलिस कर्मियों को भी प्रशस्तित पत्र व पुरस्कार प्रदान किए गए, जिनके द्वारा पूरे वर्ष अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी से किया गया। समस्त कार्यक्रम का संचालन श्रीमती इंदू सिद्धार्थ, अपर पुलिस अधीक्षक क्षेत्राधिकारी धामपुर एवं अय्यूब अहमद उर्दू अनुवादक द्वारा संयुक्त रुप से किया गया।

अज्ञात वाहन ने बाइक में पीछे से मारी टक्कर, युवक घायल

मंडावली। मंडावली की ओर से अपने घर जाते हुए हाईवे 74 पर ताहिर पुत्र जम्मा उम्र 35 वर्ष निवासी नारायणपुर रतन की ओर जा रहा था पीछे से आकर किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिससे उसकी मोटरसाइकिल के परखच्चे उड़ गए और वह सड़क पर गिर गया सर पर हेलमेट ना होने के कारण सर में काफी चोट लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया तभी उसको नजीबाबाद निजी अस्पताल में ले जाया गया पुलिस को सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और उसकी मोटरसाइकिल को अपने कब्जे में लेकर थाने ले गई।

राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन द्वारा धूमधाम से मनाया गया गणतंत्र दिवस

बुढ़नपुर। राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन द्वारा वृहस्पतिवार को अपने ही कैंप कार्यालय बुढ़नपुर बिजनौर उत्तर प्रदेश पर 74 वे गणतंत्र दिवस का उत्सव बड़े ही धूमधाम से बनाया गया। राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एमआर पाशा के नेतृत्व में कार्यकर्ता व पदाधिकारी द्वारा 74 वे गणतंत्र दिवस झंडा फहराया गया। और पदाधिकारी द्वारा राष्ट्रगान गाया गया। और तिरंगे को सलाम किया गया। तथा और दिव्यांगों के साथ- साथ गणमान्य लोगों व समाजसेवी ने भी हिस्सा लिया। राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन के पदाधिकारी द्वारा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराने के बाद रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। तथा कार्यक्रम में अतिथि आए एसोसिएशन के पदाधिकारियों की कार्यक्रम को देख सराहना की। राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एमआर ने कहा कि सबसे पहले पूरे भारतवर्ष के राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन के पदाधिकारियों को 74 वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देना चाहता हूं। और उन्होंने कहा कि पूरे देश में गणतंत्र दिवस बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसी भी पदाधिकारी का शोषण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा अगर कोई उनका शोषण करता है बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस मौके पर कानूनी सलाहकार हिरेन्द्र चैहान एडवोकेट, मास्टर शहजाद गोविंदपुर वाले, गुरबचन सिंह, इंतजाम अहमद, सितारे आलम, हजरत मोहम्मद इंतजार, रोहित कुमार, मनोज कुमार, सुनिल आदि कार्यकर्ता पदाधिकारीगण मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

धर्मशाला के ट्रस्टी, बिल्डर और ठेकेदार गिरफ्तार

आगरा। उत्तर प्रदेश में आगरा के कोतवाली क्षेत्र में मकान ढहने की घटना के सिलसिले में शुक्रवार सुबह धर्मशाला के ट्रस्टी और बिल्डर को गिरफ्तार कर लिया गया। इस मामले में आरोपी ठेकेदार को गुरुवार रात ही गिरफ्तार कर लिया गया था। इस बीच प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे में मृत बच्ची के परिजनों को दो लाख रुपये की राशि मुआवजे के तौर पर स्वीकृत की है और घायलों के सरकारी खर्चे पर उपचार कराने के निर्देश दिए हैं। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने मुआवजा राशि का चेक पीड़ित परिवार को सौंपा। पुलिस सूत्रों ने बताया कि गुरुवार सुबह हुई सात मकानों के ढहने की घटना में पुलिस ने शुक्रवार की अल सुबह निकट बनी धर्मशाला के ट्रस्टी राजू मेहरा और बिल्डर हरेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले पुलिस ने गुरुवार रात को ही ठेकेदार राघवेंद्र उपाध्याय को गिरफ्तार कर लिया था। गौरतलब है कि सिटी स्टेशन रोड पर सातों मकानों के निकट बनी पुरानी धर्मशाला में बेसमेंट की खुदाई के कारण टीले पर मकानों में दरार आ गई थी और सात मकान भरभराकर गिर गए थे। मलबे में दबकर चार साल की बच्ची की मौत हो गई थी जबकि दो अन्य घायल हो गए थे। इस मामले में आगरा विकास प्राधिकरण की भी लापरवाही सामने आई है। बिना नक्शा पास कराए ही धर्मशाला के बेसमेंट में खुदाई कराई जा रही थी। काम रोकने का कोई नोटिस भी नहीं दिया गया था।

सिनेमाघर में दो पक्षों में मारपीट मामले की पुलिस ने शुरू की जांच

बलिया। उत्तर प्रदेश के बलिया जनपद में पाठन फिल्म के शो के दौरान एक सिनेमाघर में दो पक्षों में मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर सार्वजनिक होने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार जिले के शहर कोतवाली क्षेत्र के शीशमहल टाकीज में बुधवार की शाम पठान फिल्म के 06 बजे से 09 बजे के शो के दौरान दो पक्षों में सीट पर बैठने व पान खाकर सीट पर थूकने को लेकर विवाद हो गया। जिसमें दोनों पक्ष एक दूसरे से हाथापाई व मारपीट करने लगे। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तबतक मामला शांत हो चुका था। इस पूरी घटना का किसी ने वीडिया बनाकर सोशल मीडिया पर सार्वजनिक कर दिया। पुलिस उपाधीक्षक शहर जितेंद्र कुमार ने बताया कि मामले में पुलिस को अभी तक किसी भी पक्ष से तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। पुलिस वीडियो के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

डीएम ने मेधावी छात्राओं को प्रोत्साहित किया, बांटे टैबलेट व चैक

छात्र-छात्राएं चिंतामुक्त रहने के लिए करें नियमित योग: साकेन्द्र प्रताप सिंह

प्रात: किरण, संवाददाता

बिजनौर। जिला पंचायत अध्यक्ष साकेन्द्र प्रताप सिंह एंव जिलाधिकारी उमेश मिश्रा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में जिले के विभिन्न कॉलेजों में अध्यनरत हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा में उच्च अंक प्राप्त करने वाले 10-10 मेधावी छात्र-छात्राओं को टैबलेट एवं चेक वितरण किया गया। जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने मेधावी छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आने वाला भविष्य आपका है और एक विकसित उत्तर प्रदेश के साथ-साथ एक प्रभुत्वशाली, समृद्ध और शक्तिशाली राष्ट्र के निर्माण में आपका योगदान अपेक्षित है। उन्होंने कहा कि हम सभी को अपने प्रदेश को इस प्रकार विकसित और समृद्ध बनाना है कि देश के अन्य प्रदेश ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उत्तर प्रदेश एक मॉडल के रूप में देख कर उसका अनुसरण किया जाए। उन्होंने छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आप सभी समाज के लिए एक उदाहरण बने और बिजनौर की पावन धरती से देश एवं प्रदेश को एक नई दिशा और नए आयाम देकर अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाएं। जिलाधिकारी ने छात्र-छात्राओं को सम्मानित करते हुए, बधाई देते हुए तथा उनका हौसला बढ़ाते हुए कहा कि उन्हें बहुत आगे जाना है और अपने माता-पिता एवं देश का नाम रोशन करना है। उन्होंने यह भी कहा कि उनके साथ जिला प्रशासन ही नही बल्कि पूरी सरकार उनके उज्जवल भविष्य के निर्माण के लिए तत्पर है। जिला पंचायत अध्यक्ष साकेन्द्र प्रताप सिंह ने छात्र-छात्राओं को देश का भविष्य बताते हुए समाज के हित में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने छात्र-छात्राएं से कहा कि पढाई के साथ-साथ मानसिक तनाव से बचने के लिए कम से कम एक खेल को अपने जीवन में अवश्य अपनाएं। उन्होंने कहा कि योग मन और आत्मा को नियंत्रित करने में सहायता करता हैं, शरीर और मन को शांत करता है, शारीरिक और मानसिक अनुशासन का एक संतुलन बनाता है। उन्होंने कहा कि योग न केवल तनाव और चिंता का प्रबंधन करने में सहायक है बल्कि इसके द्वारा इंसान को असीम प्राकृतिक ऊर्जा एवं शक्तियां भी प्राप्त होती हैं। इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक, शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी एवं शिक्षक गण, छात्र-छात्राएं, उनके अभिभावक मौजूद थे।

डीएफओ को विधायक सुशांत सिंह से अदावत व राजनीति करना पड़ा महंगा

शासन ने किया सस्पैंड, अरूण कुमार सिंह बने नये डीएफओ

मुशब्बर हुसैन

बिजनौर। डीएफओ बिजनौर डाक्टर अनिल पटेल को बढापुर विधायक सुशांत सिंह व भाजपा के कद्दावर नेता पूर्व सांसद कुंवर सर्वेश कुमार सिंह के परिवार से सीधी अदावत करना महंगा पड गया। शासन ने उन्हें सस्पैंड कर लखनउ मुख्यालय से अटैच कर उनके आचरण की जांच के आदेश दे दिये हैं। शासन स्तर से हुई इस कार्यवाही के बाद अब अरूण कुमार सिंह बिजनौर के नये डीएफओ बनाये गये हैं। गौरतलब है कि बीते दिनों अमानगढ टाइगर रिजर्व क्षेत्र के केहरीपुर में एक रिजार्ट के निर्माण के लेकर हुए विवाद में निर्माणकर्ता ने बढापुर से भाजपा विधायक सुशांत सिंह पर गंभीर आरोप लगाये थे और विधायक पर दबाव बनाने की नीयत से कलक्टेज्ट में उनके विरूद्ध महिलाओं ने धरना दिया था। इस विवाद ने तब और तूल पकड लिया था जब बिजनौर डीएफओ डा0 अनिल पटेल की एंट्री हुई थी। डीएफओ अनिल पटेल ने विधायक सुंशांत सिंह के निजी पीए पर अभद्रता करने का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी व एसपी बिजनौर को पत्र लिखकर कार्यवाही किये जाने की मांग की थी। डीएफओ द्वारा बढापुर विधायक सुशांत सिंह व भाजपा के कददावर नेता मुरादाबाद से पूर्व सांसद कुंवर सर्वेश कुमार सिंह के परिवार से जुडे व्यक्ति पर गंभीर आरोप लगाये जाने के बाद जिले में जमकर राजनीति हुई थी और विवाद की गूंज लखनउ तक पहुंच गयी थी। डीएफओ द्वारा दो दिन की छुटटी लेकर विधायक पर दबाव बनाने के लिये लखनउ जाकर वन विभाग के अधिकारियों को अपने पक्ष में लामबंद करने की कार्यशैली से उनके और भाजपा के कददावर नेता के बीच अदावत और बढती चली गयी थी। वहीं विधायक सुशांत सिंह समर्थकों का आरोप था कि डीएफओ बिजनौर अनिल पटेल बीएसपी नेता के इशारे पर उनकी छवि को धूमिल करने के लिये प्रकरण में राजनीति कर रहे हैं। इसी कडी में शासन स्तर से डीएफओ अनिल पटेल को बुधवार को शासन ने निलंबित क दिया तथा उन्हें लखनउ मुख्यालय से अटैच कर दिया गया।

हैप्पी हाट्र्स एन इन्टरनेशनल प्रीस्कूल मे गणतंत्र दिवस पर रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। कैलसा स्थित हैप्पी हाट्र्स एन इन्टरनेशनल प्रीस्कूल में 74 वां गणतन्त्र दिवस बड़े हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया। जिसमें नन्हे मुन्ने बच्चों ने सबके मन को मोहने वाले रंगारंग कार्यक्रमों को प्रस्तुत किया। सर्वप्रथम शिक्षिकाओं ने बच्चों को गणतन्त्र दिवस के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही बच्चों को गणतन्त्र दिवस के महत्व को समझाने के लिए एक लघु वीडियो दिखाई गई। बच्चों ने देश प्रेम प्रदर्शित करते हुए अनेक देशभक्ति की कवितायें प्रस्तुत की। इसके बाद बच्चों ने ह्यअ वतन मेरे वतन आबाद रहे तू ह्यनन्हा मुन्हा राही हूँ आदि गीत गाकर व नृत्य करके सारा माहौल राष्ट्रमय कर जीवन की हर चुनौती से लड़ने के लिए तैयार होने के अपने साहस का परिचय दिया। ध्वजारोहण विद्यालय के प्रबन्धक श्री अजय टन्डन, प्रबन्धिका अंजलि टंडन व साकेत कौरा द्वारा किया गया और उन्होने सभी को गणतन्त्र दिवस की बधाई दी एवं प्रेम व सोहार्द्ध का वातावरण बनाये रखने का संदेश दिया और बच्चों का उत्साह वर्धन किया। कार्यक्रम के अन्त में विद्यालय की को-आर्डिनेटर जूही राज ने सबका आभार प्रकट किया कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय की शिक्षिकाओं का सक्रिय योगदान रहा।

मंदिर के पुजारी का शव पंखे से लटका मिला, मौत, क्षेत्र में सनसनी फैली

नांगलसोती। बीती रात नांगल सोती में मोहल्ला जोशीयान में स्थित शीतला माता मंदिर के पुजारी का शव पंखे से लटका मिला मंदिर के पुजारी की मौत की खबर सुनकर क्षेत्र में सनसनी फैल गई सुबह श्रद्धालु शीतला माता मंदिर में पूजा करने के लिए मंदिर में गए तो उन्होंने देखा कि मंदिर के पुजारी के कमरे में पुजारी कलुआ भगत पुत्र लल्लू ठेकेदार का शव पंखे से लटके मृत हालत में है जिसके बाद श्रद्धालुओं ने इसकी सूचना कुछ ग्रामीणों को दी ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी कुछ देर बाद ही मंदिर परिसर में ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई सूचना पर थाना प्रभारी श्यामवीर सिंह, हल्का दरोगा उमेश कुमार, पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और पुजारी का शव को फांसी के फंदे से नीचे उतारा मामले में मृतक की भाभी बाला देवी ने पुलिस को तहरीर सौंप कर कार्यवाही की मांग की है बाला देवी की तहरीर पर पंचनामा भरने के बाद थाना पुलिस ने मृतक पुजारी के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है इस मामले में थाना प्रभारी श्यामवीर सिंह ने बताया प्रथम दृश्यता से आत्महत्या का मामला लग रहा है फिर भी मृतक पुजारी का पोस्टमार्टम कराकर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कावड़ यात्रा को लेकर अधिकारियों द्वारा किया गया सभा का आयोजन

प्रात: किरण, संवाददाता

मंडावली। थाना क्षेत्र के मोटा महादेव मंदिर पर कावड़ यात्रा को लेकर बृहस्पतिवार शाम एक सभा का आयोजन किया है जिसमें पुलिस अधीक्षक बिजनौर एसपी सिटी बिजनौर तथा उप जिला अधिकारी नजीबाबाद क्षेत्राधिकारी नजीबाबाद वीडियो नजीबाबाद एडीओ नजीबाबाद बिजली विभाग एसडीओ पीडब्ल्यूडी एक्शन नजीबाबाद तथा नगर पालिका ईओ नजीबाबाद वह थाना प्रभारी मंडावली तथा समस्त अधिकारी मौजूद रहे आगामी त्यौहार कावड़ यात्रा को लेकर एक गोष्टी का आयोजन किया गया पुलिस अधीक्षक बिजनौर ने पुलिस अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए की कावड़ यात्रियों को किसी बात की परेशानी का सामना न करना पड़े हमारी पुलिस उनकी सेवा में 24 घंटे लगी रहेगी और पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को उप जिला अधिकारी ने सड़कों की मरम्मत कराने के निर्देश दिए ताकि किसी कावर्ती के वाहन को दिक्कत ना आए इसी के साथ बिजली विभाग एसडीओ को को भी निर्देशित किया गया कि जो भी रोड पर झज्जर तारों की लाइने हैं उन्हें शीघ्र ही ठीक कराया जाए तथा नगरपालिका के अधिकारियों को पानी की व्यवस्था ठीक की जाए ताकि किसी यात्री को पानी की दिक्कत ना हो तथा विकास खंड अधिकारी को निर्देशित किया गया की साफ-सफाई की व्यवस्था ठीक रहे तथा मोटा महादेव पुजारी शशि नाथ ने बताया कि हमारे मंदिर को पुलिस का पूर्ण सहयोग मिलता है ग्राम प्रधानों से वह समस्त ग्रामीणों से वार्ता की गई कि आप भी पुलिस का सहयोग करें और जिससे यात्रियों को कोई परेशानी ना हो हाजी नसीम अंसारी पूर्व सदस्य जिला पंचायत ग्राम प्रधान पति विश्वेंद्र ठाकुर पूर्व प्रधान अरविंद कुमार त्यागी पूर्व प्रधान सुनील कुमार त्यागी पूर्व प्रधान फरहीन ग्राम प्रधान मुस्ताक मास्टर ब्रह्मपाल सिंह ग्राम प्रधान राकेश कुमार मोहम्मद इरफान ग्राम प्रधान मोहम्मद अली नसीम अतर सिंह निहाल सिंह पूर्व प्रधान सतीश चंद त्यागी नत्थू सिंह आदि मौजूद रहे।

जी०एम०एस० कालेज आफ फामेर्सी एवं खैरूलनिशा एकेडमी मे हुआ ध्वजारोहण

अमरोहा। समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता महबूब अली सदर विधायक /पूर्व केबिनेट मंत्री, सभापति, लोक लेखा समिति उ0प्र0 ने 74 वा गणतंत्र दिवस के अवसर पर नेशनल बाईपास स्थित जी0एम0एस0 कालेज आफ फामेर्सी रजबपुर पर ध्वजारोहण कर आजादी के लिए संघर्ष करते हुए शहीदों को नमन किया एवं उनकी द्वारा आजादी के लिए संघर्ष के क्रियाकलापों पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला। श्री अली ने कहा कि 26 जनवरी 1950 को हमारा सविधान लागू हुआ जिसके उपलक्ष में गणतंत्र दिवस मनाया जाता है। हमे अपने वीर सपूतो के पदचिन्हों पर चलकर उनके द्वारा किये गये देश हित में संविधान का पालन करना चाहिए। इस मौके पर शिक्षक तथा छात्र छात्राएं उपस्थित रहें। वहीं परवेज अली, पूर्व सदस्य विधान परिषद, मुरादाबाद-बिजनौर ने 74 वां गणतंत्र दिवस के अवसर पर खेरूलनिशा एकेडमी धनोरा उर्फ मुरादनगर पर ध्वजारोहण कर स्वतंत्रता संग्राम में संघर्ष करते हुए शहीद हुए अमर शहीदों को नमन किया, श्री अली ने कहाँ कि देश को स्वतंत्रता तो 15 अगस्त 1947 को प्राप्त हो गई थी। लेकिन संविधान 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ जिसके उपलक्ष में गणतंत्र दिवस मनाया जाता है। हमे अपने वीर सपूतो के पदचिन्हों पर चलकर उनके द्वारा किये गये देश हित में संविधान का पालन करना चाहिए। श्री अली ने कहाँ कि बच्चे राष्ट्र के भविष्य है, इसलिए उदेश्य परक शिक्षा का महत्व बताया, जिसे ग्रहण कर राष्ट्र के अच्छे नागरिक बन सकें। विद्यालस प्रबंधन ने श्री अली का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर शिक्षक, छात्र छात्राएं एवं उनके अभिभावक मौजूद रहें।

कार्यक्रम स्टाफ की ओर से डीन एकेडेमिक मनोज कुशवाह, अजय राणा ने अपने विचार प्रस्तुत किए...

कुँवर सत्यवीरा कॉलेज में गणतन्त्र दिवस व बसन्त पंचमी पर कार्यक्रम आयोजित हुए

प्रात: किरण, संवाददाता

बिजनौर। वीरा चेरीटेबल सोसाइटी धर्मनगरी (बिजनौर) द्वारा संचालित संस्था कुँवर सत्यवीरा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग मैनेजमेंट व कुँवर सत्यवीरा डिग्री कॉलेज बिजनौर मे संयुक्त रूप से 74वां गणतन्त्र दिवस बड़े ही धूमधाम से मनाया गया इस अवसर पर कॉलेज प्रागण मे एक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमे प्रात 10 बजे ध्वजा रोहण किया गया, ध्वजारोहण प्रबन्ध समिति सदस्या कु० रुचिवीरा (पूर्व विधायक पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष बिजनोर), संस्था निदेशक प्रो. (डॉ.) अमित कुमार बंसल व डिग्री कॉलेज प्राचार्य डॉ. महेंद्र सिंह कोरव ने संयुक्त रूप से किया तथा सभी को 74वे गणतन्त्र दिवस की शुभकामनाए दी। कु० रुचिवीरा (पूर्व विधायक पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष बिजनोर) ने इस अवसर कॉलेज के सभी सदस्यो से एकजुटता के साथ कार्यो को सुचारु रूप से करने का आह्वान किया, उन्होने कहा कि देश के विकास मे सभी लोगो का महत्व है और इसी को ध्यान मे रखते हुए हम जहां पर भी है और जिस कार्य के लिए है, उस कार्य को सच्ची ईमानदारी एवं लगन के साथ करना चाहिए।

स्टाफ की ओर से डीन एकेडेमिक मनोज कुशवाह, अजय राणा ने अपने विचार प्रस्तुत किए, सर्वजीत सक्सेना ने देश भक्ति का तराना प्रस्तुत किया। संस्था निदेशक प्रो. (डॉ.) अमित कुमार बंसल ने बसंत पंचमी के उपलक्ष्य में विद्यादायिनी मां सरस्वती के पूजन का आयोजन भी कराया गया। इसी प्रकार संस्था निदेशक प्रो. (डॉ.) अमित कुमार बंसल व डिग्री कॉलेज प्राचार्य डॉ. महेंद्र सिंह कोरव ने भी सभी को 74वे गणतन्त्र दिवस की शुभ कामना दी तथा सभी से भारतीय संविधान का सम्मान करने का आव्हान किया। इस अवसर कार्यक्रम इंचार्ज डा० लोकेश अग्रवाल ने बताया कि इस वर्ष कुँवर सत्यवीरा कॉलेज 74वे गणतन्त्र दिवस पर एक दिवसीय क्रिकेट मैच आयोजित किया गया, जिसमे इंजीनियरिंग कॉलेज व वीरा डिग्री कॉलेज के सभी स्टाफ सदस्यो ने प्रतिभाग किया तथा इंजीनियरिंग कॉलेज की टीम ने वीरा डिग्री कॉलेज की टीम को 65 रनो से हराया

इस अवसर पर वीरा सोसाइटी व कॉलेज सचिव कु० उदयन वीरा (पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष), प्रबन्ध कार्यकारिणी सदस्य स्वाति वीरा ने समस्त देश वासियो को 74वे गणतन्त्र दिवस की शुभकामनाए दी। इस अवसर पर सभी विभागो के विभागाध्यक्ष, चीफप्रोक्टर (डॉ) शुएब अली खान, सुनील भारद्वाज, राजीव कुमार, एन पी एस भण्डारी आदि सभी स्टाफ उपस्थित रहे कार्यक्रम का सफल संचालन नईम नाइला ने किया।

राजश्री देशपांडे ने बताया इस समय क्या है औरतों की सबसे बड़ी दिक्कत

इस समय वेब सीरीज ट्रायल बाय फायर को लेकर चर्चा बटोर रहीं एक्ट्रेस राजश्री देशपांडे ने खास बातचीत में सीरीज की सच्ची घटना से लेकर औरतों के लिए चुनौतियों और अन्य मुद्दों पर बात की। राजश्री ने बताया कि इस समय औरतों की सबसे बड़ी दिक्कत क्या है। राजश्री देशपांडे इस समय वेब सीरीज ट्रायल बाय फायर को लेकर चर्चा में हैं। इसमें उनके रोल की खूब तारीफ हो रही है। राजश्री ने बॉलीवुड में 2012 में आई आमिर खान की फिल्म तलाश से बॉलीवुड डेब्यू किया था। इसके बाद वह टीवी की दुनिया में काम करने लगीं। राजश्री देशपांडे ने कुछ तो लोग कहेंगे समेत कुछ और टीवी शोज किए। इसके बाद सलमान खान स्टारर किक में नजर आईं। इसके बाद से राजश्री ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। अब ट्रायल बाय फायर वेब सीरीज में उनके काम की चर्चा हो रही है। इससे पहले वह सीरीज सेक्रेड गेम्स भी कर चुकी हैं।

हाल ही उन्होंने एक्सक्लूसिव बातचीत की, जिसमें करियर से लेकर सामाजिक मुद्दों और अन्य चीजों पर राय रखी।

आपकी वेब सीरीज ट्रायल बाय फायर आज से 25 साल पहले दिल्ली में घटे उपहार सिनेमा हॉल के अग्निकांड पर आधारित है। जब किसी सच्ची घटना पर वेब सीरीज या फिल्म बनती है, तो कलाकार की जिम्मेदारी कितनी बढ़ जाती है?

बहुत जरूरी है ये कहानी लोगों तक पहुंचना क्योंकि एक तो पूरे 25 साल की जर्नी हैं इन दोनों की और पूरे असोसिएशन की। उपहार अग्निकांड में नीलम और शेखर ने अपने दो बच्चों को खोया था। ऐसे कितने सारे लोग हैं जो आज तक उन सवालों को ढूंढते हैं और उन्हें जवाब नहीं मिल पाए हैं, तो ये उन सबकी कहानी है। आज नीलम और शेखर ने बात कही है, इसलिए हम उन्हें जानते हैं, मगर कितने लोग ऐसे हैं, जो बोल नहीं सकते, तो उनकी आवाज को इन दोनों ने आगे बढ़ाया है। जहां पर ये हादसा हुआ है, वो एक आम जगह है, जहां पर हम भी हो सकते हैं, हमारे लोग हो सकते हैं। और ये कहीं पर भी हो सकता है। आज भी सिस्टम में बहुत काम करने की जरूरत है। आज भी हम वहां तक नहीं पहुंचे हैं, जहां हम सुरक्षा से लैस हों। ये एक प्रेरित करने वाली कहानी है और हमें याद दिलाना बहुत जरूरी है कि हम सुरक्षित हैं या नहीं। मुझे लगता है कि सवाल करना बहुत जरूरी है। सवाल करो। हम कहां है ये सवाल करो? पूछो? तो इस वजह से मुझे लगता है कि ये कहानी हर जगह, हर गांव तक पहुंचनी चाहिए। मुझे लगता है गांव में भी लोगों को सोचना चाहिए कि क्या हम सुरक्षित हैं या नहीं।

आपने कभी अपने कॉलेज या आस-पास के इलाके में किसी मुद्दे के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की है ?

जी, मैं लगभग 10 साल पहले किसी और इंडस्ट्री में काम करती थी और मुझे ऐसा लगता था कि लिटरेचर और थिएटर मेरे करीब हैं, तो मैं इस क्षेत्र में आ गई। 10 साल से मैं फिल्मों और सोशल वर्क दोनों में हूं क्योंकि जो किताबें, जो लिटरेचर हम पढ़ते हैं, जैसे अगर आज हम प्रेमचंद, परसाई या मंटो अथवा इस्मत को पढ़ें, तो उन किरदारों में आप एक समाज को देखते हैं। मुझमें हमेशा से समाज के लिए काम करने का जज्बा रहा है। जिस समाज से मैं आती हूं और खुद एक किसान की बेटी होने के नाते मुझे लगता है कि ये मेरी जिम्मेदारी है कि मैं ऐसे लोगों के साथ खड़ी रहूं, जिन्हें न्याय की जरूरत है।

खुशकिस्मती से मुझे जिस तरह के किरदार मिले हैं, वो जमीन से जुड़े हुए हैं। जो असल कहानियां हैं, उनको मैं आगे बढ़ा रही हूं। भले ही कम काम किया है मैंने लेकिन जो भी काम किया है, वो अच्छा रहा है।

कभी ऐसा हुआ है कि किरदार और रियलिटी के बीच की रेखा ब्लर हो गई हो? हम सभी इमोशनल होते हैं। ट्रायल बाय फायर की शूटिंग के दौरान बहुत बार ऐसा होता था सेट पर कि मेरा ब्रेकडाउन हो जाता था। कई बार ऐसा होता था कि कुछ सीन में मैं खुद को नहीं रोक पाती थी, तो ये बहुत जरूरी है कि फिल्म में हर इंसान ऐसे समय पर आपकी इज्जत करे। बहुत बार ऐसा हो जाता है कि लोगों को समझ में ही नहीं आता है कि ये क्यों रो रही है! कई बार मुझे मेरे निर्देशक और साथी कलाकार अभय (देओल) ने संभाला है कि मैं ठीक तो हूं। बहुत आवश्यक है कि एक अदाकार को इंसान की तरह भी देखा जाए। सेट पर मैं कई बार टूटी। इस रोल में अदाकार के रूप में बहुत खर्च हुई मैं। मगर सेट पर मुझे काफी संभाला गया। हमने एक-दूसरे का साथ दिया।

- सेक्रेड गेम्स में सुभद्रा का किरदार करने के बाद आपको बोल्ड अभिनेत्री का खिताब दे दिया गया। आपके बिंदास होने के कारण क्या लोग आपसे डरते हैं? मुझे ये बात समझ में नहीं आती कि आप किसी एक्ट्रेस को बोल्ड कहते हैं जब वो परफॉर्म करती है, लेकिन मुझे लगता है मैं एक आम इंसान के किरदार कर रही हूं। आप भी उतनी ही बोल्ड हैं, जितनी मैं हूं। हममें और आपमें कोई फर्क नहीं है। तो आप किरदारों पर इल्जाम डाल रहे हैं मगर ये समझना जरूरी है कि वो भी टूटी हुई हो सकती है। हम कलाकार किरदारों की जर्नी को दिखाते हैं। अब जो लोग कहते हैं कि आपसे डरते हैं तो मुझे समझ नहीं आता है कि क्यों! मगर मुझे लगता है कि जब आप पारदर्शक होते हैं, तो लोग आपके सामने आने से डरते ही हैं।

राजश्री आपको क्या लगता है कि इस वक्त औरतों की सबसे बड़ी दिक्कत क्या है?

महिलाओं से जुड़ी बहुत सारी समस्याएं हैं। बहुत काम करना है अभी। पढ़ाई, लिखाई, जानकारी, स्वतंत्र होना और बहुत सी छोटी-छोटी समस्याएं होती हैं। हम बहुत साल पीछे हैं। हमारा एक छोटा-सा तबका है जो आगे बढ़ रहा है और कितने सारे लोग हैं। जैसे गांव में काम करती हूं तो मुझे पता है कि कितनी सारी चुनौतियां हैं महिलाओं के लिए। इतना बड़ा एरिया है, जहां काम करना बाकी है। आजादी को 75 साल हो गए हैं, हम लोग आज भी पानी पर काम कर रहे हैं। आज भी गांवों में स्कूल नहीं हैं। एक आम इंसान को भी अनगिनत चुनौतियों से गुजरना पड़ता है और जब आप औरत होते हैं, तो आपकी दिक्कतें ज्यादा होती हैं।

उर्वशी रौतेला की तीन मिनट के आइटम नंबर के लिए 2 करोड़ फीस

उर्वशी रौतेला ने चिरंजीवी की 13 जनवरी को रिलीज हुई फिल्म वाल्टेयर वीरय्या में एक आइटम नंबर करने के करोड़ो रुपए वसूले हैं। उन्होंने तीन मिनट के गाने बॉस पार्टी में डांस करने के लिए 2 करोड़ रुपए की भरकम फीस चार्ज की है। उर्वशी ने जितनी फीस चार्ज की है उतना तो फिल्म के विलेन प्रकाश राज ने भी नहीं लिया है। प्रकाश राज को विलेन की भूमिका निभाने के लिए 1.5 करोड़ फीस मिली है। चिरंजीवी और उर्वशी फीचर्ड इस वीडियो सॉन्ग को काफी पसंद किया या है, साथ ही फिल्म की कमाई भी काफी जबरदस्त है। फिल्म ने अब तक वर्ल्डवाइड 200 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है।

चिरंजीवी ने 50 करोड़ चार्ज किए

रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म वाल्टेयर वीरय्या में काम करने के लिए चिरंजीवी ने लगभग 50 करोड़ रुपए चार्ज किए हैं। वहीं फिल्म के अन्य लीड एक्टर रवि तेजा ने 17 करोड़ का अमाउंट चार्ज किया है। फिल्म की एक्ट्रेस श्रुति हसन ने 2.5 करोड़ फीस चार्ज की है। हालांकि समझने वाली बात ये है कि उर्वशी को 2 करोड़ रुपए सिर्फ 3 मिनट के डांस नंबर के लिए मिले हैं।

फिल्म ने 200 करोड़ का कलेक्शन किया

वाल्टेयर वीरय्या एक एक्शन ड्रामा फिल्म है। फिल्म में चिरंजीवी ने डॉन की भूमिका निभाई है वहीं रवि तेजा एसीपी विक्रम सार के रोल में हैं। रिलीज के साथ ही दर्शकों में फिल्म को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। चिरंजीवी साउथ सिनेमा के सबसे पॉपुलर एक्टर्स में एक हैं तो जाहिर है कि उनकी फिल्मों के लिए दर्शकों में अल ही उत्साह देखने को मिलता है। फिल्म में श्रुति हसन का रोल भी काफी अहम है। रिलीज के सिर्फ 10 दिनों में फिल्म ने वर्ल्डवाइड 200 करोड़ कलेक्शन कर लिया है।

सालों बाद लौटेगी मुन्ना भाई और सर्किट की जोड़ी

मुन्ना भाई और सर्किट की जोड़ी तो आपको याद ही होगी। एक बार फिर इस परफेट और सबसे फेवरेट जोड़ी को देखने के लिए तैयार हो जाए। जी हां, संजय दत्त और आरशद वारसी एक बार फिर एक साथ नजर आने वाले हैं। संजय दत्त ने एक पोस्टर शेयर कर इसकी जानकारी दी है। संजय दत्त और अरशद वारसी की मुन्ना भाई 3 का इंतजार फैंस लंबे समय से कर रहे हैं। आज गणतंत्र दिवस के मौके पर मेकर्स ने इसका ऐलान कर दिया है कि जल्द ही मुन्नाभाई एमबीबीएस के सीक्वल के साथ बॉक्स ऑफिस पर उतरने वाले हैं। इसका पोस्टर भी संजय दत्त ने अपने इंस्ताग्राम पर शेयर किया है। इस पोस्टर में संजय और अरशद जेल में नजर आ रहे हैं। दोनों ने कैदियों के ड्रेस पहनी हुई है और वो परेशान नजर आ रहे हैं। इस पोस्टर को शेयर करते हुए संजय ने कैप्शन में लिखा - हमारा इंतजार आप सभी से कहीं ज्यादा था। मैने अपने भाई अरशद वारसी के साथ एक बार फिर बढ़िया फिल्म लेकर आ रहा हूं। आप सभी को ये फिल्म दिखाने का इंतजार मैं नहीं कर सकता। जुड़े रहिए। हालाकिं, अभी तक संयज दत्त व मेकर्स ने फिल्म का टाइटल का खुलासा नहीं किया है। लेकिन अरशद और संजय की लुक को देखकर तो लग रहा है जैसे इस बार इस सीक्वल में कछ तो खिचड़ी पकने वाली है।

शिल्पा शेट्टी ने पूरी की अपकमिंग सीरीज की शूटिंग

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी जल्द ही इंडियन पुलिस फोर्स में नजर आएंगी। इन दिनों वह सीरीज की आखिरी शूटिं के लिए हैदराबाद में थी। इसी बीच एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर वीडियो किया है, जिसमें उन्होंने फैंस को बताया की उन्होंने शूटिंग पूरी कर ली है। इस वीडियो में शिल्पा, रोहित शेट्टी और पूरी टीम के साथ वॉक करते हुए नजर आ रही हैं। वीडियो को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, सफर का खत्म होना अछा है पर कभी कभी ये सफर ही है जो मायने रखता है। इस सफर को इतना यादार बनाने के लिए प्रोडक्शनस टीम का धन्यवाद। यह इंडियन पुलिस फोर्स पर एक रैप है। मैं अब अपनी बकेट लिस्ट में एक टिक और जोड़ सकती हूं। कुछ कारों और हड्डियों के टूटने के बाद हम पहले से कहीं मजबूत हैं।

बता दें कि 'इंडियन पुलिस फोर्स प्राइम वीडियो पर रिलीज होने वाली है। इस एक्शन पैक्ड सीरीज में शिल्पा शेट्टी, सिद्धार्थ मल्होत्रा और विवेक ओबेरॉय भी मुख्य भूमिका में दिखाई दें। रोहित शेट्टी की इस एक्शन पैक्ड सीरीज को देखने के लिए फैंस काफी एक्साइटेड हैं।

बता दें कि हाल ही में रोहित शेट्टी एक एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग के दौरान सेट पर घायल हो ए थे। उनकी उंलियों में चोट आई थी। जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया या और तुरंत इलाज किया ग वह कुछ ही समय में सेट पर लौट आए थे। इसके बाद सिद्धार्थ मल्होत्रा ने सेट पर रोहित का वेलकम करते हुए एक वीडियो भी शेयर किया था और लिखा था, एक सचा मास्टर उदाहरण पेश करता है। हम सभी रोहितशेट्टी सर के एक्शन के प्यार और उनके द्वारा निर्देशित स्टंट के प्रति उनके जुनून के बारे में जानते हैं। कल रात कार स्टंट एक्शन पीस करते हुए उनके साथ एक एक्सीडेंट हो या एक मामूली सर्जरी के बाद वह 12 घंटे से भी कम समय में सेट पर वापस आ गए।

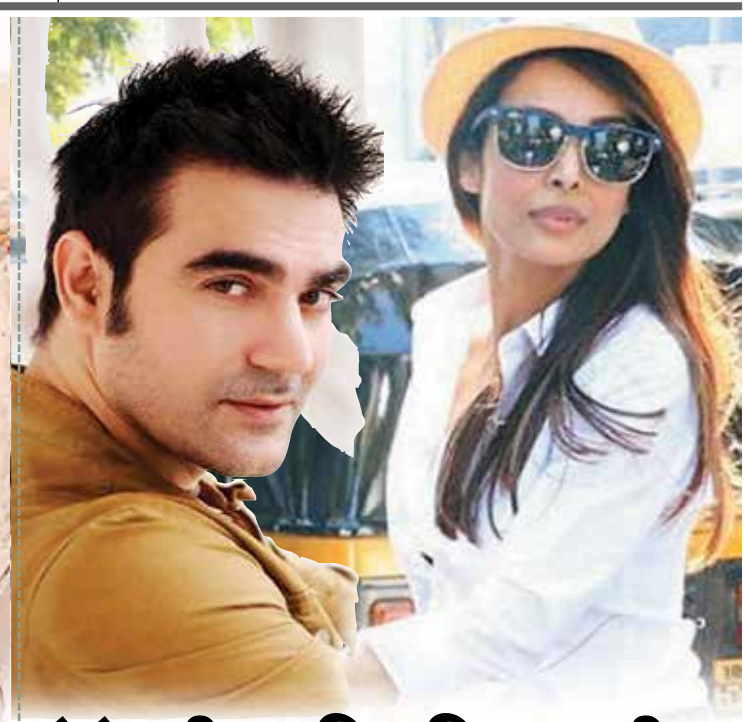

बेटे की खातिर फिर करीब आए अरबाज-मलाइका

मलाइका अरोड़ा और अरबाज खान अब पति-पत्नी नहीं हैं। दोनों का तलाक हो चुका है। मगर, दोनों के फैंस अब भी इन्हें साथ देखना पसंद करते हैं। जब भी मलाइका और अरबाज साथ होते हैं तो फैंस की खुशी सातवें आसमान पर होती है। एक बार फिर कुछ ऐसा ही हुआ। बेटे अरहान की खातिर दोनों फिर साथ आए तो इनके चाहने वालों को मानो कोई तोहफा मिल गया हो। बता दें कि सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, इसमें अरबाज और मलाइका अरोड़ा एक-दूजे को गले लगाते नजर आ रहे हैं। वहीं एक और वीडियो में दोनों अपने बेटे अरहान के साथ नजर आ रहे हैं। यूजर्स दोनों की को-पैरेंटिंग की जमकर तारीफ कर रहे हैं। बता दें कि मलाइका अरोड़ा और अरबाज खान की राहें बेशक जुदा हो गई हैं, लेकिन वे को-पैरेंटिंग बहुत अच्छे से निभा रहे हैं। दोनों हमेशा अपने बेटे अरहान खान को एयरपोर्ट पर ड्रॉप करने या रिसीव करने आते हैं। एक बार फिर मलाइका और उनके एक्स हसबैंड अरबाज खान को एयरपोर्ट पर बेटे अरहान के साथ स्पॉट किया गया। दोनों अरहान को एयरपोर्ट छोड़ने आए थे। बता दें कि अरहान अमेरिका में फिल्ममेकिंग की पढ़ाई कर रहे है।

यामी गौतम धर स्टारर लॉस्ट 16 फरवरी को ओटीटी पर होगी रिलीज

डायरेक्ट-टू-डिजिटल मार्ग लेते हुए, यामी गौतम धर-अभिनीत फिल्म लॉस्ट 16 फरवरी को ओटीटी पर रिलीज होगी। फिल्म में पंकज कपूर, राहुल खन्ना, नील भूपलम, पिया और तुषार पांडे भी हैं। प्रमुख भूमिकाओं में, पिंक प्रसिद्धि के अनिरुद्ध रॉय चौधरी हैं। श्यामल द्वारा लिखित और रितेश शाह के संवादों के साथ, लॉस्ट कोलकाता पर आधारित है और सची घटनाओं से प्रेरित है। फिल्म एक खोजी थ्रिलर है जो एक युवा थिएटर कार्यकर्ता के अचानक गायब होने के पीछे की सचाई की अथक खोज में एक उजवल युवा क्राइम रिपोर्टर की कहानी बताती है। फिल्म की स्क्रीनिं पिछले साल नवंबर में गोवा में 53वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में हुई थी। जी स्टूडियोज और नमह पिक्चर्स द्वारा निर्मित, लॉस्ट का प्रीमियर 16 फरवरी से जी5 पर होगा।

गुरु रंधावा अभिनीत कुछ खट्टा हो जाए की शूटिंग पूरी हुई

फैमिली एंटरटेनर फिल्म कुछ खट्टा हो जाए, जो लाहौर के हिटमेकर गुरु रंधावा के बॉलीवुड में अभिनय की शुरूआत है, ने हाल ही में इसकी शूटिं पूरी की। फिल्म में अनुपम खेर, सई एम मांजरेकर, इला अरुण, परितोष त्रिपाठी, अतुल श्रीवास्तव और परेश नात्रा भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म में संगीत का एक सही मिश्रण है और इसमें कुछ फुट-टैपिंग और भावपूर्ण संगीत है। फिल्म का इसका जश्न मनाने के लिए शहर में एक विशाल पार्टी भी आयोजित की ई जिसमें पूरी स्टार कास्ट ने भाग लिया और तस्वीरें वास्तव में आकर्षक हैं। कुछ खट्टा हो जाए को बड़े पैमाने पर आरा के आकर्षक स्थानों पर शूट किया गया है और दर्शक निश्चित रूप से कुछ भव्य और असाधारण सेट की उम्मीद कर सकते हैं। यह फिल्म अब पोस्ट-प्रोडक्शन चरण में प्रवेश करेगी और इसके बाद यह 2023 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

संक्षिप्त खबरें

लाल निशान पर खुला शेयर बाजार, सेंसेक्स 510 अंक लुढ़का

नई दिल्ली। हफ्ते के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को वैश्विक बाजारों के उलट भारतीय शेयर बाजार खुलते ही धराशायी हो गया। सेंसेक्स शुरूआती कारोबार में ही 647.78 अंकों तक टूट गया। फिलहाल बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 510.29 अंक यानी 0.85 फीसदी लुढ़कर 59,694.77 के स्तर पर ट्रेंड कर रहा है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 136.70 अंक यानी 0.76 फीसदी टूटकर 17,755.25 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। डाणी ग्रुप के शेयर में 16 फीसदी तक की गिरावट है।टाटा मोटर्स के शेयरों में जरूर छह प्रतिशत की तेजी है। हालांकि, बाजार में कोहराम के बीच कुछ शेयर शेयरधारकों का हौसला बढ़ाने का काम कर रहे हैं। आज अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड के अनुवर्ती सार्वजनिक निर्गम (एफपीओ) की शुरूआत हो रही है। यह 20 हजार करोड़ रुपये का है। इस एफपीओ का प्राइस बैंड 3112-3276 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। उल्लेखनीय है कि बुधवार को बीएसई का सेंसेक्स 770 से ज्यादा अंक गिरकर 60,331 के स्तर पर बंद हुआ। एनएसई का निफ्टी भी 209 अंकों की गिरावट के साथ 18,000 के नीचे बंद हुआ था।

कच्चा तेल 88 डॉलर प्रति बैरल के करीब, पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम में उतार-चढ़ाव जारी है। पिछले 24 घंटे में ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 88 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 82 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक शुक्रवार को राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये, डीजल 89.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये, डीजल 94.27 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये, डीजल 92.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के पांचवें दिन शुरूआती कारोबार में ब्रेंट क्रूड 0.33 डॉलर यानी 0.38 फीसदी की बढ़त के साथ 87.80 डॉलर प्रति बैरल के करीब ट्रेंड कर रहा है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 0.31 डॉलर यानी 0.38 फीसदी की तेजी के साथ 81.32 डॉलर प्रति बैरल के करीब कारोबार कर रहा है।

गूगल ने किया सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन, भारत में एंड्रॉइड प्लेटफॉर्म के लिए नियम बदले

गूगल ने गुरुवार को एंड्रॉइड के लिए भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) के हालिया निदेर्शों का पालन करने की घोषणा करते हुए कहा कि यह भारत में एंड्रॉइड उपयोगकताओं को अगले महीने से तीसरे पक्ष के बिलिंग विकल्पों का उपयोग करने की अनुमति देगा। तकनीकी दिग्गज ने एक बयान में कहा कि भारतीय उपयोगकताओं के पास अब एक विकल्प स्क्रीन के माध्यम से अपना डिफॉल्ट खोज इंजन चुनने का विकल्प होगा, जो जल्द ही उपयोगकर्ता द्वारा देश में एक नया एंड्रॉइड स्मार्टफोन या टैबलेट सेट करने पर दिखाई देना शुरू हो जाएगा। गूगल ने कहा, एंड्रॉइड और प्ले के लिए उउक के हालिया निदेशरें में हमें भारत के लिए महत्वपूर्ण बदलाव करने की आवश्यकता है, और हमने उउक को सूचित किया है कि हम उनके निदेर्शों का पालन कैसे करेंगे।

नरेन्द्र मोदी की प्रतिबद्धता के अनुरूप हरित भविष्य की ओर बढ़ रहा है इंडियन ऑयल

नई दिल्ली, एजेंसी

74वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर इंडियन ऑयल के देश के सभी लोकेशन के प्रमुखों ने एक साथ इंडियन ऑयल के अध्यक्ष के साथ ऑनलाइन जुड़कर झंडा फहराया और एक सुर में राष्ट्रगान गाते हुए देशभक्ति के रंग में रम गए। बरौनी रिफाइनरी में कार्यपालक निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख आर के झा ने राष्ट्र ध्वज फहरा कर सलामी देने के बाद परेड का निरीक्षण किया।

समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह दिन हमें अपने देश में स्थापित गणतंत्र और संविधान के महत्व को समझाता है। आज हमारा देश असीम शक्तियों को समेट पूरे विश्व में तेजी के साथ विकास करते हुए नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। इस गौरवशाली देश के कर्तव्यनिष्ठ नागरिक होने के नाते अपने मौलिक अधिकारियों का सुख लेने के साथ-साथ देश के प्रति अपनी जिम्मेदारियों के लिए भी प्रतिबद्ध हैं।

नेट-जीरो लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रतिबद्धता के अनुरूप इंडियन ऑयल ने 2023 को सुदृढ़ हो हरित संकल्प के रूप में घोषित किया है। यह लक्ष्य इंडियन ऑयल के हरित फोकस को प्रमाणित करता है। जिसके अनुरूप हम नए हरित अवसरों को तलाशने तथा देश और वैश्विक मंच पर सहयोग के नए आयाम खोजेंगे। हरित भविष्य की दिशा में कॉर्पोरेशन दृढ़ विश्वास के साथ तैयारी और निवेश कर रहा है। बरौनी रिफाइनरी भी अपने पर्यावरणीय संरक्षण उपायों के माध्यम से कॉर्पोरेट विजन के साथ प्रगति कर रही है।

भारत ने 2022 में अपनी अक्षय ऊर्जा क्षमता को बढ़ाने के लिए विशाल कदम उठाए, नवम्बर तक 9.6 गीगावाट जोड़ा और अब स्थापित क्षमता के मामले में दुनिया का चौथा सबसे बड़ा देश है। 2070 तक नेट जीरो उत्सर्जन प्राप्त करने के भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप सरकार 2030 तक अक्षय ऊर्जा क्षमता को 500 गीगावाट तक बढ़ाने के अल्पकालिक लक्ष्य पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है। इस दिशा में कदम मिलाते हुए इंडियन ऑयल मौजूदा 240 मेगावाट को 2026 तक लगभग पांच गीगावाट

और 2046 तक 12 गीगावाट से अपनी नवीकरणीय क्षमता को बढ़ाने के लिए तैयार है।

इंडियन ऑयल, एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के साथ एक जेभी बनाया है। जिससे इंडियन ऑयल रिफाइनरियों की 650 मेगावाट बिजली की जरूरतों को अक्षय ऊर्जा से पूरा किया जा सके। इंडियन ऑयल हाइड्रोजन मोबिलिटी में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इंडियन ऑयल की दृष्टि के अनुरूप रिफाइनरीज डिवीजन के लिए नेट जीरो लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए समयबद्ध कार्य योजना, विभिन्न पहलों का निरंतर मूल्यांकन, अनुमोदित इनकॉन योजनाओं के कार्यान्वयन को चलाना, उत्सर्जन शमन के लिए शमन कार्यान्वयन की निरंतर निगरानी और नियमित अंतराल पर प्रबंधन को अवगत कराना और सुझाव देना शामिल है। 2022 में बरौनी रिफाइनरी में एशिया का पहला और दुनिया में तीसरा ग्रीन कूलिंग टावर स्थापित करने के परिणामस्वरूप करीब 1.3 करोड़ प्रति वर्ष आवर्ती बिजली लागत की बचत होगी। इंडजेट यूनिट की कमीशनिंग और इंडियन ऑयल के चेयरमैन द्वारा एटीएफ के पहले डिस्पैच को हरी झंडी दिखाना इस क्षेत्र में हर संभावित बाजार की जरूरतों को पूरा करने के हमारे निरंतर फोकस का एक उल्लेखनीय अध्याय है। इसके अलावा, रिकॉर्ड समय के भीतर डीजीएक्यूए और सीईएमआईएलएसी रक्षा ग्रेड एटीएफ के उत्पादन, भंडारण, निरीक्षण, परीक्षण और वितरण के लिए प्रमाणन प्राप्त करना सराहनीय था। गर्व है कि बिहार का हर विमान अब बरौनी रिफाइनरी से उत्पादित ईंधन भरेगा। यह हमें नेपाल में एटीएफ की मांग को पूरा करने में भी सक्षम बनाता है। टीम बरौनी रिफाइनरी अविश्वसनीय रूप से बढ़ रही है, हम अपने धैर्य और लगन से निर्धारित लक्ष्यों को पार कर लेंगे। बरौनी रिफाइनरी के क्षितिज को पूरी तरह से बदलने वाली बीआर-9 विस्तारीकरण परियोजना गतिशीलता से आगे बढ़ रही है। बीआर-09 विस्तार परियोजना ने दिसम्बर 2022 में 15 मिलियन एलटीए मुक्त मानव घंटे सफलतापूर्वक हासिल किया। बरौनी रिफाइनरी ने 22-23 का कैपेक्स लक्ष्य भी हासिल कर लिया, जो पूरी टीम के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। बीआर-9 विस्तार परियोजना बिहार राज्य के लिए सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है। इस परियोजना को आगे बढ़ाने एवं समय सीमा में धैर्य और लगन के साथ सुनिश्चित करना हमारी बहुत बड़ी जिम्मेदारी है।

बरौनी रिफाइनरी बेगूसराय के साथ बिहार राज्य के आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। 2021-22 में बरौनी रिफाइनरी 8465 करोड़ उत्पाद शुल्क के पेमेंट के साथ बिहार की उच्चतम करदाता रही। नेट जीरो 2046 के प्रति बरौनी रिफाइनरी पेड़ लगाकर ग्रीन बेल्ट को बढ़ाने के अभियान पर भी काम कर रही है, जो भारत को हरित भविष्य की ओर ले जाने के हमारे दृढ़ संकल्प को बल प्रदान करेगा। इसके साथ ही एक सौ केवी का वाटर फ्लोटिंग सोलर पीवी सिस्टम को भी स्थापित किया गया। स्वच्छ ईंधन की दिशा में डीईएफ संयंत्र 24 जनवरी 2023 को मार्केटिंग डिविजन को सौंपा गया है।

अडाणी समूह पर लगे आरोपों की जांच करें आरबीआई और सेबी : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिकी वित्तीय शोध कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च की ओर से अडाणी समूह पर लगाए गए आरोपों की जांच भारतीय रिजर्व बैंक और सेबी को करनी चाहिए क्योंकि भारत की वित्तीय प्रणाली की स्थिरता और सुरक्षा इन संस्थानों की जिम्मेदारी है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि इस कारोबारी समूह और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच नजदीकी रिश्ते हैं और इस समूह को इसका फायदा हुआ है। उन्होंने एक बयान में कहा, आमतौर पर राजनीतिक दलों को किसी कंपनी या कारोबारी समूह के बारे में आई किसी अध्ययन रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया नहीं करनी चाहिए, लेकिन अडाणी समूह को लेकर हिंडनबर्ग रिसर्च के फॉरेंसिक अध्ययन पर कांग्रेस की प्रतिक्रिया जरूरी है क्योंकि अडाणी समूह कोई सामान्य समूह नहीं है, बल्कि इसकी पहचान नरेन्द्र मोदी के मुख्यमंत्री रहने के दौरान उनके नजदीकी होने की है ह्व रमेश ने कहा कि जो आरोप लगे हैं उनकी जांच व्यापक जनहित में रिजर्व बैंक और सेबी जैसी संस्थाओं द्वारा की जानी चाहिए जिन पर भारतीय वित्तीय प्रणाली की स्थिरता और सुरक्षा की जिम्मेदारी है। अमेरिकी वित्तीय शोध कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने समूह पर कई आरोप लगाए हैं। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में उद्योगपति गौतम अडाणी की अगुवाई वाले समूह पर खुले तौर पर शेयरों में गड़बड़ी और लेखा धोखाधड़ी में शामिल होने का आरोप लगाया गया है। आरोप के बाद विविध कारोबार से जुड़े अदाणी समूह की सूचीबद्ध कंपनियों के शेयरों में बड़ी गिरावट आई। अडाणी समूह ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह अपनी प्रमुख कंपनी के शेयर बिक्री को नुकसान पहुंचाने के प्रयास के तहत बिना सोचे-विचारे काम करने के लिये अमेरिकी वित्तीय शोध कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च के खिलाफ ह्यदंडात्मक कार्रवाई को लेकर कानूनी विकल्पों पर गौर कर रहा है। वहीं अमरिकी वित्तीय शोध कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने कहा कि वह अपनी रिपोर्ट पर पूरी तरह कायम है।

ग्रेट निकोबार आइलैंड में 41,000 करोड़ रुपये की परियोजना के लिए अभिरुचि पत्र आमंत्रित करेगी सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय ने बंगाल की खाड़ी में ग्रेट निकोबार आइलैंड पर 41,000 करोड़ रुपये की अंतरराष्ट्रीय ट्रांसशिपमेंट बंदरगाह परियोजना के लिए अभिरुचि पत्र आमंत्रित किए हैं।

मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा कि यह परियोजना 41,000 करोड़ रुपये (पांच अरब डॉलर) के निवेश से पूरी होने की उम्मीद है जिसमें सरकार के साथ-साथ पीपीपी के तहत रियायत पाने वालों का निवेश भी शामिल होगा। अभिरुचि पत्र 28 जनवरी को जारी किया जाएगा।

अंडमान निकोबार द्वीपसमूह में इस प्रस्तावित बंदरगाह में प्रतिवर्ष 1.6 करोड़ बंदरगाहों को संभालने की क्षमता होगी। इसका पहला चरण 18,000 करोड़ रुपये के निवेश के

साथ 2028 तक शुरू हो जाएगा और इसमें 40 लाख पोतों को संभालने की क्षमता होगी।

पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सबानंद सोनोवाल ने कहा, यह परियोजना भारत को आत्मविश्वास से भरा एक आत्मनिर्भर देश बनाने में अहम भूमिका निभाएगी और देश के आर्थिक विकास में भी मददगार होगी।

ट्रांसशिपमेंट (एक पोत से माल उतारना और दूसरे में लदान करना) बंदरगाह के नजदीक जिन अन्य परियोजनाओं की योजना है उनमें हवाई अड्डा, टाउनशिप और बिजली संयंत्र शामिल हैं।

प्रस्तावित परियोजना अंतरराष्ट्रीय व्यापार मार्ग पर स्थित है और सिंगापुर, क्लांग तथा कोलंबो जैसे अन्य ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल इसके करीब हैं। संकल्पना के अनुसार इस परियोजना का विकास चार चरणों में किया जाएगा।

अडाणी समूह के शेयरों में गिरावट जारी; अडाणी टोटल गैस का शेयर करीब 20 फीसदी टूटा

नई दिल्ली, एजेंसी

अडाणी समूह के शेयर शुक्रवार को भी दबाव में रहे और शुरूआती सौदों में इनमें 20 फीसदी की गिरावट आई। अमेरिकी वित्तीय शोध कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने समूह पर कई आरोप लगाए हैं। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में उद्योगपति गौतम अडाणी की अगुवाई वाले समूह पर ह्यखुले तौर पर शेयरों में गड़बड़ी और लेखा धोखाधड़ी में शामिल होने का आरोप लगाया गया है। कंपनी के इस आरोप के बाद विविध कारोबार से जुड़े समूह की सूचीबद्ध कंपनियों के शेयरों में बड़ी गिरावट आई। अडाणी टोटल गैस के शेयर 19.65 फीसदी गिरे, अडाणी ट्रांसमिशन के 19 फीसदी, अडाणी ग्रीन एनर्जी के 15.50 फीसदी और अडाणी एंटरप्राइजेज के शेयर में 6.19 फीसदी की गिरावट आई है। वहीं अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन के शेयर 5.31 फीसदी गिरे, अडाणी विल्मर के 5 फीसदी और अडाणी पॉवर के शेयर में 4.99 फीसदी की गिरावट आई। अडाणी समूह ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह अपनी प्रमुख कंपनी के शेयर बिक्री को नुकसान पहुंचाने के प्रयास के तहत बिना सोचे-विचारे काम करने के लिये अमेरिकी वित्तीय शोध कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई को लेकर कानूनी विकल्पों पर गौर कर रहा है। वहीं अमरिकी वित्तीय शोध कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने कहा कि वह अपनी रिपोर्ट पर पूरी तरह कायम है। समूह के लीड प्रमुख जतिन जलुंधवाला ने कहा, हिंडनबर्ग रिसर्च ने गलत इरादे से बिना कोई शोध और पूरी जानकारी के समूह के खिलाफ 24 जनवरी, 2023 को रिपोर्ट प्रकाशित की। इससे अडाणी समूह, हमारे शेयरधारकों और निवेशकों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। भारतीय शेयर बाजार में रिपोर्ट के जरिये जो उतार-चढ़ाव आया, वह काफी चिंता की बात हैह्व। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट और उसकी निराधार बातें कुछ और नहीं, बल्कि अडाणी समूह की कंपनियों के शेयरों की कीमतों को नुकसान पहुंचाने के लिए तैयार की गयी थीं। जलुंधवाला ने कहा, एक विदेशी इकाई ने जानबूझकर और बिना सोचे-विचारे निवेशक समुदाय और आम लोगों को गुमराह करने का प्रयास किया है। उसने अडाणी समूह, उसके नेतृत्व की साख को बट्टा लगाने के साथ हमारी प्रमुख कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज के एफपीओ (अनुवर्ती सार्वजनिक निर्गम) की बिक्री को नुकसान पहुंचाने का काम किया है। हम उसकी इन हरकतों से काफी परेशान हैं। उन्होंने कहा, हम हिंडनबर्ग रिसर्च के खिलाफ अमेरिकी और भारतीय कानून के तहत निपटने और दंडात्मक कार्रवाई पर गौर कर रहे हैं। इससे पहले बुधवार को अमेरिकी वित्तीय शोध कंपनी हिंडनबर्ग ने कहा था कि उसके दो साल के शोध के बाद यह पता चला कि अडाणी समूह दशकों से खुले तौर पर शेयरों में गड़बड़ी और लेखा धोखाधड़ी में शामिल रहा है।

एयर इंडिया ने उल्लेखनीय प्रगति की है, विमानों के ऐतिहासिक ऑर्डर को अंतिम रूप दे रहे

नई दिल्ली, एजेंसी

टाटा समूह द्वारा एयर इंडिया का अधिग्रहण पूरा किए जाने के एक वर्ष पूरा होने के मौके पर एयरलाइन ने शुक्रवार को कहा कि वह नए विमानों के ऐतिहासिक ऑर्डर को पूरा कर रही है। एयरलाइन के प्रमुख कैंपबेल विल्सन ने इस अवसर पर कहा कि विमानन क्षेत्र की कंपनी ने उल्लेखनीय प्रगति की है।

एयर इंडिया 2.0 के दूसरे वर्ष में प्रवेश करने के मौके पर विल्सन ने कर्मचारियों को भेजे संदेश में कहा कि आगे का रास्ता चुनौतीपूर्ण रहने

वाला है और उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हमें सफलता से कहीं अधिक परिभाषित यह बात करेगी कि हमारी खामियों को लेकर हमारा रुख कैसा होता है। एयरलाइन ने अपने रूपांतरण के लिए अगले पांच साल की रूपरेखा विहान.एआई के तहत तय की है जिसमें विभिन्न कदम उठाए जाएंगे और कंपनी अपने चौड़े विमानों के बेड़े का आंतरिक स्वरूप बदलने के लिए 40 करोड़ डॉलर का निवेश करेगी। हालांकि, हाल के हफ्तों में कंपनी को दो अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में यात्रियों के खराब बर्ताव जैसी घटनाओं के कारण परेशानी का सामना करना पड़ा और एयरलाइन पर विमानन क्षेत्र के नियामक नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने जुमार्ना भी लगाया।

अपनी प्रमुख पहलों की जानकारी देते हुए एयर इंडिया ने शुक्रवार को कहा कि वह भावी वृद्धि को गति देने के लिए नए विमानों के ऐतिहासिक ऑर्डर को अंतिम रूप दे रही है। इसमें बताया गया कि एयरलाइन ने अपनी क्षमताओं को बढ़ाने की खातिर विभिन्न कार्यों के लिए 1,200 से अधिक पेशेवरों को अपने साथ जोड़ा है। एयर इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक विल्सन ने अपने संदेश में कहा, बेहतरी के लिए काम करने के दौरान एयरलाइन ने एयर इंडिया एक्सप्रेस और एयर एशिया के विलय, या विस्तारा और एयर इंडिया के विलय, या नए इंफोटेक केंद्र या एविएशन एकेडमी की स्थापना जैसे अन्य महत्वकांक्षी कदम उठाने में संकोच नहीं किया है।

टाटा समूह ने पिछले वर्ष 27 जनवरी को सरकार से घाटे में चल रही एयर इंडिया की कमान अपने हाथों में ले ली थी।

वित्त मंत्रालय बजट में मध्यम वर्ग को राहत देने पर कर रहा विचार

नई दिल्ली, एजेंसी

नरेन्द्र मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल के अंतिम पूर्ण बजट में वित्त मंत्रालय मध्यम वर्ग को लाभ देने वाले प्रस्तावों पर विचार कर रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी, 2023 को लोकसभा में बजट पेश करेंगीं। सूत्रों ने बताया कि वित्त मंत्रालय विभिन्न सरकारी विभागों की तरफ से भेजे गए ऐसे प्रस्तावों पर विचार कर रहा है, जिनसे मध्यम वर्ग के बड़े भाग को लाभ पहुंचे। इसकी घोषणा बजट में की जा सकती है।

सरकार ने अभी तक आयकर छूट की सीमा 2.5 लाख रुपये से अधिक नहीं की है, जिसे 2014 में तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली ने उस सरकार का पहला बजट पेश करते हुए तय की थी। इसके साथ ही 2019 से मानक कटौती

50,000 रुपये बनी हुई है। कई विशेषज्ञों का मानना है कि महंगाई के उच्च स्तर में वेतनभोगी मध्यम वर्ग को राहत देने के लिए आयकर छूटसीमा और मानक कटौती बढ़ाने की जरूरत है। वित्त मंत्री के हाल ही में दिए एक बयान ने मध्यम वर्ग में उम्मीद बढ़ा दी थी कि आगामी बजट में उन्हें कुछ राहत मिल सकती है। वित्त मंत्री ने कहा था कि वे इस वर्ग पर मौजूद दबाव से अवगत हैं। उन्होंने कहा था, मैं भी मध्यम वर्ग से हूं इसलिए मैं इस वर्ग पर दबाव को समझती हूं। मैं खुद को मध्यम वर्ग के साथ मानती हूं इसलिए मैं जानती हूं। सीतारमण ने कहा था, मैं इन समस्याओं को समझती हूं। सरकार ने उनके लिए बहुत किया है और लगातार कर रही है। छूट सीमा और मानक कटौती में फेरबदल करने के अलावा वित्त मंत्रालय 80सी के अंतर्गत निवेश छूट सीमा बढ़ाने की संभावनाओं पर भी विचार कर रहा है। इसमें जीवन बीमा, एफडी, बॉन्ड, आवासीय और पीपीएफ व अन्य सेवाएं आती हैं। फिलहाल इसके तहत 1.50 लाख रुपये तक के निवेश पर छूट है। सूत्रों ने कहा कि स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम के लिए भुगतान पर भी विचार किया जा रहा है। सरकार निवेशकों को लाभ पहुंचाने के लिए पूंजीगत लाभ कर नियमों को भी आसान कर सकती है। इससे मध्यम वर्ग से आने वाले निवेशकों को लाभ होगा।

शुरूआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 9 पैसे की बढ़त के साथ 81.52 पर आया

नई दिल्ली, एजेंसी

शुक्रवार को शुरूआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 9 पैसे की बढ़त के साथ 81.52 पर आ गया। अडाणी एंटरप्राइजेज के 20,000 करोड़ रुपये के एफपीओ में विदेशी पूंजी की आवक की उम्मीदों से भी घरेलू मुद्रा को बल मिला।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 81.51 पर खुला।

इसका पिछला बंद भाव 81.61 था। शुरूआती सौदों में यह 81.50 से 81.58 के दायरे में कारोबार कर रहा था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दशार्ने वाला डॉलर सूचकांक 0.08 प्रतिशत की बढ़त के साथ 101.92 पर आ गया।

वैश्विक तेल सूचकांक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.34 फीसदी बढ़कर 87.77 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर था।

इस साल 5.8 प्रतिशत की वृद्धि के साथ भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली, एजेंसी

इस साल जब विश्व अर्थव्यवस्था के मात्र 1.9 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद है, तब 5.8 प्रतिशत की वृद्धि के साथ भारत दुनिया की सबसे तेज अथव्यवस्था होगी। यह बात वैश्विक अर्थव्यवस्था की निगरानी करने वाले संयुक्त राष्ट के मुख्य अधिकारी ने कही।

भारत की अध्यक्षता वाली बड़ी विकसित और उभरती अर्थव्यवस्थाओं के समूह प्रमुख हामिद राशिद ने कहा, वैश्विक आर्थिक निगरानी शाखा अगले वर्ष के लिए भारत के लिए 6.7 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान लगा रहा है, जो जी20 के अन्य सदस्य देशों के सापेक्ष बहुत अधिक है। इस बीच नई दिल्ली में भारत के राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारत के आर्थिक प्रदर्शन का श्रेय उसके नेतृत्व को दिया।

मुर्मू ने अपने गणतंत्र दिवस के भाषण में कहा, सरकार के समय पर और सक्रिय हस्तक्षेप के कारण भारत सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक रहा है। विशेष रूप से सरकार की आत्मानिर्भर

भारत की पहल ने लोगों के बीच शानदार प्रतिक्रिया हासिल की।

संयुक्त राष्ट्र की विश्व आर्थिक स्थिति और संभावनाएं (डब्ल्यूईएसपी) की रिपोर्ट जारी होने के मौके पर पत्रकारों को जानकारी देते हुए राशिद ने कहा कि भारत का विकास संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में एक अच्छा कदम है। संयुक्त राष्ट्र की प्रमुख आर्थिक रिपोर्ट डब्ल्यूईएसपी के अनुसार विकास दर के मामले में चीन दूसरे स्थान पर चीन में इस वर्ष 4.8 प्रतिशत और अगले वर्ष 4.5 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था के इस वर्ष 0.4 प्रतिशत और अगले वर्ष 1.7 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है। जबकि समग्र रूप से विकसित अर्थव्यवस्थाओं के लिए रिपोर्ट में मई में अनुमानित विकास दर में 0.2 प्रतिशत से 0.4 प्रतिशत और इस वर्ष 1.6 प्रतिशत की कटौती की गई है। अगले वर्ष 1.7 प्रतिशत की कमी की उम्मीद है।

राशिद ने भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास के लिए गिरती बेरोजगारी, मुद्रास्फीति में कमी और कम आयात बिल को जिम्मेदार बताया है। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी दर पिछले चार वर्षों में 6.4 प्रतिशत हो गई है। इसका मतलब है कि घरेलू मांग काफी मजबूत रही है। डब्ल्यूएसपी ने कहा कि ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि 2022 में शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में नौकरियों की वृद्धि हुई।

राशिद ने कहा, मुद्रास्फीति का दबाव भी काफी हद तक कम हो गया है। इसका मतलब है कि केंद्रीय बैंक को मौद्रिक सख्ती पर आक्रामक नहीं होना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि भारत को कम आयात से भी लाभ हुआ है, विशेष रूप से ऊर्जा आयात लागत, जो पिछले वर्षों की तुलना में कम रही है।

राशिद ने कहा, मुझे लगता है कि यह भारत के लिए एक सतत विकास दर है, क्योंकि भारत में भी बड़ी संख्या में लोग गरीबी में जी रहे हैं। इसलिए अगर भारत निकट अवधि में इस विकास दर को बनाए रख सकता है, तो यह एक आम लोगों के लिए अच्छा होगा। उन्होंने भारत की अर्थव्यवस्था के लिए मुख्य रूप से वैश्विक स्थिति से उत्पन्न होने वाले दो जोखिमों की ओर इशारा किया।

एक उच्च ब्याज दरों से है, जो ऋण सेवा लागत को बढ़ा देगा, जो बजट के 20 प्रतिशत से अधिक हो गया है। उन्होंने कहा, यह काफी उच्च ऋण सेवा लागत है और इससे विकास की संभावना पर कुछ असर पड़ेगा। दूसरा जोखिम वैश्विक बाहरी मांगों की कमी से है।

रशीद ने कहा कि अगर यूरोप और अमेरिका में विकास दर कम होगा, तो इसका प्रभाव वैश्विक निर्यात पर पड़ेगा। इससे विश्व अर्थव्यवस्था को नुकसान हो सकता है। उन्होंने कहा, लेकिन कुल मिलाकर हमारा मानना है कि निकट भविष्य में मजबूत घरेलू मांग को देखते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत स्थिति में होगी। रिपोर्ट में समग्र रूप से दक्षिण एशिया की अर्थव्यवस्था इस वर्ष 4.8 प्रतिशत और अगले वर्ष 5.9 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है।

शादी के बंधन में बंधे अक्षर पटेल

डाइटीशियन मेहा पटेल के साथ 7 फेरे लिए

वड़ोदरा (एजेंसी)। ऑलराउंडर अक्षर पटेल गुरुवार को वडोदरा में शादी के बंधन में बंध गए। उन्होंने गर्लफ्रैंड मेहा पटेल के साथ शादी की। दोनों की सगाई पिछले साल 20 जनवरी को हुई थी। उस दिन अक्षर का बर्थडे था। मेहा पेशे से डायटीशियन और न्यूट्रिशियनिस्ट हैं। इसके अलावा वे सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। रील्स भी बनाती हैं। अक्षर-मेहा की शादी में मोहम्मद कैफ, जयदेव उनादकट समेत कई क्रिकेटर भी पहुंचे।

कैफ ने ट्विटर पर किया पोस्ट- अक्षर की शादी में भारत के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ भी पहुंचे। कैफ ने ट्विटर पर जोड़े के साथ फोटो पोस्ट कर उन्हें शुभकामनाएं दीं। अक्षर ने टीम इंडिया के कई खिलाड़ियों को शादी में इनवाइट किया था, लेकिन बिजी शेड्यूल होने के कारण वे शादी में शामिल नहीं हो सके।

न्यूजीलैंड सीरीज से लिया ब्रेक- अक्षर ने शादी के लिए फिलहाल न्यूजीलैंड सीरीज से ब्रेक लिया है। जडेजा के चोटिल होने के बाद से अक्षर लगातार भारतीय टीम का हिस्सा रहे हैं। पटेल ने इसी साल की शुरुआत में श्रीलंका के खिलाफ टी20 और वनडे मैचों की सीरीज खेली थी।

आखिरी ग्रैंड स्लैम नहीं जीत सकीं

सानिया-रो पड़ीं

● ऑस्ट्रेलिया में मिक्स्ड डबल्स फाइनल हारीं, कहा- 18 साल पहले यहीं करियर शुरू हुआ था

मेलबर्न (एजेंसी)। टेनिस स्टार सानिया मिर्जा का आखिरी ग्रैंड स्लैम फाइनल जीतने का सपना टूट गया। ऑस्ट्रेलियन ओपन मिक्स्ड डबल्स फाइनल में सानिया (36) और रोहन बोपन्ना (42) की जोड़ी को ब्राजील की लुईसा स्टेफनी और राफेल माटोस की जोड़ी ने हराया।

फाइनल मैच के बाद जब सानिया को मेलबर्न रॉड लेवर एरिना पर स्पीच के लिए बुलाया गया तो वो रो पड़ीं। उन्होंने कहा- ये खुशी के आंसू हैं। 18 साल पहले मेलबर्न से ही करियर शुरू हुआ था, इसे खत्म करने की मेलबर्न से बेहतर जगह नहीं हो सकती। मुझे यहां पर घर जैसा अहसास कराने के लिए आप सभी का शुक्रिया।

डब्ल्यूटीए करियर का आखिरी टूर्नामेंट होगा- सानिया मिर्जा पहले ही संन्यास की घोषणा कर चुकी हैं। साल के शुरुआत में उन्होंने टेनिस वेबसाइट वेटा टेनिस काम को दिए इंटरव्यू में कहा था कि दुबई में 19 फरवरी से होने वाले डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट उनका आखिरी टूर्नामेंट होगा। इसके बाद वह संन्यास ले लेंगी।

बोपन्ना बोले-

देश और दुनिया में प्रेरणा बनने के लिए शुक्रिया- सानिया मिर्जा ने साथी खिलाड़ी रोहन बोपन्ना का भी शुक्रिया किया। उन्होंने कहा कि 14 साल की उम्र में उनके पहले मिक्स्ड डबल्स पार्टनर बोपन्ना ही थे। दोनों की फैमिली और बच्चे भी फाइनल के दौरान मौजूद थे। हालांकि, सानिया के पति और पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब मलिक फाइनल में नहीं थे। बोपन्ना ने सानिया से कहा- आपने अपने खेल से इतने सालों तक देश और दुनिया के लोगों को प्रेरणा देने का काम किया है। इसके लिए आपका शुक्रिया।

ब्राजीलियन जोड़ी ने सानिया बोपन्ना को हराया

मिक्स्ड डबल्स जीतने वाले लुईसा और राफेल पहली बार ग्रैंड स्लैम जीते हैं। सानिया-बोपन्ना ने पहला सेट 6-7 से टाईब्रेक में गंवाया। दूसरे सेट में भी उन्हें ब्राजील जोड़ी ने वापसी का मौका नहीं दिया और इस सेट को 6-2 से जीत लिया।सानिया-बोपन्ना ने 6 साल पहले 2017 में फ्रेंच ओपन का मिक्स्ड डबल्स खिताब जीता था। ऑस्ट्रेलियन ओपन में मिर्जा महेश भूपति के साथ 2009 में चैंपियन बनी थीं। सानिया मिर्जा अब तक 6 ग्रैंड स्लैम जीत चुकी हैं।

सेमीफाइनल में नील-डेसिरै की जोड़ी ने मैच छोड़ दिया था

सानिया-बोपन्ना का सेमीफाइनल मुकाबला ब्रिटेन के नील स्कूपस्की और अमेरिकी की डेसिरै क्रॉक्जिक से था, लेकिन यह जोड़ी तीसरे सेट में मैच से हट गई थी। इसके बाद भारतीय जोड़ी को विजेता घोषित कर दिया गया था।

क्वार्टर फाइनल मुकाबले में भी मिला वॉकओवर- सानिया-बोपन्ना की भारतीय जोड़ी को क्वार्टर फाइनल मुकाबले में स्पेन के वेगा हर्नांडेज और लातविया के जेनेना ओस्तापेंको ?????ने वॉकओवर दिया था। इस जोड़ी ने प्री क्वार्टरफाइनल मुकाबले में उरुग्वे के एरियल बेहर और माकोटो निनोमिया की जोड़ी 6-4 7-6 से हरा कर टॉप-8 में जगह बनाई थी।

विमेंस डबल्स में गैरवरीय जोड़ी से हारीं- सानिया मिर्जा अपनी जोड़ीदार एना डानिलिना के साथ विमेंस डबल्स के दूसरे दौर में उलटफेर का शिकार हुईं। भारत-कजाख की 8वीं सीड जोड़ी को बेल्जियम की एलिसन वान उइतवैंक और यूक्रेन की एनहेलिना कलिनिना की गैरवरीय जोड़ी ने 4-6, 6-4, 2-6 से हराया।

अखाड़े में कुश्ती लड़ते-लड़ते पहलवान की मौत

● लखीसराय में दूसरे पहलवान ने पटखनी दी; गर्दन मुड़ने से मौके पर मौत

लखीसराय (एजेंसी)। पहलवान ने कमर में हाथ डालकर दूसरे पहलवान को पटखनी दी। इस दौरान उसकी गर्दन मुड़ गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।बिहार के लखीसराय में कुश्ती लड़ते पहलवान की मौत हो गई। पटखनी के दौरान उसकी गर्दन मुड़ गई, जिससे मौके पर ही उसने दम तोड़ दिया इसके बाद भगदड़ मच गई। पहलवान की उम्र 28 साल थी।

इसका वीडियो भी सामने आया है। पुलिस को सूचना दी गई। पहलवान के परिवार को बुलाया गया। परिवार का आरोप है कि उसकी हत्या की गई है।

कुश्ती का आयोजन मेदनी चौकी थाने के हुसैना गांव में गुरुवार को किया गया था। इसमें प्रदेशभर से पहलवान कुश्ती लड़ने आए थे। कुश्ती के दौरान दो पहलवान दांव-पेच आजमा रहे थे। थोड़ी देर में एक पहलवान दूसरे को कमर से पकड़कर पटखनी देता है। इसी दौरान नीचे गिरे पहलवान की गर्दन मुड़ जाती है और उसकी मौके पर ही मौत हो जाती है।

अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप

भारत ने न्यूजीलैंड पर दर्ज की आसान जीत, फाइनल में किया प्रवेश

सिडनी (एजेंसी)। अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप के पहले सेमीफाइनल में भारत ने न्यूजीलैंड पर 8 विकेट से आसान जीत दर्ज करते हुए फाइनल में प्रवेश कर लिया है। भारत ने मिले 108 रनों के जवाब में श्वेता सहरावत के नाबाद 61 रनों की मदद से 14.2 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। कप्तान शेफाली वर्मा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। दूसरे ओवर की तीसरी गेंद पर मन्नत कश्यप ने न्यूजीलैंड की अन्ना ब्राउनिंग को अपना शिकार बनाया। इमा मैक्लॉड भी कुछ खास नहीं कर पाईं। वह 2 रन बनैकर तितास साधु का शिकार बनीं। इसके बाद हालांकि, जॉर्जिया प्लामर ने 35 और इज गेज 26 रन बनाकर कुछ संघर्ष जरूर किया, लेकिन दोनों टीम को बड़े स्कोर तक नहीं पहुंचा सकीं।

सफलता के साथ असफलता का भी जश्न मनाना जरूरी

सचिन बोले- खेल कभी हार न मानने वाली भावना सिखाता है

मुंबई (एजेंसी)। मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर ने कहा कि खेल हमारे देश का एक अभिन्न हिस्सा रहा है। हमारे देश में न जाने कितने खेलों ने जन्म लिया। हर चाल में गेम बदलने वाला चेस भारत से उपजा। अब इस खेल में कई भारतीय देश को गौरवान्वित कर रहे हैं। इसी तरह अन्य देशों द्वारा बनाए खेलों में भी भारतीय टीमों का अद्वितीय प्रदर्शन रहा है।

क्रिकेट, हॉकी, कबड्डी, सेलिंग, बैडमिंटन, बिलियर्ड्स में तो भारत ने विश्व विजेता की उपलब्धि भी हासिल की। इन कारणों से अब जब बच्चे घर से बाहर निकलकर गलियों में अपने दोस्तों के साथ खेलते हैं तो उनके माता-पिता घरों से ही अपने बच्चों को खेलते हुए देखते हैं और उत्साह बढ़ाते हैं। इस प्रक्रिया में हार-जीत मायने नहीं रखती। अगर बच्चा जीत जाता है तो अभिभावक उसके साथ जश्न में शामिल होते हैं और अगर वो हारता है तो वे अपने बच्चे को सांत्वना देते हैं। फिर वो बच्चा खेल को लेकर उतना ही उत्साहित रहता है, जितना वो पहले था।

अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों में भी हार न मानने वाली भावना रहती है। एक खिलाड़ी कितनी बार जीता है, उससे उसकी सफलता को नापा जाता है। लेकिन, उनके जीवन में हार भी अहम भूमिका निभाती है। खेल ही दृढ़ता और दृढ़ संकल्प सिखाता है। पिछले साल, भारत ने एक नए खेल को देखा। रूपा रानी, पिंकी, नयनमोनी और लवली चौबे ने लॉन बॉल्स में भारतीयों की दिलचस्पी पैदा की।

इस टीम ने कॉमनवेल्थ में भारत के लिए लॉन बॉल्स में पहला गोल्ड जीता। समाज ने जीतने को ही तवज्जो दी है, लेकिन ये हमारी जिम्मेदारी है कि हम किसी की मेहनत और उसके संघर्ष पर भी उतना ही ध्यान दें। जीतने के लिए की गई कोशिश को भी लोगों की सराहना मिलना जरूरी है। हो सकता है कि चानू, सिंधु, बजरंग, मेरीकॉम और कोहली अच्छा खेल न दिखाएं। लेकिन वे दोबारा उतरेंगे और अपना बेस्ट देने की कोशिश करेंगे।

हमारी कोशिश होनी चाहिए कि अच्छा खेलने वाले खिलाड़ियों की ग्रासरूट स्तर पर ही पहचान हो। फिर उन्हें ऐसा इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराना होगा, जहां वे सीखें। सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ असफलता को स्वीकार करने की क्षमता से इन खिलाड़ियों को जीतना सीखना होगा। हर गणतंत्र दिवस पर हम अपने संविधान और इसके द्वारा दिए गए अधिकारों का सम्मान करने के लिए इकट्ठा होते हैं। आइए इस बार भी हम सब मिलकर वर्षों की यात्रा का जश्न मनाएं, जब हम कई बाधाओं के बावजूद आगे बढ़ते हुए और कोशिश करते हुए जीतें। आइए हम एक ऐसे कल की कामना करें, जहां हम असफलताओं को महत्व देना सीखें। अपने और देश के लिए सर्वश्रेष्ठ हासिल करने का प्रयास करते हुए आगे बढ़ें।

उसे टेस्ट में भी अच्छा प्रदर्शन करना होगा, टीम उसके ऊपर निर्भर है : गांगुली

नईदिल्ली (एजेंसी)। करीब दो साल तक चले खराब प्रदर्शन के बाद विराट कोहली ने अपनी बेहतरीन फॉर्म में वापसी की है। 34 वर्षीय कोहली ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप में विस्फोटक अंदाज में दिखे थे और अपने पिछले नौ वनडे मैचों में तीन शतक बनाने में भी सफल रहे। हालांकि, दिल्ली में जन्मे इस क्रिकेटर ने अभी तक टेस्ट क्रिकेट में वैसा प्रदर्शन नहीं किया है। वह बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की सीरीज में ज्यादा कुछ नहीं कर सके और यह चिंता का कारण है, खासकर जब ऑस्ट्रेलिया 9 फरवरी से शुरू होने वाली चार मैचों की सीरीज के लिए भारत का दौरा कर रहा है। भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने हालांकि, कोहली का समर्थन किया है और उम्मीद करते हैं कि वह खेल के सबसे लंबे प्रारूप में भी अच्छा प्रदर्शन करेंगे। 50 वर्षीय गांगुली ने उल्लेख किया कि भारतीय क्रिकेट टीम टेस्ट क्रिकेट में उन पर निर्भर है और इसलिए, उन्हें फिर से कदम बढ़ाने और योगदान देने की जरूरत है।

गांगुली ने इंडिया टुडे से बात करते हुए कहा, विराट कोहली अच्छा कर रहे हैं। उन्होंने बांग्लादेश और श्रीलंका के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्हें टेस्ट क्रिकेट में भी अच्छा प्रदर्शन करना है क्योंकि भारतीय क्रिकेट टीम उन पर निर्भर है। ऑस्ट्रेलिया सीरीज जल्द ही आने वाली है और मुझे उम्मीद है कि यह काफी अच्छी होगी। मैं चाहता हूं कि भारत और ऑस्ट्रेलिया विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल खेलें।

विंडीज क्रिकेट का भविष्य अब ब्रायन लारा के हाथों में, मिली बड़ी जिम्मेदारी

सेंट जॉन्स (एजेंसी)। क्रिकेट विंडीज (सीडब्ल्यूआई) मौजूदा समय बुरे दौर से गुजर रहा है। टीम वैसा प्रदर्शन दोहराने में असफल हो रही है, जिसके लिए वह करीब 7-8 साल पहले जानी जाती थी। हालांकि अब विंडीज क्रिकेट का भविष्य पूर्व कप्तान और बल्लेबाजी के दिग्गज ब्रायन लारा के हाथों में है। दरअसल, लारा को टीम का परफॉर्मेंस मेंटर नियुक्त किया गया है। वह टीम के खिलाड़ियों और बोर्ड दोनों के साथ मिलकर काम करेंगे। ब्रायन लारा सभी हेड कोच के साथ मिलकर काम करेंगे और वो उनको अपनी राय देंगे। विंडीज क्रिकेट ने इसकी घोषणा करते हुए कहा कि लारा, सीडब्ल्यूआई को एक परफॉर्मेंस मेंटर के रूप में सहायता करने के लिए सहमत हो गए हैं। लारा की नई भूमिका खिलाड़ियों को सामरिक सलाह देने और उनकी खेल भावना में सुधार करने के साथ-साथ आईसीसी विश्व कप टूर्नामेंट रणनीतिक योजना पर क्रिकेट निदेशक के साथ मिलकर काम करने में विभिन्न मुख्य कोचों का समर्थन करने की होगी। सीडब्ल्यूआई के क्रिकेट निदेशक जिमी एडम्स ने कहा, मैं वास्तव में उम्मीद कर रहा हूं कि ब्रायन हमारे खिलाड़ियों और कोचों को अमूल्य मार्गदर्शन और सलाह प्रदान करके हमारी क्रिकेट प्रणाली में एक महत्वपूर्ण योगदान देंगे। हमें विश्वास है कि ब्रायन हमारी उच्च प्रदर्शन वाली मानसिकता को सुधारने में मदद करेंगे, जो हमें सभी प्रारूपों में और अधिक सफलता दिलाएगा। हर कोई ब्रायन को हमारे खिलाड़ियों का समर्थन करने के लिए उत्साहित करता है। वहीं ब्रायन लारा ने कहा, ऑस्ट्रेलिया में खिलाड़ियों और कोचों के साथ समय बिताने और सीडब्ल्यूआई के साथ चर्चा करने के बाद, मेरा मानना है कि मैं खिलाड़ियों को खेल के प्रति उनके मानसिक दृष्टिकोण और उनकी रणनीति को और अधिक सफल बनाने में मदद कर सकता हूं। मैं आगे देख रहा हूं।

सबा करीम बोले

रांची में स्पिनरों को ज्यादा फायदा नहीं होगा, उसे नंबर 3 पर मौके दो

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत के पूर्व विकेटकीपिंग बल्लेबाज सबा करीम ने कहा है कि वह राहुल त्रिपाठी को और मौके मिलते देखना चाहते हैं। भारत रांची में तीन मैचों की सीरीज के पहले टी20 मैच में न्यूजीलैंड का सामना करने के लिए तैयार है। इंडिया न्यूज से बात करते हुए करीम ने कहा कि रांची में स्पिनरों को ज्यादा फायदा नहीं होगा, उन्होंने कहा कि सीरीज के पहले मैच में अतिरिक्त स्पिनर को खिलाने की जरूरत नहीं है।

करीम ने कहा, आपके पास तीन स्पिनर (वाशिंगटन सुंदर और कुलदीप यादव) हैं क्योंकि दीपक हुड्डा गेंदबाजी कर सकते हैं। इसलिए तीसरे स्पिनर को खेलने की कोई जरूरत नहीं है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि सर्दियों में रांची में स्पिनरों को ज्यादा फायदा होगा। तेज गेंदबाजों को मदद मिलेगी क्योंकि नमी है और पिच सख्त है। उन्होंने कहा कि भारत ने वनडे सीरीज में बहुत अच्छा खेला और अगर टी20 सीरीज में भी इसी तरह का परिणाम आता है तो आश्चर्य नहीं होगा। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि भारत ने वनडे मैचों में बहुत अच्छा खेल दिखाया। मेरा मानना है कि टी20 क्रिकेट में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिलेगा। मुझे नहीं लगता कि टीम को टक्कर देने के लिए न्यूजीलैंड एक कुशल टीम है। टीम इंडिया का आत्मविश्वास इस समय काफी ऊंचा है। हमें टी20 क्रिकेट में भी ऐसा ही परिणाम मिल सकता है।

पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि वह न्यूजीलैंड के खिलाफ एक कड़ी सीरीज की उम्मीद कर रहे हैं क्योंकि उनके पास डेवोन कॉनवे, माइकल ब्रेसवेल और मिशेल सेंटनर जैसे अनुभवी खिलाड़ी हैं।

रवींद्र जडेजा ने रणजी मैच में 8 विकेट लिए

तमिलनाडु को 133 पर ऑलआउट किया, एक फरवरी को उनकी फिटनेस पर अंतिम फैसला

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने रणजी ट्रॉफी मैच में तमिलनाडु के खिलाफ 8 विकेट झटक लिए हैं। पहली पारी में उन्हें एक ही विकेट मिला। लेकिन, दूसरी पारी में उन्होंने 7 विकेट लेकर तमिलनाडु को 133 रन पर ऑलआउट कर दिया। रणजी ट्रॉफी मैच में वह सौराष्ट्र की कप्तानी कर रहे हैं। आखिरी दिन उनकी टीम को जीत के लिए 262 रन की जरूरत है। जडेजा इंजरी के चलते पिछले साल अगस्त से भारत के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट नहीं खेल सके हैं। अब रणजी ट्रॉफी मैच के बाद उनकी फिटनेस देखी जाएगी। अगर वे फिट हुए तो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलेंगे। उनकी फिटनेस पर बीसीसीआई एक फरवरी को फैसला लेगा।

इंजरी के चलते 6 महीने तक नहीं खेले

ऑलराउंडर जडेजा घुटने में चोट के चलते पिछले साल अगस्त से भारत के लिए क्रिकेट नहीं खेल सके। रवींद्र जडेजा ने 31 अगस्त 2022 को हॉन्ग कॉन्ग के खिलाफ आखिरी बार भारत के लिए टी-20 मैच खेला था। एनसीए में उन्होंने 6 महीने तक फिटनेस रिकवर की और अब 24 जनवरी को तमिलनाडु के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच में सौराष्ट्र की कप्तानी करने उतरे।

53 रन पर 7 विकेट लिए- पहली पारी में उन्हें एक ही विकेट मिला। लेकिन दूसरी पारी में उन्होंने 53 रन पर 7 विकेट लेकर तमिलनाडु को 133 पर ऑलआउट कर दिया। शुक्रवार को मैच का आखिरी दिन है। सौराष्ट्र को जीत के लिए 262 रन की जरूरत है।

बैट से 15 रन ही बना सके- मंगलवार को टॉस जीतकर तमिलनाडु ने पहले बैटिंग करने का फैसला किया। टीम ने पहली पारी में 324 रन बना दिए। उनके लिए 3 बैटर्स ने फिफ्टी जड़ी। जवाब में सौराष्ट्र की टीम पहली पारी में 192 रन ही बना सकी। टीम से एक भी फिफ्टी नहीं आई, वहीं कप्तान जडेजा भी 15 रन ही बना सके। तीसरी पारी में सौराष्ट्र ने 36 ओवर में ही तमिलनाडु को 133 पर समेट दिया। रवींद्र जडेजा ने 7 विकेट लिए। 266 रन के टारगेट का पीछा करते हुए सौराष्ट्र ने 4 रन पर एक विकेट गंवा दिया है। आखिरी दिन टीम को जीत के 262 रन चाहिए, उनके 9 विकेट ही बाकी है। ओपनर हार्विक देसाई और नाइट वॉचमैन चेतन सकारिया नाबाद हैं।

एक फरवरी को फिटनेस पर फैसला होगा- मैच के बाद एनसीए में जडेजा की फिटनेस देखी जाएगी। अगर वे फिट रहें तो एक फरवरी तक उनके खेलने पर आखिरी फैसला लिया जाएगा।

भारत को 9 फरवरी से नागपुर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 4 टेस्ट की

पाक में यूएसएड से मदद पाने वाले एनजीओ के प्रतिबंधित आतंकी संगठनों से संबंध : अमेरिकी सांसद

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका के शीर्ष सांसद ने आरोप लगाया है कि पाकिस्तान में स्थित एक अमेरिकी गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) के प्रतिबंधित आतंकवादी गुटों से संबंध हैं। उन्होंने दावा किया कि इस एनजीओ को अंतरराष्ट्रीय विकास के लिए अमेरिकी एजेंसी (यूएसएड) से वित्तीय सहायता हासिल है। यूएसएड की प्रशासक समांथा पावर को 24 जनवरी को लिखे पत्र में सांसद माइकल मैककॉल ने उनके द्वारा लगाए गए आरोपों की गहन जांच किए जाने तक संबंधित एनजीओ को दी जाने वाली मदद निलंबित करने की मांग की। मैककॉल अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष हैं। उन्होंने कहा, ह्लइन आरोपों की गहन जांच होने तक एनजीओ को दी जाने वाली मदद तत्काल प्रभाव से रोक दी जानी चाहिए। पत्र में मैककॉल ने गहरी चिंता जताई कि यूएसएड को उनके कार्यालय से आठ महीने से अधिक समय पहले इन आरोपों के बारे में विश्वनीय जानकारी मिली थी कि उससे अनुदान प्राप्त करने वाले एक एनजीओ के प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों से संबंध हैं। मैककॉल ने कहा कि अक्टूबर 2021 में यूएसएड ने महासागर भाड़ा प्रतिपूर्ति कार्यक्रम के तहत ह्यहेल्पिंग हैंड फॉर रिलीफ एंड डेवलपमेंटह्न (एचएचआरडी) को 1.10 लाख डॉलर की मदद मुहैया कराई थी।

हवाईअड्डा नरसंहार में 14 और दोषियों को मौत की सजा

नई दिल्ली, एजेंसी

इराक की एक अदालत ने उत्तरी सलादीन प्रांत में तिकरित शहर के पास स्थित माजिद अल तमीमी हवाईअड्डे पर 2014 में हुए नरसंहार के 14 और दोषियों को मौत की सजा सुनाई है। सर्वोच्च न्यायिक परिषद ने गुरुवार को यह जानकारी दी। परिषद ने बयान में कहा है कि केन्द्रीय आपराधिक अदालत ने 2014 में हुए इस स्पीचर नरसंहार में 14 आतंकवादियों को मौत की सजा सुनाई। विभिन्न अनुमानों के अनुसार स्पीचर हवाईअड्डे पर नरसंहार जून 2014 में इस्लामिक स्टेट आतंकवादी समूह (आईएस) के आतंकवादियों द्वारा कब्जा करने के बाद हुआ था। आतंकवादियों ने लगभग 1,700 इराकी सैनिकों को मार डाला और उनके शव बाद में पास में सामूहिक कब्रों में पाए गए।

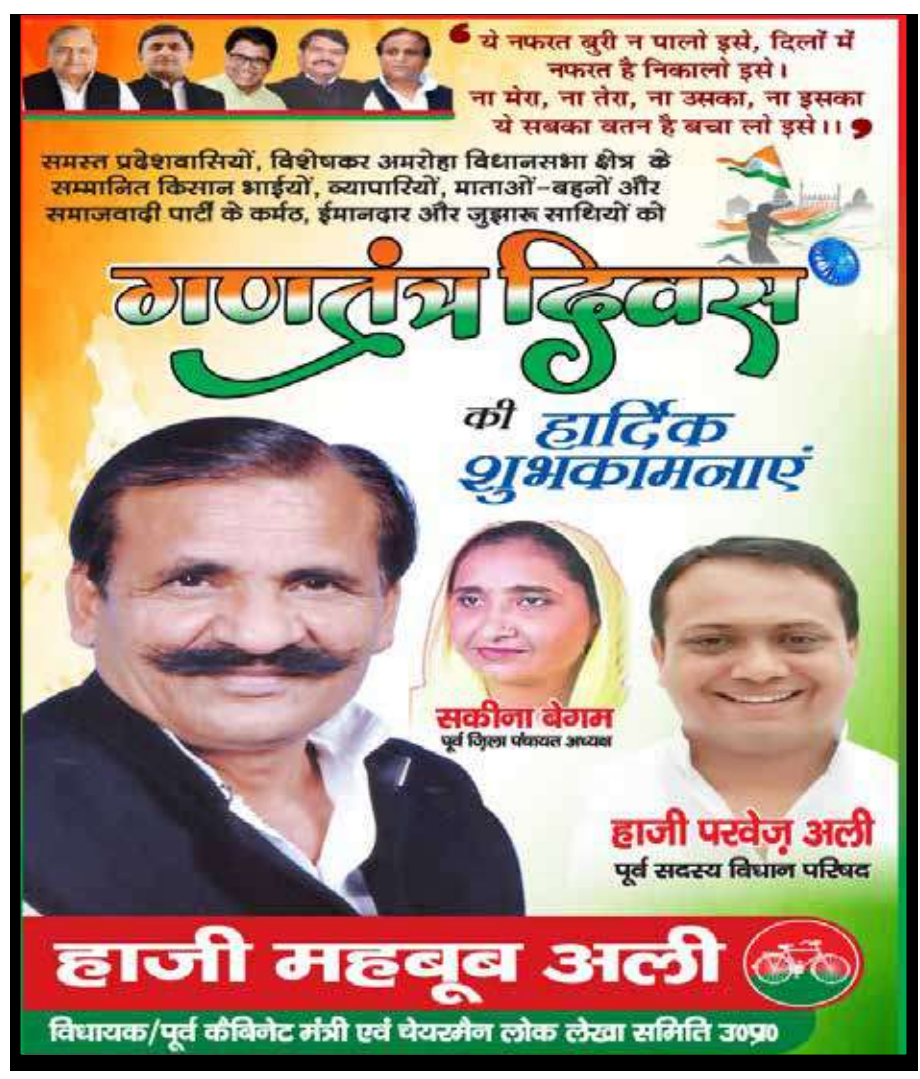

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129